किसी महिला को गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता : सुप्रीम कोर्ट - 12

मौद्रिक नीति से शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 266 अंक चढ़ा - 12

अमेरिका ने अपने नागरिकों को तुरंत ईरान को छोड़ने की दी चेतावनी -13

ताबड़तोड़ क्रिकेट के महासमर में भारत खिताब का सबसे प्रबल दावेदार- 14

आज का मौसम

23.0° अधिकतम तापमान

12.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.50

सूर्यास्त 05.56

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष षष्ठी 02:54 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 7 फरवरी 2026, वर्ष 4, अंक 168, पृष्ठ 14 मूल्य 5 रुपये

एसआईआर की समय सीमा बढ़ी, 10 अप्रैल को प्रकाशित होगी अंतिम सूची

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : यूपी में मतदाता सूची के एसआईआर अभियान को लेकर चुनाव आयोग ने दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की समय सीमा बढ़ा दी है।

अभी तक यह सीमा छह फरवरी थी, अब यह समय सीमा छह मार्च तक रहेगी। इसके अलावा, मैपिंग से जुड़े सभी नोटिसों की प्रक्रिया अब 27 फरवरी की बजाय 27 मार्च तक पूरी की जाएगी । अंतिम मतदाता सूची अब 10 अप्रैल को प्रकाशित की जाएगी।

लोकभवन में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि फार्म-6 के आवेदन लगातार बढ़ रहे हैं। मैपिंग को लेकर भी बड़ी संख्या में नोटिस भेजे गए हैं। राजनीतिक दलों ने समय बढ़ाने की मांग की थी।

- दावे और आपत्तियां 6 मार्च तक मैपिंग नोटिस 27 मार्च तक

3.26 करोड़ को नोटिस जारी किया गया

मैपिंग (गणना फार्म) के दौरान लगभग एक करोड़ 4 लाख लोगों में तार्किक विसंगतियां पाई गईं, इसलिए उन्हें सूची में शामिल नहीं किया गया। इन सभी को नोटिस भेजा जा रहा है। इन विसंगतियों में पिता के नाम में अंतर या पिता-पुत्र की उम्र में 15 साल से कम अंतर शामिल है। अब तक कुल 3 .26 करोड़ लोगों को नोटिस भेजा गया है। 2 .37 करोड़ नोटिस जनरेट हो चुके हैं।

इंग्लैंड को रिकॉर्ड छठी बार फाइनल में हराकर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप खिताब जीतने के बाद जश्न मनाते भारतीय खिलाड़ी।

भारत ने इंग्लैंड को हराकर छठवीं बार अंडर-19 विश्व कप जीता

हरारे। युवा विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के 175 रन की बदौलत भारत ने शुक्रवार को यहां फाइनल में इंग्लैंड को 100 रन से हराकर रिकॉर्ड छठी बार आईसीसी अंडर-19 विश्व कप खिताब जीता। भारत ने इससे पहले 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में ट्रॉफी जीती थी। यह टूर्नामेंट के इतिहास में भारत के दबदबे को दिखाता है। चौदह वर्षीय सूर्यवंशी ने सिर्फ 80 गेंद में शानदार 175 रन बनाए। उन्होंने अंडर-19 क्रिकेट इतिहास में सबसे तेज 150 रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया और यह मुकाम 71 गेंदों में हासिल किया। इससे भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 411 रन का रिकॉर्ड स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और कालेब फाल्कनर के 115 रन की शतकीय पारी के बावजूद आखिरकार 40.2 ओवर में 311 रन पर ऑल आउट हो गया।

- वैभव सूर्यवंशी ने खेली तूफानी पारी

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली हवाई अड्डे पर 13 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त, महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर सीमा शुल्क भाग के अधिकारियों ने बैंकॉक से आई एक भारतीय महिला यात्री से करीब 12 .93 करोड़ रुपये मूल्य का कथित मादक पदार्थ जब्त किया। महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। दो ट्रॉली बैग की जांच करने पर उनमें कुल 13 पॉलीथीन के पैकेट मिले, जिनमें गांजा है। जब्त किए गए पदार्थ का कुल वजन 12 .92 किलोग्राम है और शुरुआती जांच के मुताबिक यह गांजा है।

कोयला खदान विस्फोट के बाद 7 और शव मिले मृतकों की संख्या 25 हुई

शिलांग। मेघालय के ईस्ट जयंतिया हिल्स में एक अवैध कोयला खदान में हुए विस्फोट की घटना में शुक्रवार को सात और शवों की बरामदगी के बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 25 हो गई। यह विस्फोट गुरुवार को थांगस्कू इलाके में स्थित अवैध कोयला खदान में हुआ था, जिसके बाद प्रशासन ने व्यापक स्तर पर खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया। गुरुवार को 18 शव बरामद किए गए थे। नोंगरंग ने बताया, शुक्रवार को सात और शव बरामद किए गए हैं जिससे मृतकों की कुल संख्या 25 हो गई है। इनमें से 12 शवों की पहचान हो चुकी है।

सीबीआई ने सीमा शुल्क के तीन अधिकारियों पर दर्ज किया मामला

आइजोल। सीबीआई ने मिजोरम में पूर्व में तैनात रहे सीमा शुल्क विभाग के तीन अधिकारियों के खिलाफ तस्करों से 35 लाख रुपये से अधिक की रिश्वत लेने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की। एक सेवानिवृत्त अधीक्षक और दो निरीक्षकों समेत तीनों आरोपियों ने रिश्वत लेने के बाद तस्करों के जब्त माल को कथित तौर पर छोड़ दिया। गुवाहाटी स्थित सीजीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त की औपचारिक शिकायत के बाद तीन फरवरी को आधिकारिक तौर पर मामला दर्ज किया गया। उन्होंने 2022-2023 के दौरान पूर्वी मिजोरम में भारत-म्यांमा सीमा पर एक महत्वपूर्ण पारगमन बिंदू- चम्फाई शहर में सीपीएफ में सेवा करते हुए अपने आधिकारिक पदों का दुरुपयोग किया।

रेपो रेट 5.25% पर बरकरार, डिजिटल फ्रॉड पर मिलेगा 25,000 का मुआवजा

आरबीआई ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक में लिया फैसला, ग्रोथ अनुमान 7.4% किया

मुंबई, एजेंसी

आरबीआई ने शुक्रवार को उम्मीद के मुताबिक रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। महंगाई में नरमी, वृद्धि को लेकर चिंता दूर होने के साथ बजट में सरकारी खर्च में वृद्धि तथा अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बनी सहमति के बाद शुल्क को लेकर दबाव कम होने के बीच नीतिगत दर को यथावत रखने की उम्मीद की जा रही थी। वहीं, छोटे-मोटे धोखाधड़ी वाले लेन-देन में हुए नुकसान के लिए ग्राहकों को 25,000 रुपये तक की क्षतिपूर्ति को लेकर नई रूपरेखा की घोषणा की।

केंद्रीय बैंक की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आम सहमति से रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर कायम रखने का निर्णय लिया। इसके साथ आरबीआई ने अपने तटस्थ रुख को बरकरार रखा, जिसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीला बना रहेगा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एमपीसी के फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि बाहरी चुनौतियां बढ़ गई हैं, लेकिन अमेरिका के साथ व्यापार समझौते का सफल समापन अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है। आरबीआई ने फरवरी, 2025 से रेपो दर में अब तक कुल 1.25 प्रतिशत की कटौती की है। यह 2019 के बाद से सबसे आक्रामक कटौती है। दिसंबर में हुई पिछली बैठक में आरबीआई ने प्रमुख ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की थी। चालू वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति औसतन 2.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो केंद्रीय बैंक के चार प्रतिशत के लक्ष्य से कम है। मार्च में समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

गवर्नर मल्होत्रा ने छोटे-मोटे धोखाधड़ी वाले लेन-देन में हुए नुकसान के लिए ग्राहकों को 25,000 रुपये तक की क्षतिपूर्ति को लेकर नई रूपरेखा लाने की घोषणा की। मल्होत्रा ने चालू वित्त वर्ष के लिए अंतिम द्विमासिक नीति की घोषणा करते हुए कहा, हम डिजिटल भुगतान की सुरक्षा बढ़ाने के लिए संभावित उपायों पर एक परिचर्चा पत्र भी प्रकाशित करेंगे। इन उपायों में विलंब से क्रेडिट और वरिष्ठ नागरिकों जैसे विशिष्ट वर्ग के उपयोगकर्ताओं के लिए अतिरिक्त प्रमाणीकरण शामिल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि ग्राहकों के हितों की सुरक्षा के लिए, आरबीआई तीन दिशानिर्देश का मसौदा जारी करेगा। पहला, गलत बिक्री से संबंधित, दूसरा, अनधिकृत तरीके से इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेन-देन में ग्राहकों की देनदारी को सीमित करने और तीसरा कर्ज वसूली तथा वसूली एजेंट को जोड़ने के संबंध में होगा।

- महंगाई में नरमी और अमेरिका से व्यापार समझौते पर बनी सहमति के कारण नहीं बदले रेपो रेट

1,000 करोड़ से कम संपत्ति वाली एनबीएफसी को अनिवार्य पंजीकरण से छूट

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को छोटे आकार की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को अनिवार्य पंजीकरण से छूट देने का प्रस्ताव दिया। इसके लिए एनबीएफसी की संपत्ति 1,000 करोड़ रुपये से कम होनी चाहिए और उनमें सार्वजनिक धन नहीं लगा होना चाहिए। उन्होंने इसके पीछे इन कंपनियों से जुड़े कम प्रणालीगत जोखिम का हवाला दिया। **विस्तृत कारोबार पर**

गोल्ड लोन में उच्च वृद्धि के बावजूद चिंता की कोई बात नहीं : मल्होत्रा

मुंबई। सोने की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के बीच आरबीआई ने कहा कि वह वित्तीय प्रणाली में कीमती धातु के बदले दिए जाने वाले कर्ज (स्वर्ण ऋण) को लेकर पूरी तरह सहज है और इसे लेकर कोई चिंता नहीं है। स्वर्ण ऋण को लेकर हम बहुत सहज हैं। नवंबर 2025 तक के दो वर्षों में पूरी वित्तीय प्रणाली में कुल स्वर्ण ऋण बकाया लगभग दोगुना हो गया है, क्योंकि सोने की कीमतों में उछाल ने ऋणदाताओं को अधिक सहज बना दिया है।

परीक्षा बोझ नहीं, अंकों के बजाय बेहतर जीवन पर ध्यान दें : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आने वाली बोर्ड परीक्षाओं से पहले शुक्रवार को स्कूली छात्र-छात्राओं को अनेक मंत्र देते हुए कहा कि अपने जीवन एवं शैक्षणिक कौशल को निखारने पर ध्यान केंद्रित करते हुए शिक्षा को बोझ नहीं समझें और केवल अंकों पर नहीं, बल्कि जीवन बेहतर करने पर ध्यान नहीं दें। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि परीक्षाएं उत्सव की तरह होती हैं और इनकी खुशी मनाई जानी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने परीक्षा पे चर्चा 2026 के नौवें संस्करण में छात्रों से कहा कि शिक्षा बोझ नहीं होनी चाहिए और सभी को पूरी लगन से पढ़ना चाहिए क्योंकि आधे-अधूरे मन से की गई पढ़ाई जीवन को सफल नहीं बनाती। उन्होंने यहां अपने आवास पर देश के विभिन्न हिस्सों से आए विद्यार्थियों के एक समूह से कहा, शिक्षा मजबूरी नहीं होनी चाहिए। शिक्षा बोझ नहीं होनी चाहिए। हमारी पूरी तल्लीनता चाहिए। अगर पूरी तल्लीनता से पढ़ाई नहीं की है, तो फिर आधी-अधूरी शिक्षा, जीवन को कहीं सफल नहीं बनाने देती। प्रधानमंत्री ने कहा, अंकों पर ध्यान देने के बजाय सभी को इस पर ध्यान देना चाहिए कि वे जीवन में कहां पहुंचे हैं। आपके माता-पिता, शिक्षक या साथी क्या कहते हैं, इससे फर्क नहीं पड़ता, खुद पर भरोसा रखिए और अपने सामने आने वाले सभी सुझावों पर विचार करते हुए अपने हिसाब से चलिए। मोदी ने बच्चों से कहा, हमारा लक्ष्य ऐसा होना चाहिए जो पहुंच के भीतर हो लेकिन आसानी से प्राप्त होने वाला न हो। पहले मन को साधो, फिर मन को जोड़ो और फिर जिन विषयों की पढ़ाई करनी है, उन्हें सामने रखो। तब आप हमेशा सफल होंगे। वर्ष 2023 में 38.8 लाख बच्चों ने परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया था, जो नौवें संस्करण में 4.5 करोड़ से अधिक हो गया है।

- प्रधानमंत्री मोदी ने परीक्षा पे चर्चा 2026 के नौवें संस्करण में छात्रों को किया संबोधित
- कहा- पूरी लगन से पढ़ाई करें, आधे-अधूरे मन से की गई पढ़ाई सफल नहीं बनाती

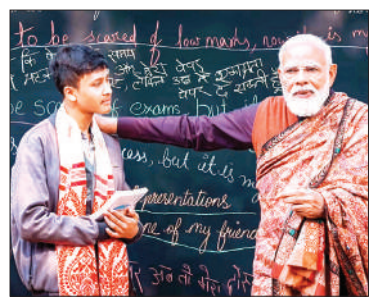

छात्र से संवाद करते प्रधानमंत्री मोदी।

मनोरंजन के लिए गेम खेलने में समय बर्बाद न करें : मोदी

मोदी ने छात्रों को मनोरंजन के लिए गेम खेलने में समय बर्बाद नहीं करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, आपकी गेमिंग में रुचि है लेकिन भारत में डेटा सस्ता है तो सिर्फ समय काटने के लिए इसमें लिप्त मत होइए। जो लोग पैसे कमाने के लिए गेमिंग में लिप्त होते हैं, उनका ही नुकसान होता है। हमें देश में जुए को बढ़ावा नहीं देना है। मैंने ऑनलाइन जुए के खिलाफ कानून बनाया है।

पाकिस्तान में मस्जिद में आत्मघाती विस्फोट, 31 की मौत, 169 घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शुक्रवार की नमाज के दौरान एक आत्मघाती हमलावर द्वारा खुद को विस्फोट में उड़ा लेने से 31 लोग मारे गए और 169 लोग घायल हो गए।

विस्फोट इस्लामाबाद के तरलाई इलाके में स्थित खदीजातुल कुबरा मस्जिद-सह-इमामबाड़ा में हुआ। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आत्मघाती हमलावर को इमामबाड़ा के द्वार पर रोक लिया गया था, लेकिन उसने खुद को विस्फोट में उड़ा लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हमलावर एक विदेशी नागरिक था और उसके संबंध 'फितना अल ख्वाराजी' से थे। यह शब्द टीटीपी के लिए इस्तेमाल किया जाता है। बचाव टीम और पुलिस हमले वाली जगह पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया।

- जुमे की नमाज के दौरान शिया मस्जिद में हुआ भीषण ब्लास्ट

पंजाब में गुरुद्वारे के बाहर आप नेता की गोली मारकर हत्या

चंडीगढ़। पंजाब के जालंधर में मॉडल टाउन स्थित एक गुरुद्वारे के बाहर अज्ञात हमलावरों ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता लक्की ओबेरॉय की शुक्रवार को गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना सुबह करीब साढ़े सात बजे हुई जब 43 वर्षीय ओबेरॉय अपनी एसयूवी में गुरुद्वारे से निकल रहे थे।

सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि जब ओबेरॉय गुरुद्वारे से बाहर आए और अपनी गाड़ी में बैठे तो काले रंग की 'हुडी जैकेट' पहने एक हमलावर पैदल ही उनके पास आया और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और अपने साथी के साथ भाग गया । गैंगस्टर जोगा फोलड़ीवाल ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

- सिर-सीने में गोलियां मारीं गैंगस्टर जोगा फोलड़ीवाल ने ली जिम्मेदारी

'घूसखोर पंडत' के निर्देशक समेत कई पर रिपोर्ट

लखनऊ। जाति विशेष (ब्राह्मण) को निशाना बनाते हुए बनाई गई वेब सीरिज 'घूसखोर पंडत' के निर्देशक नीरज पांडेय व उसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ हजरतगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। इंस्पेक्टर हजरतगंज की तहरीर पर पुलिस ने यह कार्रवाई की।

इस वेब सीरीज में जाति विशेष को निशाना बनाया गया है। जिसका टीजर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वहीं इसके खिलाफ लोगों में गुस्सा फूट पड़ा। लोग जगह-जगह धरना प्रदर्शन करने की तैयारी में जुट गए। जानकारी होते ही इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह ने खुद ही वादी बनकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। नेटफ्लिक्स पर वेब सीरीज घूसखोर पंडत सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मुख्यमंत्री योगी ने फिल्म के निर्देशक व उसके सहयोगियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने का निर्देश दिया। जान लें, एक्टर मनोज बाजपेयी अभिनीत ओटीटी फिल्म घूसखोर पंडत एक काल्पनिक पुलिस ड्रामा है। विवाद के बाद प्रमोशनल सामग्री हटा ली गई है।

- नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म में जाति विशेष को बनाया निशाना
- मुख्यमंत्री के निर्देश पर हुई कार्रवाई आरोपियों की तलाश शुरू

शीर्षक हटाने के निर्देश

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के अनुरोध पर भारत सरकार द्वारा ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज को प्रस्तावित फिल्म 'घूसखोर पंडत' के शीर्षक को हटाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सामाजिक वैमनस्य फैलाने वाली किसी भी टिप्पणी से बचने के लिए कहा है। फिल्म के शीर्षक को लेकर कई संगठनों ने भी विरोध जताया था।

दिल्ली में 15 फुट गहरे गड्ढे में गिरने से बाइक सवार की मौत, तीन इंजीनियर पर गिरी गाज

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी इलाके में निर्माण कार्य के लिए खोदे गए दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के 15 फुट गहरे गड्ढे में गिरने से एक मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। सरकार ने लापरवाही बरतने वाले दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के तीन इंजीनियरों को निलंबित कर दिया गया है। परियोजना पर काम करने वाली कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा कहा कि जल बोर्ड पीड़ित परिवार को मुआवजा देगा। घटना की सूचना मिलने के बाद जल मंत्री ने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता को निलंबित किया। इन तीनों अधिकारियों का कर्तव्य था कि वे यहां जारी काम की प्रगति की निगरानी करते। उन्होंने बताया कि पिछले तीन महीनों से निर्माण स्थल पर काम जारी है लेकिन गड्ढा गुरुवार को खोदा गया था। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान कैलाशपुरी निवासी कमल भयानी (25) के रूप में हुई है, जो एक निजी बैंक के कॉल सेंटर में काम करता था। यह घटना नोएडा के 27 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत के कुछ हफ्तों बाद हुई है। नोएडा सेक्टर 150 में 17 जनवरी की दरम्यानी रात को मेहता की कार के पानी से भरे गड्ढे में गिरने के बाद उनकी डूबने से मौत हो गई थी।

- जनकपुरी इलाके में निर्माण कार्य के लिए दिल्ली जल बोर्ड ने खोदा था गहरा गड्ढा

समारोह

हरिद्वार में स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि की मूर्ति स्थापना समारोह में बोले मुख्यमंत्री

रामभक्तों का अपमान विरासत का अपमान : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/हरिद्वार

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रामभक्तों का अपमान केवल किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि भारत की सनातन विरासत और आध्यात्मिक मूल्यों का अपमान है। यूपी में एक दौर ऐसा था, जब विरासत को कोसा जाता था।

आस्था को लांछित किया जाता था और रामभक्तों पर गोलियां चलाई जाती थीं। इसका दुष्परिणाम प्रदेश अराजकता, लूट और दंगों का केंद्र बन गया। गुंडागर्दी चरम पर थी, न बेटियां सुरक्षित थीं और न व्यापारी। लेकिन भाजपा सरकार आते ही दंगा-दंगाई दोनों गायब हैं। योगी शुक्रवार को हरिद्वार में आयोजित स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज की श्री विग्रह मूर्ति स्थापना समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज यूपी में न अराजकता है, न फसाद और न ही गुंडागर्दी। न दंगा है, न कर्फ्यू यूपी में अब सब चंगा है। दंगा और दंगाई दोनों गायब हो गए हैं, कर्फ्यू अब दंगाइयों पर लगता है। यह परिवर्तन स्पष्ट नीति, साफ नीयत और बिना भेदभाव के सख्त कार्रवाई का परिणाम है। उन्होंने कहा कि क्या किसी ने कल्पना की थी कि 500 वर्षों के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण होगा, लेकिन आज यह सपना साकार हो चुका है। अयोध्या, काशी, मथुरा-वृंदावन, प्रयागराज, हरिद्वार, बदरीनाथ और केदारनाथ जैसे आस्था केंद्र अब केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के केंद्र बन गए हैं। भारत इन्हीं आस्था स्थलों से शक्ति प्राप्त करता है और जब इन्हें सम्मान व संरक्षण मिला, तो उसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए। समारोह को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, उत्तराखंड के सीएम धामी और निर्वाण पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर विशोकानंद भारती जी महाराज ने भी संबोधित किया। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक सहित बड़ी संख्या में संत समाज और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

न जाति का भेद और न धर्म का अंतर

योगी ने कहा कि उत्तराखंड के चार धाम भारत की चेतना के आधार हैं। जब हम लोग बचपन में हरिद्वार आते थे, तो सबके मन में यह भाव रहता था कि हरि की पैड़ी में स्नान करना है और भारत माता मंदिर के दर्शन भी करने हैं। यहां न जाति भेद था और न धर्म का कोई अंतर। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि ऋषि परंपरा की तपस्या से निर्मित राष्ट्र है।

संत बोले- शेर हैं मुख्यमंत्री योगी

संत समाज ने मुख्यमंत्री को 'उत्तर प्रदेश का शेर' बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में यूपी में रामराज्य जैसा वातावरण है। जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसे नेताओं के नेतृत्व में भारत पुनः अपने वैभव को प्राप्त करेगा।

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार,7 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

पांच वरिष्ठ आईपीएस अफसरों के तबादले

अमृत विचार, लखनऊ : पुलिस विभाग में पांच वरिष्ठ आईपीएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। भ्रष्टाचार निवारण संगठन के डीआईजी अखिलेश कुमार चौरसिया को डीआईजी स्थापना बनाया गया है। इसी तरह एसटीएफ के एसएसपी से प्रोन्नत होने पर घुले सुशील चन्द्रभान को एसटीएफ में ही डीआईजी पद पर तैनाती दी गई है। गौतमबुद्धनगर के डीसीपी यमुना प्रसाद को प्रोन्नति के बाद एसटीएफ का डीआईजी बनाया गया है। डीजीपी मुख्यालय में तैनात हेमराज मीना को प्रोन्नति के बाद डीआईजी यूपी एसआईएफएस के पद पर तैनाती दी गई है। इसके अलावा 44 वीं वाहिनी पीएसी मेरठ के सेनानायक रहे संचिन्द्र पटेल को प्रोन्नत के बाद भ्रष्टाचार निवारण संगठन का डीआईजी बनाया गया है।

दिव्यांगजन रोजगार अभियान 2.0 शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. कौशल विकास मिशन के तत्वावधान में प्रदेश के सभी 75 जिलों में "दिव्यांगजन रोजगार अभियान 2.0" का शुभारंभ हो गया है। यह विशेष अभियान 6 फरवरी से 13 फरवरी 2026 तक चलेगा, जिसका उद्देश्य दिव्यांगजनों को केवल रोजगार से जोड़ना ही नहीं, बल्कि उनकी अंतर्निहित प्रतिभा को निखारकर उन्हें प्रदेश की आर्थिक प्रगति में सहभागी बनाना है। कौशल विकास मिशन मुख्यालय में मिशन निदेशक पुलकित खरे की अध्यक्षता में शुक्रवार को संपन्न वर्चुअल बैठक में प्रदेश के सभी जिलों के दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी, उपायुक्त (एमएसएमई) एवं जिला सेवायोजन अधिकारी शामिल हुए। मिशन निदेशक ने निर्देश दिए कि सभी प्रशिक्षित दिव्यांग युवाओं की अद्यतन सूची तैयार कर उन्हें विभिन्न रोजगार अवसरों से जोड़ा जाए। साथ ही कहा कि पूर्व में 'दिव्यांगजन रोजगार अभियान' के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर चुके 720 दिव्यांगजनों से फीडबैक लिया जाए।

2.39 लाख अल्पसंख्यक छात्रों को मिली छात्रवृत्ति

अमृत विचार, लखनऊ : योगी सरकार ने समावेशी विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में एक और मजबूत कदम बढ़ाया है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत प्रदेश के अल्पसंख्यक समुदाय के 2.39 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। इस योजना के अंतर्गत अब तक लगभग 71.35 करोड़ रुपये की धनराशि वितरित की जा चुकी है। प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के तहत कक्षा 9 और 10 में पढ़ने वाले 1,09,084 विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया, जिसके लिए लगभग 32.19 करोड़ रुपये वितरित किए गए। वहीं पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के अंतर्गत 11वीं–12वीं सहित तकनीकी और व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे 1,30,265 विद्यार्थियों को करीब 39.16 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति दी गई।

अमेरिका के दबाव में खोला कृषि बाजार : हिंदवी

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष हिंदवी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भाजपा सरकारों ने सबसे अधिक अन्याय किसानों पर किया है। किसानों की समस्याओं को सुलझाने के लिए कोई उपाय नहीं किए गए। अब सरकार ने अमेरिका के दबाव में अपना कृषि बाजार भी उनके लिए खोल दिया है। इस एक कदम का आने वाला समय में हमारे किसान भाइयों पर कितना दुष्प्रभाव पड़ेगा, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। वह शुक्रवार को किसान कांग्रेस (मध्य जोन) के नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों का मनोनयन-पत्र वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे।

आवारा कुत्तों से निजात को शेल्टर होम व एबीसी सेंटर की तैयारी पूरी

डॉग बाइट पर सख्ती, जन सुरक्षा और पशु कल्याण का संतुलित रोडमैप, नगर निगमों और जिला मुख्यालयों में स्थापना प्रक्रिया तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रति शेल्टर होम 4.70 करोड़ से 5.31 करोड़ रुपये होगी लागत

अमृत विचार: प्रदेश में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और डॉग बाइट की घटनाओं को लेकर राज्य सरकार ने निर्णायक कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नगर निगमों और जिला मुख्यालयों पर डॉग शेल्टर होम और एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर स्थापित करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। उद्देश्य है कि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो और पशु कल्याण को मानवीय व वैज्ञानिक ढंग से आगे बढ़ाया जाए। हर शेल्टर होम की लागत 4.70 करोड़ रुपये से 5.31 करोड़ रुपये अनुमानित की गई है।

सरकार ने इस पूरे अभियान को प्राथमिकता सूची में रखते हुए भूमि चिह्नीकरण, बजट निर्धारण और परियोजना स्वीकृति की कार्रवाइयों को समानांतर रूप से आगे बढ़ाया है। नीति स्तर पर यह पहल सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस के अनुरूप की जा रही है, जिनमें नसबंदी, टीकाकरण, पुनर्वास और समुदाय सहभागिता जैसे बिंदुओं पर जोर दिया गया है। राज्य सरकार ने डॉग शेल्टर होम के लिए अलग-अलग विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कराई है।

प्रस्तावों के मुताबिक प्रति शेल्टर होम 470 लाख रुपये से 531 लाख रुपये तक की लागत का अनुमान है। डीपीआर में क्षमता निर्धारण, केनेल्स, पशु चिकित्सा यूनिट, सर्जरी कक्ष, आइसोलेशन वार्ड, भोजन-पोषण, स्वच्छता, सुरक्षा और प्रशिक्षित स्टाफ की तैनाती जैसे सभी आवश्यक घटक शामिल हैं।

शासन ने इन डीपीआर को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है, जिससे क्रियान्वयन का रास्ता साफ हो गया है। प्रगति रिपोर्ट के अनुसार प्रयागराज नगर निगम क्षेत्र में ग्राम मऊर उपरहट, तहसील सोरांव में शेल्टर होम के लिए भूमि चिह्नित कर ली गई है। लखनऊ नगर निगम में भूमि उपलब्धता को लेकर कार्यकारिणी बोर्ड से प्रस्ताव स्वीकृत हो चुका है। अन्य नगर निगमों से भी सूचनाएं जुटाई जा रही हैं ताकि पूरे प्रदेश में एक समान, प्रभावी और टिकाऊ व्यवस्था लागू की जा सके।

आक्रामक कुत्तों के लिए पुनर्वास की व्यवस्था

एबीसी सेंटरों में आवारा कुत्तों की नसबंदी और एंटी-रेबीज टीकाकरण किया जाएगा। इससे प्रजनन दर नियंत्रित होगी और रेबीज जैसी घातक बीमारी का प्रसार रुकेगा। शेल्टर होम में घायल, बीमार या आक्रामक कुत्तों के लिए सुरक्षित पुनर्वास की व्यवस्था होगी।

नगर निकायों की जवाबदेही तय

हर नगर निगम को उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराने, समयबद्ध प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी करने और संचालन के लिए मानक प्रोटोकॉल अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। निगरानी तंत्र के जरिए प्रगति की नियमित समीक्षा होगी।

शेल्टर होम की प्रमुख सुविधाएं

- आधुनिक केनेल्स व आइसोलेशन वार्ड
- पशु चिकित्सा, सर्जरी व टीकाकरण यूनिट
- स्वच्छता, भोजन-पोषण व सुरक्षा
- प्रशिक्षित केयरटेकर व डॉक्टरों की तैनाती

भूमि (चयनित)

- ललितपुर : 12.182 हेक्टेयर
- हरदोई : 0.2 हेक्टेयर
- बुलंदशहर : 2000 वर्ग मीटर
- फतेहपुर : 0.769 हेक्टेयर

यूपी में 'गोदान' फिल्म टैक्स फ्री

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में गो संरक्षण और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित फिल्म गोदान को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टैक्स फ्री करने की घोषणा की है। राज्य सरकार के इस निर्णय को गो सेवा, गोरक्षा और सामाजिक चेतना को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सरकार का मानना है कि इस तरह की फिल्मों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और गो संरक्षण जैसे संवेदनशील विषय पर जनजागरूकता बढ़ती है। 'गोदान' फ़िल्म गोवंश संरक्षण, ग्रामीण जीवन, मानवीय संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे विषयों पर आधारित है।

मंत्री का घेराव करने वाले भाजपा विधायक से किया जवाब तलब

भाजपा का पार्टी अनुशासन पर सख्त रुख, प्रदेश अध्यक्ष ने भेजा कारण बताओ नोटिस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 7 दिन में जवाब नहीं देने पर बढ़ सकती मुश्किलें, महोबा प्रकरण में सियासत गरमाई

अमृत विचार: प्रदेश सरकार में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का महोबा में सरेआम घेराव करना भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक को भारी पड़ता दिख रहा है। मामले में भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने कड़ा रुख अपनाया है। पार्टी इसे खुली अनुशासनहीनता मान रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने चरखारी से भाजपा विधायक बृजभूषण राजपूत को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिन के भीतर जवाब तलब किया है।

भाजपा सूत्रों के मुताबिक, विधायक द्वारा सैकड़ों समर्थकों के साथ कैबिनेट मंत्री का काफिला रोकना और कथित रूप से उन्हें बंधक जैसी स्थिति में डालना पार्टी नेतृत्व को नागवार गुजरा है। यह मामला केवल असंतोष तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इससे सरकार और संगठन दोनों की छवि पर सवाल खड़े हुए हैं। यही कारण है कि प्रदेश नेतृत्व ने बिना देरी किए अनुशासनात्मक कार्रवाई की दिशा में कदम बढ़ाया है।

कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का घेराव करते विधायक बृजभूषण राजपूत (फाइल फोटो)।

विधायक बृजभूषण राजपूत का पलटवार

नोटिस जारी होने के बाद विधायक बृजभूषण राजपूत ने कहा है कि उन्हें अभी तक कोई नोटिस प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि वह शनिवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी से मुलाकात कर अपना पक्ष रखेंगे। राजपूत का दावा है कि उन्होंने कोई अनुशासनहीनता नहीं की, बल्कि जनता की समस्याएं उठाई हैं।

पूरा मामला 30 जनवरी का है, जब महोबा जिले में जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का काफिला सड़क पर रोक लिया गया। चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत उर्फ गुड्डू अपने क्षेत्र के कई ग्राम प्रधानों और समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे और मंत्री से सीधे बातचीत की मांग करने लगे। इस दौरान सड़क पर ही लंबी बहस और हंगामे की स्थिति बन गई। विधायक का आरोप था कि उनके क्षेत्र में घर-नल-जल योजना के तहत भारी लापरवाही हो रही है। पाइपलाइन डालने के नाम पर सड़कों को खोदकर छोड़ दिया गया है, मरम्मत नहीं कराई गई और अधिकारी कथित रूप से लूट-खसोट में लिप्त हैं। ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। विधायक का दावा है कि इसी जनसमस्या को लेकर वे मंत्री से प्रधानों के साथ सीधे बात करना चाहते थे।

विपक्ष को मिला हमला करने का मौका

इस पूरे घटनाक्रम ने प्रदेश की राजनीति में भूचाल ला दिया है। जहां एक ओर भाजपा संगठन के भीतर अनुशासन और मर्यादा को लेकर सवाल उठे हैं, वहीं विपक्ष को योगी सरकार पर भ्रष्टाचार और प्रशासनिक विफलता का बड़ा मुद्दा मिल गया है। विपक्ष लगातार यह सवाल उठा रहा है कि जब सत्तारूढ़ दल के विधायक ही खुलेआम मंत्री का घेराव कर रहे हैं, तो जमीनी हालात कितने खराब होंगे।

विकास के एजेंडे संग विपक्ष के सवालों का जवाब देने की पूरी तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सदन में जनवरी की बैठकों में हुए अहम निर्णयों पर लगेगी मुहर
- लोकलुभावन बजट से पहले नीतिगत प्राथमिकताओं पर रहेगा जोर

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश विधानमंडल का सोमवार से शुरू हो रहा सत्र नए साल के बजट के साथ विधायी और नीतिगत प्राथमिकताओं के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार का फोकस कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक सुधार, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक विकास से जुड़े प्रावधानों को और मजबूत करने पर है। सत्र के दौरान सरकार जहां विकास से जुड़े एजेंडे को आगे बढ़ाएगी, वहीं विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए भी पूरी तैयारी की गई है।

इस सत्र में कई महत्वपूर्ण विधेयकों और संशोधन प्रस्तावों को पारित किए जाने की तैयारी है। जिन प्रस्तावों को सदन में लाया जाएगा, उनमें प्रशासनिक ढांचे को अधिक प्रभावी बनाने, प्रक्रियाओं को सरल करने और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को कानूनी मजबूती देने से जुड़े विधेयक शामिल हैं। इसके अलावा कुछ मौजूदा कानूनों में संशोधन के प्रस्ताव भी सदन के पटल पर रखे जाएंगे, ताकि बदलती जरूरतों के अनुरूप उन्हें अधिक प्रभावी बनाया जा सके। सरकार का मानना है कि इन विधेयकों के पारित होने से प्रशासनिक कार्यप्रणाली में तेजी आएगी और विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने में सहूलियत मिलेगी।

सरकार की दो हालिया कैबिनेट बैठकों में पारित प्रस्तावों पर सदन में की मंजूरी ली जाएगी। इनमें वित्तीय प्रबंधन, औद्योगिक विकास, नगरीय व्यवस्था, ग्राम्य विकास और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े विषय प्रमुख हैं। 15 लाख से अधिक बेसिक और माध्यमिक शिक्षा जगत के शिक्षकों-कार्मिकों समेत सभी के परिवारों तक को कैशलेस इलाज की सौगात के लिए बजट के प्रावधान किए जाएंगे। जीसीबी नीति से औद्योगिककरण, शहरी पुनर्विकास नीति 2026, सीएम फेलो, पीसीएस–जे समेत अन्य पारित प्रस्तावों और उनसे जुड़े संशोधन पर सदन की मुहर लगेगी।

सरकार का लक्ष्य एक ऐसा बजट पेश करना है, जो न केवल इन्फ्रास्ट्रक्चर और विकास को बढ़ावा दे, बल्कि महंगाई और रोजगार जैसे मोर्चों पर भी आम जनता को राहत पहुंचाए। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से सदन में प्रस्तुत करने के लिए बजट प्रावधान लगभग पूरी तरह तैयार है।

–सुरेश कुमार खन्ना, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री

बजट सत्र के दौरान किसी भी स्तर पर सुरक्षा में चूक न हो : महाना

अमृत विचार, लखनऊ : वर्ष 2026 में विधानसभा के प्रथम सत्र के सुचारु एवं सुरक्षित संचालन के उद्देश्य से विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सुरक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और सुरक्षा प्रबंधों एवं विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सत्र के दौरान किसी भी स्तर पर सुरक्षा में चूक न हो तथा समन्वय के साथ सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाएं। विधान सभा अध्यक्ष ने शुक्रवार को कहा कि लोकतांत्रिक गरिमा एवं संसदीय परंपराओं की रक्षा के लिए सुरक्षा एवं सुविधा दोनों का संतुलन अत्यंत आवश्यक है। बैठक में क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) की तैनाती, एंटी एक्सप्लोसिव एवं एंटी सबोटाज जांच व्यवस्था, विधानसभा के सभी प्रवेश द्वारों की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन तथा विधायकों के साथ आने वाले सुरक्षा कर्मियों के बैठने की समुचित व्यवस्था पर विशेष चर्चा की गई।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना

लोकमंगल को समर्पित है श्री गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा: योगी

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्री गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा लोकमंगल, जनसेवा और सामाजिक चेतना को समर्पित एक प्रेरक अभियान है, जो महायोगी गुरु गोरखनाथ के संदेश- सबका कल्याण, सबका उत्थान का प्रभावी प्रसार कर रही है। मुख्यमंत्री ने नेशनल मेडिकोस ऑर्गेनाइजेशन (एनएमओ) और इस यात्रा से जुड़े सभी चिकित्सकों, स्वयंसेवकों व आयोजकों को बधाई दी। एनएमओ के अवध व गोरक्ष प्रांत द्वारा श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास और अन्य सामाजिक संगठनों के सहयोग से 8 फरवरी तक चल रही तीन दिवसीय इस स्वास्थ्य सेवा यात्रा के तहत नेपाल सीमा से लगे सात जिलों के दूरदराज थारू बहुल गांवों में शुक्रवार को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। पहले ही दिन 70 हजार से अधिक लोगों को चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

चालकों-परिचालकों के मानदेय में बढ़ोतरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री जनता सेवा योजना के तहत अब 2.32 रुपये प्रति किमी मिलेगा भुगतान

अमृत विचार : ग्रामीण अंचलों में मुख्यमंत्री जनता सेवा योजना के तहत संचालित बसों के चालकों व परिचालकों के मानदेय में बढ़ोतरी कर दी गयी है। अब उन्हें प्रति किलोमीटर 14 पैसे अधिक भुगतान किया जाएगा। राज्य सरकार के निर्देश से यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने शुक्रवार को बताया कि मुख्यमंत्री जनता सेवा योजना के तहत अब तक संविदा चालकों और परिचालकों को 2.18 रुपये प्रति किलोमीटर की दर से भुगतान किया जा रहा था, जिसे बढ़ाकर 2.32 रुपये प्रति किलोमीटर कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जनता सेवा योजना के अंतर्गत चलने वाली बसों का किराया साधारण बसों की तुलना में 20 प्रतिशत कम रखा गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के यात्रियों को कम खर्च में यात्रा की सुविधा मिल रही है। परिवहन मंत्री ने बताया कि वर्तमान में मुख्यमंत्री जनता सेवा योजना के अंतर्गत प्रदेश के 20 क्षेत्रों में स्वीकृत 395 मार्गों पर कुल 299 बसों का संचालन किया जा रहा है।

चाइनीज मांझे के नेटवर्क की जांच शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देशों के बाद प्रदेशभर में चाइनीज मांझे के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस नीति के तहत व्यापक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी जिलों में चाइनीज मांझे के उत्पादन, बिक्री, भंडारण और परिवहन से जुड़े पूरे नेटवर्क की सघन जांच की जा रही है। थोक विक्रेताओं, ऑनलाइन सप्लायर्स, परिवहन चैनलों और गोदामों पर विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी। सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि प्रदेश में चाइनीज मांझे की एक भी रील न बिके और न ही कहीं संग्रहित हो। हर जिले में 24×7 मॉनिटरिंग के लिए नोडल अधिकारी नामित किए जा रहे हैं।

अग्निवीर भर्ती में शामिल हुए 265 अभ्यर्थी

एएमसी स्टेडियम में पहले दिन एआरओ लखनऊ के तहत 13 जिलों की कराई प्रक्रिया

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : रिक्रूटिंग जोन उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के तत्वावधान में रिक्रूटिंग ऑफिस (मुख्यालय), लखनऊ द्वारा शुक्रवार से अग्निवीर भर्ती शुरू हो गई। पहले दिन छावनी स्थित एएमसी सेंटर और कॉलेज के एएमसी स्टेडियम में सेना भर्ती कार्यालय लखनऊ के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के 13 जिलों की सभी तहसीलों के लिए अग्निवीर ट्रेड्समैन (कक्षा 8वीं और 10वीं पास) श्रेणी के लिए भर्ती रैली कराई गई।

इस श्रेणी के लिए 13 जिले लखनऊ, औरैया, चित्रकूट, कन्नौज, बांदा, महोबा, हमीरपुर, बाराबंकी, गोंडा, कानपुर देहात, उन्नाव, कानपुर नगर और फतेहपुर के कुल 370 अभ्यर्थियों को बुलावा पत्र भेजा गया था। इसमें 265 अभ्यर्थियों ने भर्ती रैली में हिस्सा लिया। गुरुवार रात से ही अभ्यर्थी परिसर में जुटने लगे थे। पहले दिन मेजर जनरल मनीष कुमार, जेडआरओ (यूपी और यूके) ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान अभ्यर्थियों ने लंबी कूद, गड्ढा कूद, 1.6 मीटर की दौड़ आदि में अपनी प्रतिभा दिखाई। 13 जिलों से लगभग 13 हजार अभ्यर्थी शॉर्टलिस्ट किए गए हैं। 7 फरवरी को इन सभी जिलों की तहसीलों के लिए अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर टेक्निकल (एसकेटी) श्रेणी के लिए भर्ती रैली कराई जाएगी। भर्ती रैली 16 फरवरी तक चलेगी।

लखनऊ छावनी स्थित एएमसी स्टेडियम में भर्ती रैली को झंडी दिखाते मेजर जनरल मनीष कुमार जेडआरओ। अमृत विचार

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर एनसीसी कैडेटों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस शिविर में शामिल हुए थे कुल 127 एनसीसी कैडेट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : एनसीसी निदेशालय उप्र ने शुक्रवार को जन भवन में भव्य अलंकरण समारोह आयोजित किया। इस समारोह में नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी)-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्य के एनसीसी कैडेटों को मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्वर्ण एवं रजत पदक देकर सम्मानित किया।

जन भवन में आयोजित अलंकरण समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ सम्मानित एनसीसी कैडेट व सेना के उच्च अधिकारी।

लखनऊ, बरेली, वाराणसी, गाजियाबाद, आगरा, अलीगढ़, प्रयागराज व मेरठ के कुल 11 एनसीसी ग्रुपों से 127 एनसीसी कैडेटों ने कर्नल अमिताभ कुमार, कंटिंजेंट कमांडर के नेतृत्व में आरडीसी- 2026 में उप्र का प्रतिनिधित्व किया। कैडेटों ने अनुशासन, समन्वय, नेतृत्व तथा सांस्कृतिक उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मेजर जनरल गौरव गौतम, वीएसएम, अपर महानिदेशक, एनसीसी निदेशालय (उप्र) ने संबोधित करते हुए कैडेटों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और उच्च प्रशिक्षण मानकों की सराहना की।

एनसीसी ग्रुप गाजियाबाद को इंटर-ग्रुप कंपीटिशन बैनर भेंट किया गया, जिसे ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर अजीत सिंह ने प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, युवा आपदा मित्र योजना के अंतर्गत समुदायिक प्रथम प्रत्युत्तरकर्ता के रूप में प्रशिक्षित उत्तर प्रदेश के एनसीसी कैडेटों को भी आरडीसी - 2026 के दौरान विशेष सम्मान प्राप्त हुआ। 64 यूपी बटालियन एनसीसी, लखनऊ के लेफ्टिनेंट कर्नल अनिमेष राय के विशेष मार्गदर्शन में इन कैडेटों का चयन राष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों को योजना के संबंध में ब्रीफिंग देने के लिए किया गया।

स्वर्ण पदक विजेता

एसयूओ अजीत कुमार सिंह-वाराणसी 'ए', एसयूओ दिया नेहरा- अलीगढ़, एसयूओ महक- बरेली, यूओ रूबी-गाजियाबाद, एल/कॉर्पोरल सूरज वर्मा-लखनऊ, कैडेट शिवम तिवारी- प्रयागराज

रजत पदक विजेता

एसयूओ यश चंद्रा-अलीगढ़, यूओ माधव-बरेली, सार्जेंट आरव सक्सेना-गाजियाबाद, कैडेट सार्जेंट चंद्रमौली उपाध्याय- वाराणसी 'बी', कैडेट अक्षिता सिंह-मेरठ, एसयूओ इशिका यादव-आगरा

माफिया की जेल से अवैध रिहाई पर सख्त निर्देश जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जांच के दायरे में आ रहे बांदा जेल के आधा दर्जन कर्मी

अमृत विचार: कुख्यात स्कैप माफिया और गैंगस्टर रविन्द्र उर्फ रवि काना की बांदा जेल से अवैध रिहाई के बाद जहां जेल अफसरों और कर्मियों की दिक्कतें दिनों दिन बढ़ रही हैं, वहीं प्रदेश के महानिदेशक कारागार पीसी मीणा ने भी तल्ख रुख अपनाया है। उन्होंने प्रदेश भर के जेल अधीक्षकों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। कहा है कि बंदियों की रिहाई में यदि लापरवाही हुई तो फिर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उधर रवि काना को फरार हुए सप्ताह भर बीत चुका है। लेकिन अभी तक गिरफ्तारी तो दूर पुलिस उसका सुराग तक नहीं लगा सकी है।

उधर इस मामले में बांदा जेल के अधीक्षक, जेलर और डिप्टी जेलर के निलंबन के बाद बांदा के एडीशनल पुलिस अधीक्षक शिवराज के नेतृत्व में पांच सदस्यीय विशेष टीम रवि काना की रिहाई की जांच कर रही है। टीम ने दर्जन भर जेल कर्मियों के बयान लिए हैं, वहीं अन्य साक्ष्यों को भी एकत्र किया जा रहा है। सूत्रों का दावा है कि विशेष जांच में आधा दर्जन बंदी रक्षक भी संदेह के घेरे में आ रहे हैं। जल्द ही रिपोर्ट तैयार कर आला अफसरों को भेज दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

कृतिका ने क्वालीफाई की नेट परीक्षा

कानपुर देहात। जिले की जानी-मानी सामाजिक कार्यकर्ता और सेवा संस्था की संस्थापिका कंचन मिश्रा की बेटी कृतिका ने यूजीसी नेट परीक्षा की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रेणी में सफलता प्राप्त की है। कंचन मिश्रा ने बताया कि इसके पूर्व जून 2025 में कृतिका ने केवल पीएचडी के लिए यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण की थी। अपने लक्ष्य को और ऊँचा रखते हुए पुनः परीक्षा दी और इस बार असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए योग्यता प्राप्त कर एक नई सफलता हासिल की। यह सफलता उनके द्वितीय प्रयास में प्राप्त हुई है, जो उनके दृढ़ संकल्प और लगन को दर्शाती है। कृतिका मिश्रा ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता को दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस पूरे सफर में उनके भाई-बहन का पूर्ण सहयोग और मार्गदर्शन उन्हें निरंतर मिलता रहा, जिसने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखा।

22 फरवरी को होगा वृहद विधिक सहायता शिविर का आयोजन

कानपुर देहात। जनपद में 22 फरवरी को मेगा-वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह, लघु शिविर सात फरवरी से लगेंगे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर देहात की सचिव नूपुर श्रीवास्तव ने बताया कि वृहद शिविर में शासन द्वारा संचालित विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर प्रशासनिक न्यायमूर्ति, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के आगमन की भी संभावना व्यक्त की गई है।

सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर 10 को होगी कार्यशाला

कानपुर देहात। सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर एनआईसी कार्यालय की देखरेख में 10 फरवरी को कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। जिलाधिकारी कपिल सिंह ने समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों से कहा कि इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सुरक्षित इंटरनेट दिवस का आयोजन किया जा रहा है। मंशा है कि आम जनमानस, खासकर बच्चों, महिलाओं और युवाओं के बीच इंटरनेट के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग हेतु जागरूकता बढ़ाई जा सके। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों के बीच जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग को बढ़ावा देते हुए विभिन्न इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित ऑनलाइन प्रथाओं, साइबर स्वच्छता, प्रमुख साइबर खतरों और प्रभावी रणनीतियों के बारे में शिक्षित करना है। इसी परिप्रेक्ष्य में एनआईसी कार्यालय की तरफ से 10 फरवरी कलेक्ट्रेट के नवीन सभागार में कार्यशाला रखी गई है। उन्होंने निर्देशित किया है कि उपरोक्त कार्यशाला में अपने कार्यालय के कर्मचारियों के साथ उपस्थित रहें।

पुलिस में दर्ज कराई मोटर साइकिल चोरी की रिपोर्ट

रसूलाबाद। रसूलाबाद के गांधीनगर निवासी एक व्यक्ति ने गत 4 फरवरी को दिन में कुशवाहा मार्केट के समीप उसके फुटवियर की दुकान के सामने से नीले रंग की अपाचे मोटरसाइकिल चोरी हो जाने की रिपोर्ट दर्जकराई है। गांधीनगर निवासी शोएब सिद्दीकी ने पुलिस को बताया कि गत 4 फरवरी को दिन में 3 बजे कुशवाहा मार्केट में फुटवियर की उसकी दुकान के सामने से उसकी नीले रंग की अपाचे मोटरसाइकिल चोरी हो गई इसकी खोज बीन के बाद जब पता नहीं चला था वह इसकी रिपोर्ट दर्ज कराने आया। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि आस पास के दुकानदारों के सीसीटीवी फुटेज करने जा रहे हैं। घटना का शीघ्र खुलासा किया जाएगा।

अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार

रसूलाबाद। गश्त के दौरान उपनिरीक्षक उदयभान सिंह ने जोत तिराहे के पास से एक व्यक्ति को संदिग्ध व्यवस्था में जाते देखा। जामा तलाशी लेने पर उसके पास 30 क्वार्टर जानेमन ब्रांड के देसी शराब के अवैध निकले। पूछने पर उसने अपना नाम बृजेश कुमार प्रजापति निवासी बेहरापुर बताया। इस पर उसे आबकारी अधिनियम के अंतर्गत जेल भेजा जा रहा है।

नहर में गिरी कार। हादसे की जानकारी लेते अधिकारी। हादसे में बचे एक मात्र अभिषेक को अस्पताल लाया गया। अमृत विचार

नहर में जा गिरी बेकाबू कार, दो सगे भाइयों समेत तीन की मौत

बहराइच गोंडा के निवासी रसूलाबाद क्षेत्र के अकौढ़िया गांव में मुंडन समारोह में आए थे

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः शुक्रवार दोपहर कानपुर जा रही स्विफ्ट डिजायर कार अचानक बेकाबू होकर नहर में जा गिरी। इससे उसमें सवार दो सगे भाइयों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। एक व्यक्ति घायल है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक डाक्टरों ने उसकी हालत खतरे से बाहर बताई है। इधर, घटना को लेकर मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। पुलिस के अधिकारी भी पहुंचे। नहर में डूबी कार को बाहर निकालने की कोशिश शुरू हुई।

घटना में घायल अभिषेक ने बताया कि उसके चाचा राजेश (55) का बहराइच गोंडा में टेंट हाउस है। वह चाचा राजेश व राधेश (42) के साथ किराए की गाड़ी लेकर अकौढ़िया निवासी चाचा की ममेरी बहन संपा श्रीवास्तव पत्नी दिलीप श्रीवास्तव के पुत्र के मुंडन संस्कार में सम्मिलित होने के लिए शुक्रवार सुबह आया था। कार गोंडा निवासी इरफान उर्फ करिया चला रहा था। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सभी लोग वापस कानपुर जा रहे थे। निचली रामगंगा नहर रोड पर हरी निवादा ओरिया गांव के पास पुलिया के समीप कार अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। कार नहर में गिरते ही हाहाकार मच गया। भीतर बैठे लोग मदद के लिए चीखने-चिल्लाने लगे।

कुछ ग्रामीणों ने कार के नहर में गिरने की तत्काल सूचना यूपी 112 डायलकर पुलिस को दी। घटना की सूचना पाकर तिस्ती चौकी प्रभारी बृजेश कुमार मौके पर पहुंचे। इसके साथ ही सीओ आलोक चौधरी, थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह, एसएसआई राम सिंह दलबल सहित मौके पर पहुंच गए और सभी घायलों को गाड़ियों से तत्काल सीएचसी रसूलाबाद ले गए। वहां डॉक्टर शैलेंद्र यादव ने राजेश, उसके सगे भाई राधेश व चालक गोंडा निवासी इरफान उर्फ करिया को मृत घोषित कर दिया। राजेश के पुत्र अभिषेक की गंभीर दशा के चलते उसे हैलट कानपुर रेफर किया। इस घटना की सूचना पाकर मृतक टेन्ट संचालक के घर में कोहराम मच गया है। उसकी बहन ने यहां भी रोना पिटना किया। उसकी ममेरी बहन अपने परिजनों सहित सीएचसी आई है। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के स्वजनों को इसकी सूचना दी गई है उनके आने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी। दूसरी तरफ, मृतक राजेश 55 की पत्नी नीति पुत्र उत्पल पुत्री नित्या व मृतक राधेश की पत्नी निधि व पुत्र आरुष का रो-रो कर बुरा हाल है।

हौसले को सलामः डूबते लोगों को बचाने नहर में कूदे बीईओ

रसूलाबाद : निचली रामनगर नहर रोड पर कार के नहर में गिरने और उसमें तीन लोगों की मौत की घटना के मामले में रसूलाबाद के खंड शिक्षा अधिकारी अजब सिंह जो वायु सेवा में रह चुके हैं ने गजब का साहस और कर्त्तव्य परायणता दिखाई। कार सवारों की सहायता के लिए वह अपनी गाड़ी रुकवा कर तत्काल पानी में कूद गए। ग्रामीणों ने कार के अंदर फंसे हुए लोगों को बाहर निकलने में उनकी मदद की। इसी दौरान कार में पीछे बैठे अभिषेक को उन्होंने जल्दी से बाहर निकाल लिया जिससे उसकी जान बच सकी। बताते चलें कि बीईओ अजब सिंह विद्यालय निरीक्षण के लिए मार्ग पर थे। अचानक उन्होंने देखा कि एक कार असावधानीवश नहर में गिर गई है और कार सवार व्यक्ति सहायता के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह दृश्य देखते ही उन्होंने क्षण भर का भी विलंब नहीं किया और अपनी जान की परवाह किए बिना वे तुरंत नहर में कूद पड़े और डूब रहे व्यक्ति को बचाने के लिए पूरे साहस और दृढ़ संकल्प के साथ प्रयास किया। उनके इस निःस्वार्थ और निर्भीक कार्य से आसपास के लोग भी प्रेरित हुए और सहयोग के लिए आगे आए। खंड शिक्षा अधिकारी ने कठिन परिस्थिति में जिस साहस और त्वरित निर्णय क्षमता का परिचय दिया उससे उन्होंने मानवता की सच्ची मिसाल पेश करते हुए समाज के लिए एक प्रेरणादायक संदेश दिया है।

हादसे के बाद निकाली गई कार।

राधेश के स्टेयरिंग संभालते ही हुआ हादसा

- **रसूलाबाद।** होनी को कौन जानता था। अगर मृतक के सगे भाई ने कार न चलाई होती तो कार का कुशल चालक कार चला रहा होता और शायद यह दुर्घटना न होती। कार में सवार घायल बच्चे अभिषेक की माने तो गाड़ी का चालक गोंडा निवासी इरफान उर्फ करिया ही गाड़ी चला रहा था। वह कुशल चालक था। इसी दौरान नहर रोड पर उसके चाचा मृतक राधेश ने गाड़ी चलाना शुरू किया और घटनास्थल के समीप ही ब्रेकर को नहीं समझ पाए और गाड़ी उछलकर नहर में जा गिरी जिससे यह गंभीर घटना हो गई। इसमें कार चालक सहित राजेश और उसका सगा भाई काल कवलित हो गया।

घंटों नाले में तड़पी दो बरस की मासूम बच्ची, दम घुटने से मौत

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः शुक्रवार की सुबह अकबरपुर में स्टेट बैंक के पास दर्दनाक घटना हुई। यहां बैंक में आधार कार्ड बनवाने के लिए मां बारी के इंतजार में कतार में लग गई। उसके साथ आई दो बरस की मासूम बच्ची हाथ छुड़ाकर खेलने लगी। खेलते समय बच्ची का पांव फिसला और वह नाले में जा गिरी। नाले का कुछ भाग ही खुला था। बाकी ढका होने के कारण उसके रोने और चीखने की आवाज बाहर नहीं आई। वहीं उसका दम घुट गया और सांसें थम गई। कई घंटे बाद महिला का ध्यान बच्ची की तरफ गया। उसकी तलाश शुरू हुई। कहीं पता नहीं लगा तो संदेह के आधार पर नाले में देखा गया। वहां उसकी लाश मिली। आनन-फानन में उठाकर उसे अस्पताल ले जाया गया। परीक्षण के बाद वहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

सदर कोतवाली क्षेत्र के बारा गांव निवासी खलीकून पत्नी अंसारुल अपनी दो वर्षीय पुत्री फातिमा को लेकर अकबरपुर आई थी। यहां स्टेट बैंक में उसका आधार कार्ड बनना था। कतार लंबी थी। खलीकुन भी बारी के इंतजार में खड़ी हो गई। फातिमा काफी समय तक पास रही। इसके बाद मां का ध्यान बंटा तो फातिमा बैंक के बाहर निकल आई। यहां खेलते-खेलते अचानक उसका संतुलन बिगड़ा और फिर वह नाले के भीतर गिर गई। नाले का ज्यादातर हिस्सा सीमेंटेड ढक्कन से कवर था। जिस जगह पर फातिमा गिरी, उतना ही हिस्सा खुला था। माना जा रहा कि गिरने के बाद वह रोई-चिल्लाई होगी मगर उसकी आवाज बाहर नहीं आ सकी। काम के बाद खलीकुन वापस बाहर आई तो फातिमा नहीं मिली। उसने आसपास तलाश की। काफी देर तक ढूढ़ने के बाद भी नहीं मिली तो पुलिस को सूचना दी गई। अकबरपुर चौकी इंचार्ज अभिषेक चौहान मौके पर पहुंचे। उन्होंने टूटी चटिया के पास खड़े होकर देखा तो बच्ची नाले में मृत पड़ी हुई थी। उसे बाहर निकाला गया। इस बीच सूचना पाकर उसके परिवरीजन भी मौके पर पहुंच गए और पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया।

नियमों की दुहाई दे, नहीं दिखाया फुटेज

- **कानपुर देहात।** जिस जगह पर घटना हुई, उसके आस-पास कई बिल्डिंगों में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। समय पर जानकारी नहीं हो पाने के कारण फातिमा के बारे में कुछ पता नहीं लग सका। बताते हैं कि फातिमा के बारे में जानकारी करने को खलीकुन ने बैंक स्टाफ से कैमरा का फुटेज देखने की मिन्नत की थी मगर नियमों की दुहाई देकर बैंक वालों ने फुटेज दिखाने से इंकार कर दिया। हालांकि बाद में पुलिस ने उसे देखा। इलाकाई लोगों का कहना है कि समय पर फुटेज देखने को मिल जाती तो शायद फातिमा जीवित अवस्था में अस्पताल पहुंचाई जा सकती थी।

ई-रिक्शा की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, एक घायल

रसूलाबादः शुक्रवार रात दलेरपुर बिल्हौर निवासी बाइक सवार दो युवकों को रसूलाबाद बिल्हौर रोड पर श्री राम नगर के समीप ई रिक्शा ने टक्कर मार दी। इससे एक युवक की मौके पर मौत हो गई। व एक घायल हो गया।

दलेरपुर बिल्हौर निवासी जयकेश 30 पुत्र महेंद्र अपने गांव के ही अमित 32 पुत्र रामलाल के साथ बाइक से शहबाजपुर जा रहा था। रसूलाबाद बिल्हौर रोड पर रामनगर के समीप ई रिक्शा ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे जयकेश की मौके पर ही मौत हो गई जबकि अमित घायल है। दोनों को सीएचसी रसूलाबाद ले गए। अस्पताल में डॉ. शैलेंद्र ने जयकेश को मृत घोषित किया है। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया की तहरीर पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

घटनास्थल की जांच को पहुंची पुलिस। अमृत विचार

हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आने से चार टेंट कर्मी झुलसे, एक की मौत

संवाददाता, शिवली

- कोतवाली क्षेत्र के गांव प्रतापपुर उदैत गांव में था विवाह समारोह
- टेंट लगाने को लोहे का पाइप पकड़े थे टेंट कर्मी

अमृत विचारः शादी समारोह में टेंट लगाने के दौरान लोहे का पाइप हाईटेंशन लाइन को छू गया। इससे पाइप में करंट उतर आया। चपेट में आकर टेंट लगा रहे चार युवक बुरी तरह से झुलस गए। सभी घायलों को उपचार के लिए शिवली अस्पताल लेकर पहुंचे। दो युवकों का प्राथमिक उपचार करने के बाद घर भेज दिया गया। गंभीर रूप से घायल हुए दोनों युवकों को हैलट अस्पताल कानपुर रेफर किया गया उपचार के दौरान एक युवक की मौत हो गई।

कार्तिक।

शिवली कोतवाली क्षेत्र के प्रतापपुर उदैत गांव निवासी राजन लाल की पुत्री के शादी समारोह के लिए शुक्रवार को कस्बा शिवली के एक टेंट स्वामी का सामान गया था। टेंट कर्मी अंकुर व कार्तिक निवासी निराला नगर टेंट लगा रहे थे। टेंट लगाते समय लोहे का पाइप ऊपर से गुजरी हाई टेंशन विद्युत लाइन से टकरा गया जिससे पाइप में करंट उतर आया। करंट आने से उसकी चपेट में आकर अंकुर एवं कार्तिक समेत गांव के दो युवक सचिन व आदित्य झुलस गए। चारो घायलों को उपचार के लिए ग्रामीण शिवली सीएचसी अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टर ने मामूली रूप से झुलसे कपिल एवं आदित्य का प्राथमिक उपचार करने के बाद घर भेज दिया गया।

कस्बा निवासी टेंट कर्मी अंकुर एवं कार्तिक को गंभीर हालत में हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। हैलट अस्पताल पहुंचने पर उपचार के दौरान 25 वर्षीय कार्तिक की मौत हो गई जब कि अंकुर का इलाज किया जा रहा है। टेंट कर्मी की मौत की जानकारी मिलने ही उसके परिजनों के बीच मातम छा गया। घर पर शव पहुंचते ही मृतक के परिजनों के बीच कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी रेशमा भाई हर्षित हिमांशु मां अंशु देवी व पिता राजकुमार का रो रो कर बुरा हाल हो गया। परिजनों ने बताया कि अभी दो माह पूर्व ही मृतक की शादी हुई थी। इंस्पेक्टर क्राइम शीलेंद्र सिंह ने ने बताया कि एक टेंट कर्मी की मौत हो गई है। परिजनों के तहरीर देने पर कार्यवाही की जाएगी।

पैदल सड़क पार करते बुजुर्ग को बस ने रौंदा, गई जान

संवाददाता, रनियां

अमृत विचारः रनियां पड़ाव पर पैदल सड़क पार कर रहे एक बुजुर्ग को तेज रफ्तार बस ने टक्कर मार दी। घटना में बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे घरवाले शव लेकर गांव चले गए और पीएम से इंकार कर दिया, और शुक्रवार को शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

गजनेर थाना के शेरपुर गांव निवासी गोविंद प्रसाद त्रिपाठी उम्र करीब 75 वर्ष रनियां पड़ाव पर रहने वाले अपने नाती रिषी के घर आए थे। गुरुवार की देर रात वो पैदल सड़क पार कर रहे थे कि तभी कानपुर से झांसी की ओर जा रही एक बस ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन उन्होंने पुलिस कार्रवाई कराने से इंकार कर दिया। परिजनों ने शव का बिठूर में दाह संस्कार कर दिया। इस संबंध में इंस्पेक्टर रनियां शिवनारायण सिंह ने बताया कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी, लेकिन परिजनों ने पीएम कराने से इंकार कर दिया और शव गांव लेकर चले गए थे।

तेज रफ्तार डीसीएम ने ऑटो को मारी टक्कर,दो छात्राओं की मौत

संवाददाता, रनियां

अमृत विचारः शुक्रवार को नबीपुर-गजनेर मार्ग पर कौसम गांव के सामने एक तेज रफ्तार डीसीएम की टक्कर से आटो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में दो इंटर की छात्राओं की मौत हो गई, जबकि दो अन्य छात्र छात्राएं व आटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गए जिनका विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है।

रनियां कस्बे के शिवाजी नगर वार्ड में रहने वाली खुशी पुत्री गुलाब सिंह, अंबेडकर नगर वार्ड निवासी रितु पुत्री शिवकुमार, शिवाजी नगर वार्ड निवासी दीक्षा तिवारी पुत्री विनोद तिवारी, तथा किशरवल निवासी अभय पुत्र मनोज कुमार इंटरमीडिएट के छात्र छात्राएं हैं। शुक्रवार को कठेठी स्थित एक इंटर कालेज में प्रयोगात्मक परीक्षा देने वह एक आटो में बैठकर नबीपुर होते हुए जा रहे थे। ऑटो मनोज निवासी किशरवल चला रहा था। उनकी आटो अभी गजनेर थाना क्षेत्र के कौसम गांव के सामने पहुंचा था तभी सामने से आ रही एक तेज रफ्तार डीसीएम के चालक ने आटो में टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर से आटो के परखच्चे उड़ गए और उसमें बैठे सभी छात्र-छात्राएं और आटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी पर एएसपी राजेश पांडेय, सीओ सदर संजय सिंह, इंस्पेक्टर गजनेर जनार्दन प्रताप सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कालेज भिजवाया जहां डाक्टरों ने रितु को मृत घोषित कर दिया जबकि खुशी की हालत नाजुक देख उसे कानपुर हैलट अस्पताल रेफर कर दिया। उपचार के दौरान खुशी ने भी दम तोड़ दिया। घटना के बाद रितु के तथा खुशी परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था। इस संबंध में इंस्पेक्टर गजनेर जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि दुर्घटना में घायल रितु तथा खुशी की मौत हो गई है। डीसीएम चालक को हिरासत में लिया गया है।

ग्रामीणों ने लगाया जाम

- **रनियां।** शुक्रवार को डीसीएम और ऑटो की टक्कर के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा फिर फूट पड़ा। सैकड़ों की संख्या में लोग सड़क पर उतर आए और सड़क पर लकड़ी रखकर जाम लगा दिया। जाम लगते ही पुलिस के हाथ-पांव फूल गए और अधिकारियों को बताया। अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को शांत कराया।

चौपाल आवास, शौचालय, पेंशन, मनरेगा, राशन योजना की दी जानकारी

नरिहा में जनता के बीच बैठे सीडीओ, सुनी पीड़ा

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी ने विकास खंड अकबरपुर की ग्राम पंचायत नरिहा में ग्राम चौपाल लगाई। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके निस्तारण के लिए जरूरी निर्देश जारी किए। अधिकारियों से कहा कि वह शासन की मंशा के अनुरूप जनसमस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित कराएं। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ग्रामीणो ंने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं सुझावों के बारे में सीडीओ से बात की। चौपाल के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने ग्रामीणों से सीधे संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनसमस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पात्र लाभार्थी सरकार की योजनाओं जैसे आवास योजना, शौचालय योजना, पेंशन योजना, मनरेगा, राशन योजना, स्वच्छता अभियान एवं अन्य विकास योजनाओं का लाभ अवश्य प्राप्त करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ दिलाने में पूर्ण पारदर्शिता एवं तत्परता बरती जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम के विकास कार्यों, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल, सड़क, विद्युत एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की भी जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों से ग्राम के विकास एवं स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने की अपील भी की। चौपाल के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों की समस्याएं सुनते सीडीओ विधान जायसवाल। अमृत विचार

गौशाला का भी देखा हाल

- **कानपुर देहात।** सीडीओ ने नरिहा गांव में संचालित अस्थायी गौवंश आश्रय स्थल का गौशाला का भी निरीक्षण किया। गौशाला में पशुओं के रख-रखाव, भोजन, पेयजल, साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आश्रय स्थल में कुल 57 गौवंश पाए गए। उन्होंने गौवंशों के लिए उपलब्ध चारा, भूसा, हरा चारा तथा पेयजल की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिए कि गोवंश को समय से एवं पर्याप्त मात्रा में पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाए। गोवंश के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी तथा बीमार पशुओं का तत्काल उपचार के निर्देश दिए।

जांच में सही पाया राशन घटतौली का मामला, लाइसेंस किया सस्पेंड

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः गत दिनों ग्राम पंचायत कपरहट में संचालित सरकारी राशन की दुकान पर घटतौली के वायरल वीडियो पर प्रशासन ने मामले की जांच के बाद कोटेदार की दुकान को निलंबित कर दिया है। आपूर्ति निरीक्षक में जांच में घटतौली के ग्रामीणों के आरोप सत्य पाए जाने पर यह कार्रवाई की।

ग्राम पंचायत कपरहट में क्षेत्रीय ग्रामीणों व किसानों ने स्थानीय कोटेदार के विरुद्ध राशन वितरण में गड़बड़ी को लेकर शिकायत की थी। किसानों ओमजी, मनीष सहित ग्रामीणों ने आरोप लगाया था कि प्रति व्यक्ति निर्धारित 5 किलो राशन की जगह केवल 4 किलो दिया जा रहा है। यह कटौती लंबे समय से चल रही है। राशन दुकान में दो इलेक्ट्रॉनिक कांटे है। एक कांटे से लाभार्थियों को अनाज तौलकर दिया जाता था जिससे घटतौली की जाती थी, दूसरे कांटे पर पहले से मोरंग, गिट्टी और भारी बोरियां रखकर मशीन में डाटा चढ़ाया जाता था।

इस पूरी प्रक्रिया का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला गंभीर हो गया। वीडियो और शिकायतों के सामने आने के बाद पूर्ति निरीक्षक विकास कनौजिया ने मामले को संज्ञान में लेते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर जांच में राशन वितरण व्यवस्था, तौल प्रक्रिया और संबंधित अभिलेखों की विस्तृत जांच की । जांच में प्रथम दृष्टया अनियमितता पाए जाने पर ग्राम पंचायत कपराहट में संचालित सरकारी राशन दुकान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। इस संबंध में पूर्ति निरीक्षक विकास कनौजिया ने बताया कि ग्राम पंचायत में विभिन्न स्तरों पर जांच की गई थी। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर निलंबन की कार्रवाई की गई है। कहा कि मामले की विस्तृत जांच अभी जारी है।

डेरापुर में डीएम की अध्यक्षता में आज होगा समाधान दिवस

कानपुर देहात। अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार ने बताया कि माह के पहले और तीसरे शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस होता है। तय व्यवस्था के अनुसार इनमें जिलाधिकारी द्वारा क्रमानुसार प्रत्येक तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की जायेगी। पुलिस अधीक्षक व अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा।

इसके तहत मुख्य विकास अधिकारी अथवा जिलाधिकारी द्वारा नामित किसी अपर जिलाधिकारी द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की जाएगी। 7 फरवरी को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में डेरापुर में तथा मैथा में मुख्य विकास अधिकारी, तहसील रसूलाबाद में अपर जिलाधिकारी प्रशासन, तहसील सिकंदरा में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा।

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 7 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

पॉक्सो एक्ट के वांछित को किया गिरफ्तार

बिल्हौर। कानपुर कमिश्नरेट के उच्च अधिकारियों के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार ककवन पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के वांछित आरोपित को गिरफ्तार का जेल भेज दिया। थाना प्रभारी जितेंद्र राजपूत ने बताया कि ककवन थाना क्षेत्र के कुरेह गांव निवासी विमल पुत्र शुधर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि वह पॉक्सो एक्ट के मुक़दमे में नामजद आरोपी है।

खोये मोबाइल पाकर लौटी मुस्कान

बिल्हौर। कानपुर नगर पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत थाना ककवन पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए गुम हुए 2 मोबाइल फोन सफलतापूर्वक बरामद कर उनके असली मालिकों को सौंप दिए। थाना ककवन पुलिस द्वारा सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीआईआईआर) पोर्टल की सहायता से इन मोबाइलों को ट्रैक किया गया। आरक्षी शक्ति सिंह की तकनीकी सक्रियता और तत्परता के चलते शुक्रवार को मोबाइल बरामद कर उनके स्वामियों के सुपुर्द किए गए। थाना प्रभारी जितेंद्र राजपूत ने बताया कि (सीआईआईआर) पोर्टल के तहत लोगों ने शिकायत दर्ज की थी जिसके सही मॉनिटरिंग पर मोबाइल वापस हो सके हैं। आने वाले समय में मोबाइल के चोरी या गिर जाने पर पुलिस इस पोर्टल के माध्यम से लोगों की मदद कर सकेगी।

प्रधान की कार से ग्रामीण हुआ घायल

घाटमपुर। घाटमपुर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत रेउना थाना क्षेत्र के कस्बा में विगत गुरुवार को देर शाम एक प्रधान ने एक व्यक्ति के ऊपर कार चढ़ा दी। इससे उसका पैर फैक्चर हो गया है। ग्रामीणों ने प्रधान को घेरा तो प्रधान कार छोड़कर भागने लगा इसपर ग्रामीणों ने उसे दौड़ा लिया। ग्राम प्रधान ने एक घर में छिपकर अपने आप को बचाया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रधान व घायल व्यक्ति के बीच इलाज कराने का समझौता कराया। घायल व्यक्ति का इलाज प्राइवेट अस्पताल में चल रहा है। रेउना थाना क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा रेउना में एक गेस्ट हाउस में बारात का कार्यक्रम चल रहा था। सूत्रों की माने तो पतारा विकासखंड के अंतर्गत गिरसी के ग्राम प्रधान अशोक कुमार यादव नशे में धुत होकर गाड़ी चला रहे थे। इसी दौरान रेउना कस्बा निवासी संजय मिश्रा पुत्र अरविंद मिश्रा उम्र 46 वर्ष के ऊपर कार चढ़ा दी। इससे उसका पैर टूट गया। शादी समारोह में शामिल ग्रामीणों ने उक्त ग्राम प्रधान अशोक यादव को दौड़ा लिया तो अशोक प्रधान कार छोड़कर भागा और पास में अजय यादव के मकान में घुस गया जहां पर ग्रामीण भी घुस गए। मामला बढ़ता देख प्रधान अशोक यादव ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया और अशोक यादव प्रधान एवं घायल व्यक्ति के परिजनों के बीच समझौता कराया। समझौते के तहत ग्राम प्रधान ने इलाज कराने की जिम्मेदारी लेते हुए आगे की कार्रवाई न करने के लिए कहा। इस पर दोनों पक्षों में सहमति बनी। इसके बाद घायल को इलाज के लिये एक प्राइवेट नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है, जहां पर उसका इलाज जारी है।

11 साल से फरार बावरिया गैंग का इनामी बदमाश हुआ गिरफ्तार

कानपुर और जौनपुर पुलिस को थी उसकी तलाश, 75 हजार रुपये का इनाम भी घोषित था

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। कानपुर कमिश्नरेट की अरौल पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए बावरिया गैंग के उस शातिर सदस्य को गिरफ्तार कर लिया है, जो पिछले 11 वर्षों से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहा था। हत्या, लूट और डकैती जैसे जघन्य अपराधों में वांछित इस अपराधी पर 75 हजार रुपये का इनाम भी घोषित था।

अरौल इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह यादव के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबिर की सटीक सूचना पर शुक्रवार को घेराबंदी कर आरोपी को मकनपुर के सिंघौली गांव स्थित हनुमान मंदिर के पास से दबोच लिया। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से एक तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए। वहीं पुलिस ने बताया कि उसपर जौनपुर पुलिस ने 50 हजार और कानपुर पुलिस ने 25 हजार समेत कुल 75 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

पुलिस की गिरफ्त में खड़ा आरोपी। अमृत विचार

खाड़ामऊ डकैती और हत्या का मामला : एसीपी बिल्हौर मंजय सिंह के अनुसार, वर्ष 2015 में बिल्हौर थाना क्षेत्र के खाड़ामऊ गांव में राजा सिंह के घर डकैती पड़ी थी। इस दौरान डकैतों ने परिवार पर लाठी-डंडों से हमला किया था, जिसमें राजा सिंह की मृत्यु हो गई थी। जांच के दौरान इस वारदात में कल्लू उर्फ फिरोज (निवासी मकनपुर) का नाम सामने आया था, जो घटना के बाद से ही भूमिगत हो गया था।

पहचान बदलकर काट रहा था फरारी : पकड़ा गया आरोपी बावरिया गैंग के पूर्व सरगना सलीम का भतीजा है। पुलिस से बचने के लिए वह अमरोहा के कुंदरकी क्षेत्र में नाम बदलकर रह रहा था। इतना ही नहीं, उसने राजस्थान, उत्तराखंड, महाराष्ट्र और झारखंड जैसे राज्यों में भी अपनी पहचान छुपाकर ठिकाने बदले।

जौनपुर में भी किया था खूनी खेल

- आरोपी का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है। वर्ष 2014 में जौनपुर के शाहगंज में एक डकैती के दौरान इसने एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। इसके अलावा भी इसके खिलाफ विभिन्न थानों में कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में मुख्य रूप से उप निरीक्षक : विशाल शर्मा, नैतिक नारायण सिंह, महिला उप निरीक्षक गीतांजली, कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह, जितेंद्र सिंह, विशाल सिंह रहे।

ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत

घाटमपुर। घाटमपुर के साढ़ थाना क्षेत्र के दरगाहिलाल पुल के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर युवक की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक मुलायम यादव (22) पुत्र रामचरण यादव निवासी दुल्हेपुर थाना जहानाबाद साढ़ स्थित एक गेस्ट हाउस में एक शादी समारोह में शामिल होने मोहल्ले के दीपू के साथ बाइक से जा रहा था। जैसे ही वह दरगाहिलाल पुल के पास पहुंचा तभी तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी जिससे, वो गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से उसे सीएचसी भीतरगांव लाया गया। वहां पर मौजूद डॉक्टरों ने उसकी जांच करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। साढ़ थाना प्रभारी अवनीश सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुलायम यादव।

पानी टंकी ध्वस्तीकरण का ग्रामीणों ने किया विरोध

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। तहसील क्षेत्र अंतर्गत परास गांव में स्थित पुरानी पानी टंकी के ध्वस्तीकरण को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। टंकी गिराने पहुंची मशीन को ग्रामीणों के कड़े विरोध के चलते वापस लौटना पड़ा।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के टंकी को ध्वस्त किया गया तो आने वाली गर्मी में क्षेत्र के हजारों लोगों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान में इसी पानी टंकी से परास गांव के लगभग 1500 घरों को पेयजल आपूर्ति की जा रही है। इसके साथ ही आसपास के करीब 10 गांव भी इसी टंकी से जुड़े हुए हैं। ऐसे में टंकी हटने पर पूरे इलाके में पानी की भारी किल्लत हो जाएगी। विरोध कर रहे ग्रामीण निखिल, अभिनव, अनुज, राम किशोर, अजय समेत आधा सैकड़ा लोगों ने स्पष्ट कहा कि प्रशासन को पहले नई पानी टंकी का निर्माण कराकर समुचित पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। इसके बाद ही पुरानी टंकी को गिराने की कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का आरोप है, कि बिना किसी तैयारी के ध्वस्तीकरण का प्रयास किया जा रहा है, जो जनहित के खिलाफ है। ग्रामीणों ने मौके पर अधिकारियों से भी बात कर अपनी समस्या रखी और चेतावनी दी कि जब तक वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जाएगी, तब तक वे पुरानी टंकी को ध्वस्त नहीं होने देंगे। ग्रामीणों के विरोध को देखते हुए फिलहाल कार्रवाई रोक दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि गर्मी का मौसम नजदीक है और ऐसे समय में पानी टंकी गिराना हजारों परिवारों की परेशानी बढ़ा सकता है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए पहले दूसरी टंकी का निर्माण कराया जाए, उसके बाद ही पुरानी टंकी को हटाया जाए।

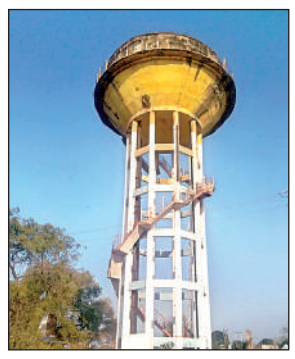

पानी की टंकी, जिसे गिराना था।

1500 घरों की जलापूर्ति हो जायेगी ठप

- ग्रामीणों ने कहा पहले दूसरी टंकी बनाई जाये तब इसे गिरायें
- ग्रामीणों के कड़े विरोध के चलते मशीन को वापस लौटना पड़ा

कूष्मांडा देवी मंदिर में 70 बटुकों का हुआ यज्ञोपवीत

घाटमपुर। घाटमपुर में कूष्मांडा देवी मंदिर के प्रांगण में 70 बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न हुआ। आचार्यों ने मंत्र उच्चारण एवं विधि विधान के साथ यज्ञोपवीत संस्कार सम्पन्न कराया।

इस दौरान वहां पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। इसमें सभी आगंतुकों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के आयोजक सभी आचार्यगण एवं प्रमुख सहयोगी प्रदीप शुक्ल,वीरेन्द्र त्रिपाठी (प्रदेश उपाध्यक्ष समाजवादी युवजन सभा), प्रेम नारायण अवस्थी, रेवती रमन तिवारी उपस्थित रहे। इस दौरान बटुकों के साथ आए रिश्तेदारों व परिवार के लोगों ने आयोजित भंडारे एवं प्रतिभोज में प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

बटुकों का होता यज्ञोपवीत संस्कार। अमृत विचार

ईश्वर के प्रति समर्पण का मार्ग है सच्ची भक्ति : आचार्य संतोष

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। भक्ति ईश्वर के प्रति प्रेमपूर्ण समर्पण का मार्ग है। मन, वाणी और कर्म में श्रद्धा व समर्पण रखें। सच्ची भक्ति वही है, जो कठिन क्षणों में अटल रहे। उक्त प्रवचन शुक्रवार को कस्बे के श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में चल रही श्री राम कथा के दूसरे दिन मानस मर्मज्ञ संतोष जी महाराज ने भक्तों को सुनाए। इस दौरान उन्होंने सती कथा का रोचक वर्णन कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।

कस्बा स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर के 80वें वार्षिकोत्सव पर आयोजित श्री राम कथा में शुक्रवार को आचार्य संतोष जी महाराज ने सती कथा का वर्णन करते हुए बताया कि दक्ष की पुत्री सती ने अपने पिता की इच्छा के विरुद्ध भगवान शिव से विवाह किया था। भगवान शिव के मना करने के बावजूद दक्ष द्वारा कराए गए यज्ञ में सती बिना बुलाए पिता के घर जा पहुंचीं। जहां दक्ष के भय से किसी ने उनकी आवभगत नहीं की। यज्ञ स्थल पर पति शिव का भाग दिखाई न देने से वह व्यथित व क्रोधित हो गईं और यज्ञ की अग्नि में अपना शरीर भस्म कर दिया।

कथा सुनाते आचार्य संतोष महाराज।

- श्री राम कथा के दूसरे दिन आचार्य ने किया सती कथा का वर्णन

आचार्य ने बताया कि प्रेम से बढ़कर कोई गुण, ज्ञान ,धर्म व आस्था नहीं। प्रेम ही सत्य है और प्रेम ही ईश्वर है। इस दौरान उन्होंने नहीं चाहिए दिल दुखाना किसी का, सदा ना रहेगा जमाना किसी का, भजन सुना कर भक्तों को भाव विभोर कर दिया। कथा श्रवण के लिए यहां श्रद्धालुओं की संख्या धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। आयोजक पं. राजेश त्रिपाठी ,प्रमोद त्रिपाठी व संचालक ओम नारायण गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में दिन के समय श्री राम कथा का वर्णन व रात्रि में वृंदावन से आए कलाकारों द्वारा श्री कृष्ण लीला का मनमोहक मंचन किया जा रहा है। इस दौरान सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

चाइनीज मांझा बेचने पर पुलिस ने दो को दबोचा

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। लखनऊ में चाइनीज मांझा से हुई शोएब की मौत के बाद मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए मांझा से होने वाली मौत को हत्या मानते हुए सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। जिसके बाद पुलिस प्रशासन ने हरकत में आकर दो मांझा बेचने वालों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में मांझा जब्त किया है। हालांकि इस कार्रवाई से यह बात साफ हो जाती है कि प्रशासन सिर्फ मौत के बाद नींद से जागता है।

कोतवाली पुलिस ने कस्बे के देवी चौराहा के निकट से कजियाना निवासी अमित कुमार पुत्र विनोद कुमार और उपरौस से रुकमुददीन पुत्र छिद्दू निवासी उपरौस को चाइनीज मांझा बेचने के आरोप में मांझा सहित गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से भारी मात्रा में चाईनीज मांझा जब्त किया गया है। बताते चलें कि बीते दो दिन पहले लखनऊ में शोएब नामक युवक की चाईनीज मांझा में फंसकर गर्दन कटने से मौत हो गई थी। जिसके बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त तेवर दिखाते हुए कहा था कि मांझा से होने वाली मौत को हत्या का अपराध माना जाएगा। उसी के बाद पुलिस ने यह बड़ी कार्रवाई की गई है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

घाटमपुर में कलश यात्रा के साथ श्री राम कथा का हुआ शुभारंभ

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर के शिव हरी धाम मंदिर मदनपुर स्थित बाबा भूतेश्वर महादेव महाराज जी मंदिर में शुक्रवार को कलश यात्रा के साथ श्री राम कथा एवं राम गाथा का शुभारंभ हुआ। इसके उपरांत गाजे-बाजे के साथ कलशयात्रा में गांव की महिलाएं सिर पर कलश रखकर भजन-कीर्तन करते कलश यात्रा निकाली गई। कलशयात्रा का जगह-जगह भक्तों ने स्वागत किया। भजन-कीर्तन के साथ कलशयात्रा क्षेत्र के मुख्य मार्गों से होते हुए शिव हरि धाम पहुंची।

कथा के पहले दिन कथा व्यास रक्षा द्विवेदी ने श्री राम कथा की महिमा का व्याख्यान किया। उन्होंने कहा कि राम कथा सुनने से मात्र से प्राणी का कल्याण हो जाता है और जीवन से मुक्ति मिलती है। साथ ही कहा कि कथा किसी भी उम्र में सुनी जा सकती है। कथा सुनने का आयु का बंधन नहीं है।

श्रीराम कथा सुनातीं रक्षा द्विवेदी।

- भक्तों ने कलश यात्रा का जगह जगह किया स्वागत
- 6 फरवरी से 15 फरवरी तक हो रहा है आयोजन

वहीं कलश यात्रा में क्षेत्रीय महिलाएं एवं श्री राम भक्तजन शामिल रहे। इस मौके पर मंदिर ट्रस्टी पंडित शिवकुमार द्विवेदी ने बताया कि 6 फरवरी से 15 फरवरी तक भव्य श्री राम कथा एवं राम गाथा का आयोजन होगा। वहीं 15 फरवरी महाशिवरात्रि को शिव बारात के साथ विशाल भंडारे का विवाह आयोजन किया गया है।

निमंत्रण में गया परिवार सामान उठा ले गए चोर

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार। घर में ताला लगाकर परिवार सहित लखनऊ निमंत्रण करने गए परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में ताला लगा होने के चलते रात में चोरों ने जेवर नकदी कपड़े व बर्तन पार कर दिए। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

क्षेत्र के तारापति निवादा गांव निवासी मिजाजी अपने परिवार के साथ गुरुवार को रिश्तेदारी में लखनऊ निमंत्रण करने गए थे घर में ताला लगा हुआ था। देर रात चोरों ने दरवाजे का कुंडा व ताला तोड़कर घर में रखे बहू के सोने व चांदी के जेवर समेत 10हजार रुपये नकद और कपड़े व बर्तन आदि उठा ले गए।

पड़ोसी ने सुबह घर का दरवाजा खुला देखा तब पीड़ित को सूचना दी। सूचना मिलते ही पीड़ित वापस घर आया व देखा कि दरवाजा खुला पड़ा था घर का सब सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। इस मामले में थाना प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि चोरी की तहरीर मिली है जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

CARBON SPECIALITIES LIMITED
CIN: L65929UP1985PLC111401
REGD OFF: 7/181 A, Duplex Bunglow Unit No. 4, Swaroop Nagar, Kanpur-208002 (UP)
Email id: carbonspecialities85@gmail.com Contact: +91-9838823600 Website: http://carbon.in.net

NOTICE

Notice is hereby given that the Meeting of the Board of Directors of the Company scheduled on Tuesday, February 10, 2026 at 04:00 P.M., to consider and approve the un-audited Financial Results for the quarter ended on 31st December, 2025.

Pursuant to the Company's Code of conduct, the trading window shall remain closed till 48 hours of conclusion of the Board Meeting in terms of SEBI (Prohibition of insider trading) Regulations, 2015.

For Carbon Specialities Limited
Sd/
Prabha Kaya
Managing Director
DIN:00326278

Place : Kanpur
Date : 06.02.26

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,
नलकूप निर्माण खण्ड,
कानपुर

अल्पकालीन निविदा सूचना सं0–06/अ0अ0/न0नि0ख0का0/2025–26

महामहिम राज्यपाल महोदया उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु मुहरबन्द निविदाएं सिंचाई विभाग यॉत्रिक के वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों हेतु आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक–09.02.2026 से 16.02.2026 तक कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, नलकूप निर्माण खण्ड, कानपुर में प्रत्येक कार्य दिवस को प्रातः 11.00 बजे से अपरान्ह 15.00 बजे तक निर्धारित शुल्क बैंक ड्राफ्ट/डिमांड ड्राफ्ट के रूप में जो अधिशासी अभियन्ता, नलकूप निर्माण खण्ड, कानपुर के नाम हो, जमा कर प्राप्त किया जा सकता है। निविदा दिनांक–17.02.2026 अपरान्ह 13.00 बजे तक कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, नलकूप निर्माण खण्ड, कानपुर के कार्यालय में रखे टेण्डर बॉक्स में डाली जायेगी। निविदा दिनांक–17.02.2026 को अधोहस्ताक्षरी अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि/गठित कमेटी द्वारा अधिशासी अभियन्ता, नलकूप निर्माण खण्ड, कानपुर के कार्यालय में अपरान्ह 15.00 बजे खोली जायेगी। निर्धारित तिथि/समय के पश्चात् प्राप्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के अनुपस्थित होने पर, निविदा खुलने के समय में कोई भी परिवर्तन किया जाना सम्भव नहीं होगा। एक या समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा। सामान्य नियम व शर्ते निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न है। कार्यालय बन्द होने की दशा में यह निविदा अगले कार्य दिवस में उसी समय खोली जायेगी।

आमंत्रित निविदा की सूचना निम्नानुसार हैः–

लाट संख्या	कार्य का विवरण (धनावंटन की प्रत्याशा में)	कार्य की मात्रा (घन मी0)	अनुमानित धनराशि (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य(रू0 में)	ठेकेदार की श्रेणी
01	Carriage & Providing of Pea Gravel size 2.00mm to 3.35mm for 02 Nos. of STW from Lalkuan Quarry, Haldwani to District-Kanpur Nagar under the project 1750 R&R as per bill of quantity.	104	6.76	14000	45 दिन	225+ जी.एस.टी +500.00 स्टेशनरी चार्ज	यॉत्रिक "ए" श्रेणी या उच्च
02	Carriage & Providing of Pea Gravel size 2.00mm to 3.35mm for 01 Nos. of STW from Lalkuan Quarry, Haldwani to District-Kanpur Dehat under the project 1750 R&R as per bill of quantity.	52	3.31	13500	45 दिन	150+ जी.एस.टी +500.00 स्टेशनरी चार्ज	यॉत्रिक "ए" श्रेणी या उच्च
03	Carriage & Providing of Pea Gravel size 2.00mm to 3.35mm for 02 Nos. of STW from Lalkuan Quarry, Haldwani to District-Etawah under the project 1750 R&R as per bill of quantity.	104	6.35	13000	45 दिन	225+ जी.एस.टी +500.00 स्टेशनरी चार्ज	यॉत्रिक "ए" श्रेणी या उच्च
04	Carriage & Providing of Pea Gravel size 2.00mm to 3.35mm for 02 Nos. of STW from Lalkuan Quarry, Haldwani to District-Farrukhabad under the project 1750 R&R as per bill of quantity.	90	4.73	9500	45 दिन	150+ जी.एस.टी +500.00 स्टेशनरी चार्ज	यॉत्रिक "ए" श्रेणी या उच्च

UP – 245341 दिनांकः 05/02/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(सुजीत कुमार सिंह)
अधिशासी अभियन्ता

आयोजन

हमारा आंगन– हमारे बच्चे उत्सव में अभिभावकों को किया गया जागरूक

बच्चों को सिखाने में मां की अहम भूमिका : ब्लाक प्रमुख

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। कस्बा स्थित खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में शुक्रवार को हमारा आंगन- हमारे बच्चे उत्सव का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति व निपुण लक्ष्य को गति देने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में अभिभावकों को शिक्षा के प्रति जागरूक किये जाने के साथ बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र व प्राथमिक विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान खेलकूद के साथ बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

बीआरसी चौबेपुर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। तत्पश्चात अपने संबोधन में ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों को सिखाने में मां की भूमिका अहम होती है। बताया कि इस तरह के आयोजन का अभिप्राय है कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि खेलकूद, कला और संस्कारों से भी बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा व्यवस्था को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में नवाचार को महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद तहसीलदार बिल्हौर अनुभव चंद्रा व नायब तहसीलदार दिव्या भारती द्वारा भी प्री प्राइमरी शिक्षा के लिए शासन द्वारा संचालित बाल वाटिका कार्यक्रम पर चर्चा की गई। वहीं बीईओ कुंवर आनंद पटेल ने शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व अभिभावकों से योजना को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करने की बात कही। बताया कि इस योजना से प्रत्येक बच्चा निपुण व आत्मनिर्भर बन सकेगा। उन्होंने बाल शिक्षा पोषण व स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां भी दीं। इस दौरान खेलकूद व बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। प्रतिभागी बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप स्टेशनरी किट व प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस मौके पर एआरपी प्रतिमा कुशवाहा, स्वर्णिमा शर्मा,मीनाक्षी इसरानी, विशाल तिवारी, शोभा शुक्ला,अनुग्रह त्रिपाठी व दीपक चौहान आदि के साथ बड़ी संख्या में बच्चे व उनके अभिभावक मौजूद रहे।

बच्चों के साथ मौजूद ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला, बीईओ और शिक्षक। अमृत विचार

- कस्बा स्थित बीआरसी में आयोजित कार्यक्रम में हुए खेलकूद
- बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दिखाई प्रतिभा

सुविचार

जहां चक्रवर्ती सम्राट की तलवार कुंठित हो जाती है, वहां महापुरुष का एक मधुर वचन ही काम कर देता है।

- हरिऔध

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, शनिवार, 7 फरवरी 2026

कानपुर के प्रमुख समाचार

- एसआईआर में जमा हुए 2.20 लाख फार्म-6-II
- 29 करोड़ की दरकार, हजारों बीमार -III
- सीएसजेएमयू में आज से समारोह -IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

छह माह में सचेंडी से मंधना तक रिंग रोड हो जाएगी तैयार

डेढ़ साल में पूरा होगा काम, लेकिन पैकेज- 2 ए के लिए करना होगा दो साल इंतजार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहरवासियों को जाम से निजात दिलाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा करीब 95 किलोमीटर लंबी रिंग रोड का निर्माण किया जा रहा है जो अगले वर्ष दीपावली से पहले पूरा हो जाएगा, लेकिन पैकेज-2ए चौधरिया से ट्रांसगंगा सिटी का काम पूरा होने के लिए अप्रैल, 2028 तक इंतजार करना होगा। यह जानकारी शुक्रवार को रिंग रोड की प्रगति का जायजा लेने आई एनएचएआई के अधिकारियों की टीम ने दी।

कानपुर रिंग रोड का निर्माण पांच पैकेज में किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया पैकेज वन में मंधना से सचेंडी तक छह लेन की सड़क का निर्माण इसी साल सितंबर माह में पूरा करने की डेड लाइन भी घोषित कर दी गई है। इसके बनने से बुंदेलखंड क्षेत्र के साथ फर्रुखाबाद व कन्नौज आना-जाना आसान हो जाएगा।

अभी वाहन सवारों को कानपुर के भीतर से होकर लखनऊ, इटावा, फतेहपुर, उन्नाव, प्रयागराज, मेरठ, हमीरपुर, हरदोई आदि जिलों में जाना पड़ता है, जिससे शहर में जाम के हालात बने रहते हैं।

एनएचएआई के रीजनल ऑफिसर गौतम विशाल के मुताबिक कानपुर रिंग रोड के निर्माण से यात्रा समय में लगभग 60 फीसदी की कमी आएगी। रिंग रोड का निर्माण छह लेन में किया जा रहा है, इसमे टोलिंग पद्धति को क्लोज्ड टोलिंग सिस्टम के रूप में अपनाया गया है। रिंग रोड के निर्माण से शहर के भीतर भारी मालवाहक यातायात (जिसमें कबरई से आने वाला निर्माण सामग्री यातायात भी शामिल है) में कमी आएगी।

इस परियोजना से आधारभूत अवसंरचना का विकास होगा। औद्योगिक क्षेत्र, हवाई अड्डे व राज्य सरकार की आगामी परियोजनाओं के लिए बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी, जिससे क्षेत्र का समग्र आर्थिक विकास सुनिश्चित होगा। रिंग रोड पैकेज-तीन में गंगा नदी पर 3300 मीटर लंबा पुल निर्माण के लिए प्रस्तावित किया गया है।

कानपुर रिंग रोड पर हो रहा निर्माण। अमृत विचार

94.659	5854.91	34.582
किमी रिंग रोड की कुल लंबाई	करोड़ परियोजना की कुल लागत	किमी सर्विस/स्लिप रोड की लंबाई

पैकेज-1 का कार्य 50 फीसदी हुआ पूरा

- प्रोजेक्ट डायरेक्टर पंकज यादव ने बताया कि पैकेज-1 सचेंडी से मंधना तक रिंग रोड निर्माण का कार्य 50.11 फीसदी पूरा हो गया है। पैकेज-2ए चौधरिया से ट्रांसगंगा तक रिंग रोड निर्माण का कार्य 12.7 फीसदी, पैकेज-2बी ट्रांसगंगा से सठारा तक आठ फीसदी, पैकेज-3 बदरका से हरबंश-उछटी तक 15.30 फीसदी और पैकेज-4 जरकला से पाकरी तक 22.15 फीसदी कार्य पूरा हो गया है। सिर्फ पैकेज-2ए का निर्माण अप्रैल 2028 तक पूरा होगा।

कहां कितना काम

- पैकेज-1 : **50.11%**
  सचेंडी- मंधना (00 से 23.32 किमी)
  पूर्ण होगा – सितंबर, 2026
- पैकेज-2-ए : **12.70%**
  चौधरिया- ट्रांसगंगा सिटी (23.32 से 32.09किमी)
  पूर्ण होगा – अप्रैल, 2028
- पैकेज-2बी : **8.05%**
  ट्रांसगंगा से सठारा (32.09 से 51.20किमी)
  पूर्ण होगा – सितंबर, 2027
- पैकेज-3 : **15.30%**
  बदरका- हरबंश-उछटी (51.20 से 68.65 किमी)
  पूर्ण होगा – जुलाई, 2027
- पैकेज-4 : **22.15%**
  जरकला -पाकरी (68.65 से किमी 93.2किमी)
  पूर्ण होगा - जून 2027

प्रमुख पुल	06
छोटे पुल	26
फ्लाईओवर	13
रेलवे ओवर ब्रिज	09
हैवी व्हीकल अंडरपास	15
लाइट व्हीकल अंडरपास	24
स्मॉल व्हीलकल अंडरपास	06
बॉक्स/स्लैब कल्वर्ट	55
टोल प्लाजा	13
एनएचएआई भवन	01

जानकारी देते एनएचएआई के रीजनल आफिसर गौतम विशाल, परियोजना निदेशक पंकज यादव व अन्य अधिकारी। अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

बीएलओ पर दबाव बनाने का आरोप

कानपुर। आर्य नगर विधानसभा से सपा विधायक अमिताभ बाजपेई ने आरोप लगाया है कि भाजपा के मंडल अध्यक्ष द्वारा फर्जी हस्ताक्षर करके जबरदस्ती वोट काटने के लिए बीएलओ पर दबाव बनाया जा रहा है। वह फार्म फेंककर जा रहे हैं। ऐसे में विधायक की मांग है कि इनपर सख्त कार्रवाई की जाए।

छह जगह पकड़ी बिजली चोरी

कानपुर। केस्को की विजिलेंस टीम ने शुक्रवार को जीआईसी व साइकिल मार्केट उपकेंद्र के अंतर्गत छह परिसरों में बिजली चोरी पकड़ी। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक कर्नलगंज में मो .सबीर, शकील, मो .हारिस, परवीन जहां, नजमा व हाशमी बेगम के खिलाफ टीम ने बिजली चोरी की एफआईआर दर्ज कराई। क्षेत्र के लोगों को बिजली चोरी न करने के लिए जागरूक किया।

आज यहां नहीं रहेगी बिजली

कानपुर। गोविंद नगर, विद्यार्थी मार्केट, नंदलाल चौराहा, बीएसए पार्क व आसपास के क्षेत्र, तिकोनिया पार्क, सिंहपुर, शिवाजी नगर व एल ब्लाक में बिजली शनिवार को सुबह 10 बजे से शाम को बजे तक नहीं रहेगी। इसके अलावा रतनलाल नगर, दबौली, गुजैनी में दोपहर 12 बजे से दोपहर तीन बजे तक, पनकी रोड, न्यू शिवली रोड में सुबह 11 बजे से शाम को बजे तक बिजली गुल रहेगी।

शराब के रुपये मांगने पर सेल्समैन को पीटा

कानपुर। चकेरी में देशी शराब ठेके के मैनेजर ने आरोप लगाया है कि एक फौजी ने शराब लेने के बाद रुपये नहीं दिए और मारपीट की। ग्वालटोली के खलासी लाइन निवासी अनुराग बाजपेई दहेली सुजानपुर स्थित शराब ठेके में मैनेजर हैं। उन्होंने बताया कि बीती तीन फरवरी को एक फौजी विजय तोमर शराब लेने आया, लेकिन रुपये नहीं दिए। जब सेल्समैन प्रशांत मिश्रा ने शराब के रुपये मांगे तो आरोपी ने गाली-गलौज कर मारपीट की। इसके बाद आरोपी ठेके बाहर बाथरूम करने लगा। दूसरे सेल्समैन शिवम ने विरोध किया तो आरोपी ने उससे भी मारपीट की और जान की धमकी देकर चला गया। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस वे रिंग रोड से भी जुड़ेगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे कानपुर में रिंग रोड के साथ उन्नाव में गंगा एक्सप्रेसवे से भी जुड़ेगा। मार्च माह में इस एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा और अप्रैल से वाहन इस पर 120 किलोमीटर की रफ्तार से फर्राटा भर सकेंगे, जिससे लखनऊ की दूरी महज 35 से 40 मिनट में तय हो सकेगी।

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर वर्तमान में सरोजनी नगर क्षेत्र में कुछ कार्य और फिनिशिंग बची है। एनएचएआई के रीजनल ऑफिसर गौतम विशाल ने बताया कि छह लेन के इस एक्सप्रेसवे पर अप्रैल माह में सफर कर सकेंगे। 4,700 करोड़ रुपये लागत से बनाए गए 63 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे में लगभग 45 किमी ग्रीनफील्ड हिस्सा और 18 किमी भाग एलिवेटेड है। उन्नाव में गंगा एक्सप्रेसवे (मेरठ-प्रयागराज) से जुड़कर, यह एक्सप्रेसवे प्रदेश के अन्य हिस्सों जैसे आगरा, गाजियाबाद, नोएडा से बेहतर संपर्क प्रदान करेगा। इस एक्सप्रेसवे की खास बात ये होगी कि वाहनों का शोर आसपास के इलाकों में नहीं गूंजेगा, जिससे ध्वनि प्रदूषण नहीं होगा।

7 करोड़ से लगेंगे पेड़

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे को हरियाली से भरपूर बनाने के लिए 46 हजार पेड़ सिर्फ ग्रीन फील्ड क्षेत्र (बनी से आजाद चौक तक) में लगाए जाएंगे। इस प्रोजेक्ट पर एनएचएआई सात करोड़ रुपये खर्च करेगा। एलीवेटेड रोड मार्ग पर 222 पेड़ हर किलोमीटर पर कार्यदायी संस्था लगवाएगी। ग्रीन फील्ड के बगल में चार लेन जगह और छोड़ी गई है। इसी स्थान पर एनएचएआई पौधरोपण कराएगा।

पहचान बदली, रिश्ता टूटा, अब सहारे की तलाश

कानपुर। एक युवती ने प्रेम विवाह के लिए अपनी पहचान बदली और अलग समुदाय के युवक से शादी की, लेकिन अब उसी रिश्ते के टूटने का दर्द झेल रही है। ससुराल वालों के निकालने पर अब घर से बेघर हो गई। महिला ने गोविंद नगर थाने में प्रार्थना पत्र देकर पति और ससुराल पक्ष पर मारपीट, 15 लाख रुपये की मांग और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

पीड़िता के अनुसार वर्ष 2013 में युवक से परिचय हुआ, जो बाद में विवाह तक पहुंचा। विवाह से पहले उसे नाम और पहचान बदलनी पड़ी। पहले रीति से विवाह और बाद में कोर्ट मैरिज हुई। कुछ वर्षों बाद विवाद बढ़ने लगे। आरोप है कि उस पर पैसों की मांग का दबाव बनाया गया और विरोध करने पर मारपीट कर घर से निकाल दिया गया। बताया कि विवाह के लिए उसने अपना पुराना परिवार और सामाजिक दायरा पीछे छोड़ दिया था। अब ससुराल से अलग होने के बाद वह खुद को अकेला महसूस कर रही है।

मेगा लेदर क्लस्टर के लिए जमीनी काम लगभग पूरा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- केंद्र सरकार की नई नीति के तहत अप्रैल माह में आवेदन करने की तैयारी

अमृत विचार। रमईपुर में मेगा लेदर क्लस्टर के लिए सिर्फ चार जमीनों का दाखिल-खारिज कराना शेष रह गया है। इसके बाद कानपुर मेगा लेदर क्लस्टर डेवलमेंट यूपी लिमिटेड कंपनी केंद्र सरकार की नई नीति के तहत मेगा लेदर क्लस्टर की स्थापना के लिए अप्रैल माह में आवेदन कर देगी। नई नीति के तहत विभिन्न मदों में कंपनी को करीब 450 करोड़ रुपये का अनुदान मिलना है।

पुरानी नीति के तहत करीब 325 करोड़ रुपये कंपनी को मिलने थे लेकिन ग्राम समाज की सुरक्षित श्रेणी की भूमि से कंपनी की भूमि की अदला- बदली का काम समय से न हो पाने की वजह से प्रोजेक्ट फंस गया था।

इसी कारण वाणिज्य मंत्रालय के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग ने कंपनी को नए सिरे से आवेदन करने के लिए कहा था। जाजमऊ में करीब 400 टेनरियां स्थापित हैं। वैसे यहां 20 एमएलडी का कॉमन इफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित हो गया है। लेकिन तमाम टेनरी संचालक गंगा में चोरी छिपे केमिकल युक्त पानी बहाते हैं। इससे हर साल माघ मेला और कुंभ के दौरान टेनरियों को बंद करना पड़ता है, जिससे उद्यमियों का नुकसान होता है।

इसी कारण तय हुआ था कि जो टेनरी संचालक मेगा लेदर क्लस्टर में उद्योग शिफ्ट करना चाहेंगे उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही नए उद्यमियों को भी भूखंड आवंटन में प्राथमिकता दी जाएगी। मेगा लेदर क्लस्टर में छोटी- बड़ी मिलाकर कुल 250 टेनरियां स्थापित होनी हैं। जबकि 85 फैक्ट्रियां जूता व अन्य उत्पाद बनाने की होंगी। स्पेशल परपज व्हीकल के तहत गठित कंपनी में भूमि के लिए पैसा जमा करने वाले पौने चार सौ उद्यमियों में से 335 ही यहां अपने उद्योग लगा सकेंगे।

दुकान के बाहर बाथरूम का विरोध करने पर पीटा

कानपुर। चकेरी में एक दुकानदार ने आरोप लगाया कि इलाके का युवक उनकी दुकान के बाहर बाथरूम कर रहा था। दुकानदार के बेटे ने विरोध किया तो आरोपी ने अपने चचेरे भाइयों के साथ मिलकर मारापीटा। ईंट-पत्थर चलाकर दुकान में तोड़फोड़ की।

जगईपुरवा निवासी दिनेश चंद्र पाल उर्फ छोटू की इलाके में दुकान है। उन्होंने बताया कि बीती 31 दिसंबर की रात उनका बेटा यशराज दुकान पर बैठा था। तभी इलाके का राजू उर्फ सुमित दुकान के सामने बाथरूम करने लगा। बेटे ने मना किया तो आरोपी ने गाली-गलौज की। इसके बाद चचेरे भाइयों मोंटी, विक्रम व रोहित को बुलाकर उससे मारपीट की। शोर सुनकर वह पहुंचे तो आरोपियों ने उसे भी पीटा। दुकान पर पथराव करके भाग निकले। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

घर का ताला तोड़ 20 लाख की चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गुजैनी में चोरों ने मार्केटिंग कंपनी के मैनेजर के बंद घर का ताला तोड़कर 5.25 लाख रुपये व लगभग 15 लाख का जेवर पार कर ले गए। चोरों ने बुधवार बंद घर को निशाना बनाया, जब पीड़ित अपनी मां को ऑपरेशन के बाद चेकअप के लिए लखनऊ ले गया था। चोर भागते समय घर में लगी सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर भी ले गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर चोरों की तलाश शुरू की है।

बर्रा-आठ निवासी सतीश पांडेय मार्केटिंग कंपनी में मैनेजर हैं। उन्होंने बताया कि परिवार में मां मीरा व पिता दिनेश पांडेय हैं। मां स्पाइन की बीमारी से पीड़ित हैं। जिसका बीती 15 दिसंबर को लखनऊ में ऑपरेशन हुआ था। अस्पताल से छुट्टी होने के बाद मां व पिता लखनऊ में ही रह रहे थे, जबकि वह नौकरी के सिलसिले में अक्सर बाहर ही रहते हैं। सतीश के अनुसार ऑपरेशन के बाद वह मां का चेकअप कराने 12 जनवरी को लखनऊ गए थे। इसके बाद वहीं से टूर पर निकल गए। उन्होंने बताया कि पूरे घर में सीसीटीवी लगे हैं।

घर में टूटी अलमारी, बिखरा पड़ा सामान। अमृत विचार

- बर्रा आठ में मार्केटिंग कंपनी के मैनेजर के घर वारदात, कैमरे की डीवीआर भी ले गए चोर

जिनका फुटेज वह अपने मोबाइल पर देखते हैं।

बीती एक फरवरी को अचानक सीसीटीवी ने काम करना बंद कर दिया। इस पर उन्हें संदेह हुआ, लेकिन काम की व्यस्तता के कारण लौट नहीं पाए। चार फरवरी को सुबह घर लौटे तो मेनगेट अंदर से बंद मिला। इस पर किसी तरह अंदर पहुंचे तो कमरों के ताले टूटे मिले और अलमारियों में सामान बिखरा था। सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर गायब थी। सतीश के अनुसार चोर अलमारी के लॉकर में रखे 5.25 लाख रुपये, सात जोड़ी चांदी की पायल, करीब 20 ग्राम सोने की चेन, कान के झुमके, टॉप्स, अंगूठियां और चांदी के सिक्के समेत करीब 15 लाख के जेवर ले गए हैं। गुजैनी थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर चोरी की रिपोर्ट दर्ज की गई है। चोरों का पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

नगर निगम की छवि धूमिल करने के आरोप में अवर अभियंता बर्खास्त

कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने 22 जनवरी को कर्रही निवासी शिकायतकर्ता रोहित कोच्चर से मोबाइल पर वार्ता की थी। रोहित ने घर के सामने स्ट्रीट लाइट काफी दिनों से बंद होने व ठीक नहीं किए जाने की शिकायत की थी, इसपर नगर आयुक्त ने शिकायत के निस्तारण के लिए मार्गप्रकाश विभाग को निर्देश दिए थे, लेकिन अवर अभियंता ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। लापरवाही बरतने के साथ नगर निगम की छवि धूमिल की, इस वजह से उन्होंने अभियंता को बर्खास्त कर दिया।

नगर आयुक्त के मुताबिक जोन-3 के अवर अभियंता अतुल सिंह ने शिकायतकर्ता से वार्ता की,

- नगर आयुक्त ने समस्या निस्तारण के दिए थे निर्देश अनसुनी की

जिसमें शिकायतकर्ता द्वारा समस्या बताये जाने पर अतुल सिंह ने खराब लाइट की फोटो व्हाट्सएप करने को कहा। जब शिकायतकर्ता ने खराब लाइट व्हाट्सएप की तो अतुल सिंह ने सही लाइट की भी फोटो भेजे जाने को कहा। शिकायतकर्ता ने उसी समय जो सही स्ट्रीट लाइटें थी, उनका जियोटैग फोटो भेजा। इसपर अतुल सिंह ने जो स्ट्रीट लाइटें प्रकाशित अवस्था में थी, उनका फोटो भेजते हुए प्रकरण का निस्तारण कर दिया, जबकि खराब स्ट्रीट लाइट की समस्या वैसे ही बनी रही। शिकायतकर्ता ने 31 जनवरी को जनसुनवाई पोर्टल के माध्यम से आईजीआरएस संदर्भ प्रस्तुत किया। नगर आयुक्त के संज्ञान में आने पर शिकायतकर्ता से उन्होंने

- पीड़ित की शिकायत पर झूठा निस्तारण दिखा दिया, अभद्रता भी की

छह फरवरी को वार्ता की, जिसपर पूरा मामला सामने आ गया। वहीं, शिकायतकर्ता ने बताया कि अतुल सिंह को फोन किया तो उन्होंने अपशब्दों का प्रयोग किया।

जानकारी पर नगर आयुक्त ने आउटसोर्स अवर अभियंता अतुल सिंह पर निर्देशों का उल्लंघन करने, अनुशासनहीनता, कार्य में लापरवाही व नगर निगम की छवि धूमिल करने पर तत्काल सेवा में पृथक करने के लिए सेवा प्रदाता को आदेश दिया। साथ ही शिथिल पर्यवेक्षण के लिए प्रभारी अधिकारी मार्गप्रकाश विद्या सागर के कारण बताओ नोटिस जारी किया।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

नई पहल | 15 फरवरी से चलेंगी गाड़ियां, स्पेशल ट्रेनें 204 फेरे लगाएंगी

होली पर ट्रेनों की भरमार, हर कोई घर पर मनाएगा त्योहार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। होली पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने कई विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। ये विशेष ट्रेनें 204 फेरे लगाएंगी इनमें 5 जोड़ी यानी कुल 10 विशेष ट्रेनें उत्तर मध्य जोन की हैं जो कुल 36 फेरे लगाएंगी। ये गाड़ियां 15 फरवरी से 31 मार्च 2026 के मध्य संचालित की जाएंगी।

उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि ये विशेष ट्रेनें कुल 204 फेरे उत्तर मध्य रेलवे के मार्ग से परिचालित होंगी जिससे आगरा, कानपुर, प्रयागराज और झांसी आदि स्टेशनो सहित अन्य स्टेशनों के यात्रियों को लाभ होगा। इन गाड़ियों में सफर करने के लिए आईआरसीटीसी की वेबसाइट और मोबाइल एप पर प्रारंभ हो चुकी है। यात्रा की विस्तृत जानकारी नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

सूबेदारगंज से गोविंदपुरी होते हुए बांद्रा तक ट्रेन: होली पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने सूबेदारगंज (प्रयागराज) से बांद्रा टर्मिनल सुपरफास्ट साप्ताहिक ट्रेन चलाने की घोषणा की है। इस गाड़ी में जनरल कोच 4, स्लीपर 6, एसी तृतीय 6, एसी द्वितीय 4, पार्सल के 2 डिब्बे होंगे। गाड़ी संख्या 04125 सूबेदारगंज से प्रातः 5.20 बजे रवाना होगी। फतेहपुर प्रातः 6.35 बजे, गोविंदपुरी (कानपुर) प्रातः 8 बजे, इटावा 9.48 बजे, ईदगाह (आगरा) दोपहर 12.35 बजे, बयाना दोपहर 2.43 बजे, सूरत रात 3.36 बजे, बांद्रा प्रातः 9.30 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 04126 बांद्रा से प्रातः 11.15 बजे रवाना होगी। सूरत दोपहर 2.31 बजे, रतलाम रात 9.30 बजे, बयाना प्रातः 5.03 बजे, फतेहपुर सीकरी प्रातः 5.49 बजे, टूंडला 6.55 बजे, इटावा 9.23 बजे, गोविंदपुरी दोपहर 12.50 बजे, फतेहपुर 1.58 बजे एवं सूबेदारगंज सायं 5 बजे पहुंचेगी।

कानपुर सेंट्रल से मुंबई तक स्पेशल ट्रेन

- गाड़ी सं. 04151/04152 : कानपुर सेंट्रल–लोकमान्य तिलक टर्मिनल
- गाड़ी संख्या 04101/04102 : प्रयागराज–लोकमान्य तिलक टर्मिनल
- गाड़ी सं. 04121/04122 : सूबेदारगंज–चरलापल्ली
- गाड़ी सं. 01922/01921 : वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी–पुणे
- गाड़ी सं. 01924/01923 : वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी–हड़पसर

कालका समेत कई गाड़ियों के नंबर बदले

कानपुर। रेलवे प्रशासन ने कालका-हावड़ा एक्सप्रेस समेत कई गाड़ियों के नंबर में परिवर्तन कर दिया है। ये जानकारी उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने दी।

- गाड़ी संख्या 12311 हावड़ा कालका एक्सप्रेस का 13 अप्रैल 2026 से नया नंबर 13051 होगा।
- गाड़ी संख्या 12312 कालका-हावड़ा एक्सप्रेस का 15 अप्रैल से नया नंबर 13052 होगा।
- गाड़ी संख्या 12327 हावड़ा-देहरादून का 14 अप्रैल से नया नंबर 13035 होगा।
- गाड़ी संख्या 12328 देहरादून-हावड़ा का 15 अप्रैल से नया नंबर 13036 होगा।
- गाड़ी संख्या 12370 देहरादून-हावड़ा का 14 अप्रैल से नया नंबपर 13038 होगा।
- गाड़ी संख्या 12331 हावड़ा-जम्मूतवी का 14 अप्रैल से नया नंबर 13041 होगा।
- गाड़ी संख्या 12332 जम्मूतवी-हावड़ा का 16 अप्रैल से नया नंबर 13042 होगा।

सिटी ब्रीफ

सेवानिवृत्त सफाईकर्मी से 60 हजार की ठगी

कानपुर। गोविंदनगर में सेवानिवृत्त सफाईकर्मी से साइबर शातिरों ने 60 हजार की ठगी की। रामआसरे नगर निवासी रामसेवक नगरनिगम से सफाईकर्मी के पद से सेवानिवृत्त हैं। उन्होंने बताया कि उनका खाता फजलगंज स्थित पीएनबी में है। शुक्रवार वह बैंक से पेंशन निकालने गए थे। तभी बैंककर्मी ने बताया कि खाते में सिर्फ 360 रुपये ही हैं। यह सुनकर वह हैरान रह गए। पीड़ित बुजुर्ग के अनुसार उन्होंने न कोई लिंक खोला और न ही किसी से ओटीपी साझा की। इसके बावजूद खाते से रुपये कैसे निकल गए। खाते से रुपये निकलने का उनके पास मैसेज भी नहीं आया। गोविंदनगर के अतिरिक्त प्रभारी अभय सिंह ने बताया कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

छात्रा को कार में खींचने का प्रयास

कल्याणपुर। रावतपुर में कोचिंग जा रही छात्रा से गाली-गलौज व मारपीट कर दबंगों ने उसे कार में खींचने का प्रयास किया। शोर मचाने पर दबंगों ने उसका मोबाइल छीनकर जमीन पर पटक दिया और मौके से भाग निकले। रावतपुर निवासी छात्रा बीते सप्ताह शाम कोचिंग जाने के लिए घर से नकली थी। तभी छपेड़ा पुलिया चौराहा के आगे कार सवार आफताब उर्फ मक्कू उससे छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने पर अपने साथी साहिल व सद्दाम के साथ आया और उससे गाली-गलौज कर मारपीट की।

एसआईआर में जमा हुए 2.20 लाख फार्म-6

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक में दी जानकारी

रिकॉर्ड आवेदन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के तहत 27 अक्टूबर 2025 से 5 फरवरी 2026 के बीच कुल 2,20,651 फार्म-6 प्राप्त हुए हैं। यह जानकारी शुक्रवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी गई। बैठक में फार्म-7 और फार्म-8 से संबंधित प्रक्रिया की जानकारी भी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ साझा की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि फार्म-6, फार्म-7 और फार्म-8 का पूरा ब्यौरा जिला निर्वाचन अधिकारी के पोर्टल पर उपलब्ध रहता है, जिसे कोई भी व्यक्ति कभी भी देख सकता है। फार्म-7 के संबंध में यह स्पष्ट किया गया कि आपत्तिकर्ता का हस्ताक्षर अनिवार्य है, वह उसी विधानसभा क्षेत्र का निवासी होना चाहिए और फार्म पर अपना एपिक नंबर दर्ज करना आवश्यक है।

बैठक में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से जुड़ी सुनवाई प्रक्रिया पर भी चर्चा हुई। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से फीडबैक लिया गया, जिस पर सभी ने सुनवाई की प्रक्रिया पर संतोष व्यक्त किया। बैठक में भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान की बैठक लेते जिलाधिकारी। अमृत विचार

भाजपा नेताओं ने की बैठक। अमृत विचार

ड्राफ्ट सूची के बाद विशेष अभियान में एक लाख नए मतदाताओं ने किया आवेदन

- **कानपुर।** ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद 7 जनवरी से 6 फरवरी तक युवाओं को मतदाता सूची से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान 1,05,721 फार्म-6 प्राप्त हुए, जो युवाओं की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। विधानसभा क्षेत्रवार आंकड़ों के अनुसार महाराजपुर से 17,541, कानपुर कैंट से 13,745, किदवई नगर से 12,415, कल्याणपुर से 13,019, बिल्हौर से 9,862, बिठूर से 7,932, गोविंद नगर से 9,218, सीसामऊ से 7,119 और घाटमपुर से 8,196 नए आवेदन मिले हैं।

एक अक्टूबर तक 18 वर्ष उम्र तो बन सकते मतदाता

- जिलाधिकारी के अनुसार 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा अभी भी मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए ऑनलाइन वोटर हेल्पलाइन एप के साथ-साथ ऑफलाइन मोड में वीआरसी केंद्रों पर फार्म-6 जमा करने की सुविधा उपलब्ध है। पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल करने का कार्य निरंतर प्रक्रिया है और इसके लिए किसी विशेष तिथि तक सीमित रहने की आवश्यकता नहीं है।

भाजपा ने किया एसआईआर अभियान की तिथि बढ़ाने का स्वागत

- **कानपुर।** चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर अभियान की अन्तिम तिथि एक माह बढ़ाकर 6 मार्च किए जाने के निर्णय का भाजपा ने स्वागत किया है। भाजपा उत्तर जिले की बैठक में अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने कहा कि चुनाव आयोग देश में निष्पक्ष स्वस्थ, और सुदृढ़ लोकतंत्र की स्थापना के लिए चाहता है कि सरकारें वास्तविक और पात्र मतदाता द्वारा चुनी जाएं। लेकिन अभी भी मतदाता सूची पूरी तरह से पवित्र नहीं हो पाई है। लाखों की संख्या में पात्र व्यक्ति मतदाता नहीं बन पाए हैं, और अपात्र, घुसपैठिए, रोहिंग्या मतदाता सूची से बाहर नहीं हो सके हैं। उन्होंने एसआईआर अभियान से जुड़े पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से कहा कि युद्ध स्तर पर इस अभियान में निरंतर सक्रिय रहना है और पात्र व्यक्तियों को मतदाता बनाकर अपात्रों को मतदाता सूची से बाहर करवाना है। बैठक में अवधेश सोनकर, जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा, जन्मेजय सिंह, अभिनव दीक्षित, सतेंद्र पांडेय, युवा मोर्चा अध्यक्ष शिवांग मिश्रा, आनंद मिश्रा, सीमा एमबीए, प्रमोद विश्वकर्मा, रोहित साहू, धीरज बाल्मीकि, दीपक सिंह, मनु गोयल, अनिरुद्ध सेंगर उपस्थित रहे।

बच्ची को टब में डालकर भागा शराबी बाप, मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **बच्ची की मौत पर मां ने ससुराल में किया हंगामा, पति समेत ससुरालियों पर आरोप**

अमृत विचार। रावतपुर में एक वर्षीय मासूम सृष्टि की मौत पर मां ने ससुराल पहुंचकर जमकर हंगामा किया। आरोप लगाया कि बच्ची को शराबी पति ने ठंडे पानी से भरे टब में डाल दिया। विरोध पर मारपीट कर भाग निकला। बीमार बच्ची ने एक माह चले इलाज के बाद शुक्रवार सुबह दम तोड़ दिया। हंगामे की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई का भरोसा दिया और शव पोस्टमार्टम भिजवाया। आरोपी फरार है, जबकि उसकी मां ने कहा कि दोनों किराए पर अलग रहते थे, वहां क्या हुआ इसकी जानकारी नहीं है। पीड़िता ने पति पर हत्या का आरोप लगाया है।

नवाबगंज के सूर्य बिहार निवासी रुचि ने 16 सितंबर 2024 को रावतपुर निवासी गोपाल से प्रेम से मंदिर में प्रेम विवाह किया था। रुचि के अनुसार वह काम करती थी और गोपाल ई-रिक्शा चलाता था। शादी के बाद से गोपाल घर में बैठकर शराब पीने लगा और जरा-जरा सी बात पर उसे पीटता। बेटी के पैदा होने के तीन माह बाद ही वह जरूरतों को देखते काम पर जाने लगी थी। रुचि के अनुसार उसने पति की हरकत सास आरती को बताई तो प्रेम विवाह की बात कह किनारा कर लिया। वह किराये पर रहने लगे। रुचि ने बताया कि बीते माह पति से कहा कि बेटी के लिए दूध ले आओ। इस पर उसने कड़ाके की ठंड में बेटी को पानी के टब में डाल दिया और भाग गया। बेटी की तबियत बिगड़ने पर वह अस्पताल ले गई।

करीब एक माह तक इलाज चला, लेकिन पति देखने तक नहीं आया और शुक्रवार सुबह बेटी ने दम तोड़ दिया। रुचि ने बताया कि वह बेटी को लेकर ससुराल मसवानपुर पहुंची और पति व ससुरालियों पर प्रताड़ना, बेटी को पानी में डुबोने का आरोप लगाकर हंगामा किया। रुचि का आरोप है कि सास, ननद व देवर ने मिलकर उसे ससुराल में रहने नहीं दिया। प्रताड़ित कर भगा दिया। रावतपुर थाना प्रभारी कमलेश राय ने बताया की तहरीर के आधार पर जांच व कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी देती रुचि व उसकी मां।

लापता छात्र का चंदारी ट्रैक पर पड़ा मिला शव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **कोयलानगर स्वर्ण जयंती विहार का था युवक, परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताई**

24 घंटे दिन-रात खोजबीन करते रहे परिजन, एकलौते बेटे की मौत पर मचा कोहराम

अमृत विचार। कलक्टरगंज से लापता बारहवीं के छात्र का शव चंदारी रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर मिला। मौके पर पहुंचे घरवालों ने शव की शिनाख्त की। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताई है। जीआरपी जांच कर रही है।

चकेरी के कोयलानगर स्वर्ण जयंती विहार निवासी राकेश शर्मा प्राइवेट नौकरी करते हैं। उनका 19 वर्षीय एकलौता बेटा शुभम मां कामाख्या कामदगिरि इंटर कालेज से बारहवीं का छात्र था। परिवार में पत्नी किरन और दो बेटियां शिखा व अवंतिका हैं। चाचा शैलेश ने बताया कि शुभम पढ़ाई के साथ कलक्टरगंज स्थित एक गुब्बारे की दुकान में काम करता था। बुधवार को ड्यूटी खत्म करके वह शाम आठ बजे दुकान से निकला था। परिजनों के अनुसार शुभम सीधा घर आता था, लेकिन पहली बार वह बिना बताए देर रात तक घर नहीं पहुंचा। फोन भी नहीं उठा। इसके बाद रात 12 बजे के बाद उसका मोबाइल भी स्विचऑफ बताने लगा। परिजन गुरुवार को दिनभर भी उसकी तलाश में जुटे रहे, लेकिन उसके बारे में कोई खबर नहीं मिली। शाम को घरवाले उसे खोजते हुए सेंट्रल स्टेशन पहुंचे तो जीआरपी ने एक युवक का शव चंदारी स्टेशन के पास मिलने की खबर दी। इस पर परिजन मौके पर पहुंचे और शव देखकर फफक पड़े। एकलौते बेटे का शव देखकर घरवाले बेसुध हो गए। परिजनों के अनुसार यह हादसा नहीं, उनके बेटे के साथ अनहोनी हुई है।

विवि के 67 छात्रों ने क्वालीफाई किया नेट

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के 67 छात्रों ने यूजीसी नेट (राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा) क्वालीफाई की है। जिसमें 5 छात्रों को जेआरएफ मिला है। डीन एकेडमिक प्रो. बृष्टि मित्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर के अटल बिहारी वाजपेई स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज के 9, फूड टेक्नोलॉजी के 1,शारीरिक शिक्षा के 6, शिक्षा विभाग के 16, यूआईटी के 3, स्कूल ऑफ आर्ट्स ह्यूमैनिटी के 5,स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के 4,हेल्थ साइंस के 1,स्कूल ऑफ लैंग्वेजेस के 22 छात्र शामिल है। इसमें 5 छात्रों ने जेआरएफ में भी सफलता हासिल की है। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि यह छात्रों की कठिन परिश्रम का परिणाम है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

नगर निगम में बैठक करते नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय। अमृत विचार

स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 की तैयारियों पर चर्चा

कानपुर। नगर निगम मुख्यालय में शुक्रवार को नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने स्वच्छ सर्वेक्षण-2025-26 की तैयारियों को दृष्टिगत रखते हुये निगम के सभी अधिकारियों के साथ एक बैठक व कार्यशाला आयोजित की। इसका मुख्य उददेश्य पूर्व में हुये स्वच्छ सर्वेक्षण में संकेतकवार प्रमुख बिन्दुओं पर चर्चा की। बीते वर्ष में जिन बिन्दुओं पर अपेक्षा से कम अंक प्राप्त हुये उसकी कार्ययोजना बनाते हुये सुधार करने के निर्देश दिये। नगर आयुक्त ने मुख्य रूप से शहर के सौन्दर्यीकरण, साफ-सफाई, सार्वजनिक व सामुदायिक शौचालयों को दुरुस्त करने के निर्देश दिया। येलो स्पॉट को कम करने के लिए स्मार्ट सिटी द्वारा बनाये गये मूत्रालय को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन व सोर्स सेग्रीगेशन को और बेहतर ढंग से करने के लिए व जन-जागरूकता फैलाने के लिए टोकोगे तो रोकोगे अभियान चलाने के निर्देश दिए।

रेस्टोरेंट में परोसा बासी खाना विरोध पर राड-डंडे से हमला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **चाट चौराहा स्थित द लाइन लाज रूफटाप में बर्थडे मनाने पहुंचे थे दोस्त, तीन का सिर फटा, एक का हाथ टूटा**
- **हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज, रेस्टोरेंट संचालक व मैनेजर को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल**

अमृत विचार। स्वरूपनगर स्थित द लाइन लायज रूफटाप रेस्टोरेंट में ग्राहकों को बासी खाना परोसा गया। जिसका विरोध जताने पर रेस्टोरेंट संचालक, मैनेजर व कर्मचरियों ने मिलकर ग्राहकों पर हमला बोल दिया। लोहे की राड, डंडे से ग्राहकों को जमकर पीटा। गंभीर हालत में घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर आरोपी संचालक व मैनेजर को जेल भेजा है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि पुलिस ने एससीएसटी की धारा नहीं लगाई है।

काकादेव के लोहारन भट्ठा निवासी आकाश पासवान ने बताया कि बुधवार देर रात वह अपने दोस्त शिवम कटियार का जन्मदिन मनाने रेस्टोरेंट गए थे। उनके साथ बृजमोहन कुशवाहा, कृष्णम द्विवेदी और विक्रांत यादव तीन मित्र और थे। सभी स्वरूपनगर चाट चौराहा स्थित द लाइन लायज रूफटाप रेस्टोरेंट पहुंचे। दोस्तों के साथ रेस्टोरेंट की तीसरी मंजिल पर खाना खा रहे थे, तभी उन्हें परोसा गया खाना बासी लगा। इसकी शिकायत उन्होंने मैनेजर दीपांकर से की। आरोप है कि खाना चिपचिपा रहा था, इस बताते ही दीपांकर भड़क गए और गाली-गलौज करने लगे। संचालक व अन्य आठ-दस कर्मचारियों को बुला लिया। सभी ने धक्कामुक्की करते हुए खींच लिया और रेस्टोरेंट के अंदर ले जाकर लोहे की राड, डंडे से पीटना शुरू कर दिया। मारपीट में बृजमोहन कुशवाहा, विक्रांत यादव व कृष्णम द्विवेदी का सिर फट गया। उसकी आंख में गंभीर चोटें आईं। आकाश के अनुसार उसके दाएं हाथ में फ्रेक्चर हो गया। पीड़ित युवकों की सूचना पर स्वरूपनगर पुलिस पहुंची और सभी घायलों को हैलट में भर्ती कराया। एडीसीपी सेंट्रल अर्चना सिंह ने बताया कि पीड़ित युवक की तहरीर पर होटल संचालक, मैनेजर व कर्मचारियों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। दो को जेल भेजा गया है। जांच के बाद एससीएसटी एक्ट की धारा बढ़ाई जाएगी।

सेवानिवृत्त डिप्टी एसपी को रौंदा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **गुजैनी फ्लाईओवर पर डंपर ने पीछे से मारी बाइक में टक्कर**

मनीराम राव।

अमृत विचार। गोविंदनगर में गुजैनी फ्लाईओवर पर सेवानिवृत्त डिप्टी एसपी की बाइक में तेज रफ्तार मिक्सचर मशीन डंपर ने टक्कर मार दी। जबरदस्त टक्कर से उछलकर गिरे डिप्टी एसपी की मौके पर मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर भाग निकला। हादसे की खबर पाकर परिजनों में कोहराम मच गया। डिप्टी एसपी कानपुर देहात स्थित रसूलाबाद गांव से चकेरी घर के लिए निकले थे। चकेरी के सिद्धार्थनगर रामपुरम सेतु-वन निवासी 72 वर्षीय मनीराम राव पुलिस विभाग से डिप्टी एसपी के पद से सेवानिवृत्त थे। परिवार में पत्नी माधुरी, दो बेटे प्रवीन व प्रदीप हैं। प्रवीन यूनियन बैंक में प्रबंधक और प्रदीप घाटमपुर में लेखपाल के पद पर कार्यरत हैं। प्रदीप ने बताया कि पिता गुरुवार को काम के सिलसिले में कानपुर देहात स्थित रसूलाबाद गांव गए थे। रात वहां बिताने के बाद शुक्रवार को पिता बाइक से घर लौट रहे थे। परिजनों के अनुसार गुजैनी पुल पर पीछे से आए डंपर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। पिता उछलकर दूर जा गिरे और मिक्सर की चपेट में आकर उनकी मौके पर ही मौत हो गई। गोविंदनगर थानाप्रभारी ने बताया कि चालक के बारे में पता किया जा रहा है।

भाजपा सांसद विधायक दिखाएंगे 'गोदान' फिल्म

कानपुर। गौरक्षा एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित फिल्म 'गोदान' को लेकर भाजपा ने विशेष अभियान प्रारंभ किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी सांसद एवं विधायक अपने-अपने जिलों में कार्यकर्ताओं को सिनेमाघरों में 'गोदान' फिल्म दिखाएंगे। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने बताया कि कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि अपने स्तर से टिकट क्रय कर कार्यकर्ताओं को नि:शुल्क फिल्म दिखाएंगे। गोदान फिल्म प्रदेश के विभिन्न सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

जूही में ट्रेन से उतरने में गिरा यात्री, घायल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जूही स्थित जीएमसी क्षेत्र में थ्रू पास हो रही गाड़ी संख्या 12312 नेता जी एक्सप्रेस से उतरते समय एक यात्री का पैर फिसल गया जिससे उसके पैर में गंभीर चोट आई। घायल यात्री को रेलवे सुरक्षा बलों ने हॉस्पिटल में भर्ती कराया है।

बर्रा पांच मकान नंबर 31 निवासी अनुराग गौतम ट्रेन से उतरते समय बुरी तरह घायल हो गये। आरपीएफ की टीम ट्रैक पर जब गश्त कर रही थी तो घायल को कराहते हुए रेलवे की पटरी किनारे देखा। रेलवे सुरक्षा बल के उप निरीक्षक उदय शंकर तिवारी, हेड कांस्टेबल गोपीचंद एवं कांस्टेबल सजनेश कुमार ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। उसके परिजन पहुंच गए हैं।

घायल यात्री को अस्पताल ले जाया गया। अमृत विचार

कार्रवाई | 16 बीघा क्षेत्रफल में की गई अवैध प्लाटिंग का ध्वस्तीकरण

बैराज क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बिठूर व नवाबगंज थाना क्षेत्र में की गई अवैध प्लाटिंग व निर्माण पर शुक्रवार को केडीए का बुलडोजर चला। केडीए ने लगभग 16 बीघा क्षेत्रफल में ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की। इसके अलावा नवाबगंज, बिठूर व कल्यानपुर थाना क्षेत्र में की गई आठ बीघा अवैध प्लाटिंग को चिन्हित किया। केडीए अधिकारियों के मुताबिक इन पर भी जल्द कार्यवाही की जाएगी।

प्रवर्तन जोन-1बी के विशेष कार्याधिकारी व उपजिलाधिकारी डॉ.रवि प्रताप सिंह के मुताबिक ग्राम ख्यौरा कटरी, गंगा बैराज से मंधना मोड पर दाएं तरफ राहुल व रोहित समेत अन्य ने लगभग 7.5 बीघा अवैध व अनाधिकृत प्लाटिंग की। बिना प्राधिकरण से तलपट मानचित्र स्वीकृत कराये व अनुज्ञा प्राप्त किये विकसित की जा रही प्लाटिंग के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई। ग्राम-ज्यौरा, आजाद नगर, गंगा बैराज से सिंहपुर रोड में महेश, कौशल, दीपचन्द्र, रजनी देवी, अवध बिहारी, कुंज बिहारी, गंगा प्रसाद, कौशल गुप्ता, सर्वेश, रोहित व अन्य द्वारा लगभग 8.5 बीघा पर अवैध व अनाधिकृत प्लाटिंग पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी। यहां भी प्राधिकरण से तलपट मानचित्र स्वीकृत नहीं था और बिना अनुज्ञा प्राप्त किये प्लाटिंग विकसित की जा रही थी। दोनों जगहों पर इन्ट्रीगेट, रोड, नाला, बाउण्ड्रीवाल, बिजली के खम्भे, पिलर, निर्मित, अर्द्धनिर्मित व निर्माणाधीन भवन व सभी निशानदेही को तीन जेसीबी से ध्वस्त किया गया। बताया कि इस कार्यवाही के अलावा नवाबगंज, कल्यानपुर व बिठूर थाना के अंतर्गत स्थित ग्रामों की लगभग आठ बीघा क्षेत्रफल की अवैध, अनाधिकृत निर्माण व प्लाटिंग को चिन्हित किया जा चुका है। यहां पर जल्द ही सीलिंग व ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की जाएगी। कार्यवाही के दौरान अवर अभियन्ता हिमांशु बर्नवाल, सुपरवाइजर अनिल शर्मा, राम औतार, मनोज, राज कुमार, लाल सिंह व बिठूर थाने का पर्याप्त पुलिस बल मौजूद रहा।

अवैध प्लाटिंग ध्वस्त करता केडीए का बुलडोजर। अमृत विचार

शराब के रुपये न देने पर पीटा, लूटा

कानपुर। चकेरी के लाल बंगला में ई-रिक्शा चालक से आरोपियों ने मारपीट की। आरोप है कि शराब के लिए रुपये मांगते का विरोध करने पर उसे पीटकर 4500 रुपये लूट लिए। पीड़ित ने कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। लाल बंगला निवासी विकास सोनकर के अनुसार वह ई-रिक्शा चालक हैं। बीती तीन सितंबर की रात 11 बजे वह अपना रिक्शा लेकर घर जा रहे थे। तभी इलाके के आरोपी विशाल साहू, आशू साहू समेत सात अज्ञात लोगों ने उन्हें रास्ते में रोका और शराब के लिए रुपये मांगे। विरोध किया तो आरोपियों ने मारापीटा और जेब में पड़े 4500 रुपये लूट ले गए। थाने में शिकायत पर कार्रवाई नहीं हुई तो कोर्ट की शरण ली। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। कार्रवाई की जाएगी।

बूथ पर फार्म भरवाते महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर व वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव व अन्य। अमृत विचार

सपा ने पांच विधानसभा क्षेत्रों में भरवाए 40 हजार फार्म-6

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नवीन मार्केट में शुक्रवार को सपा के पीडीए प्रहरियों की बैठक हुई, जिसमे नगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि छह फरवरी को महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर व वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव ने गोविंद नगर, कैंट, आर्यनगर, सीसामऊ व किदवई नगर क्षेत्रों के बूथों पर पहुंच कर फार्म 6 भरवाये और कुछ फार्म 8 भी भरवायें। सपा ने पांचों विधानसभा में 40 हजार से अधिक फार्म 6 भरवाकर मतदाताओं को जोड़ने का अभियान चलाया है। 27 फरवरी तक नये मतदाताओं को जोड़ने का अभियान जारी रहेगा। छात्रों को कालेजों में फार्म 6 भरवाया जाएगा। इस दौरान प्रदेश सचिव केके शुक्ला, महासचिव संजय सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव, महेंद्र सिंह, अर्पित त्रिवेदी, दीपक खोटे, शिवकुमार , हुकुम सिंह, सुभाष द्विवेदी, सुधांशु मिश्रा,अरशद समेत आदि रहे।

सिटी ब्रीफ

वेलेंटाइन डे अश्लीलता का दूसरा नाम-पर्सनल ला बोर्ड

कानपुर। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वेलेंटाइन डे को अश्लीलता का दूसरा नाम बताते हुए इससे दूर रहने की हिदायत दी है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के मौलाना अब्दुल रशीद तलहा नोमानी ने बोर्ड के सोशल मीडिया पर अपनी एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि वेलेंटाइन डे का जश्न धार्मिक, नैतिक, सामाजिक रुप से गलत और निषिद्ध है। इस्लाम न केवल बुराई को समाप्त करता है बल्कि बुराई की ओर जाने वाले प्रत्येक मार्ग को भी हतोत्साहित करता है। मौलाना ने कहा कि याद रखें कि हमारी भावी पीढ़ियों के सम्मान और हया (विनय) का अस्तित्व केवल इस्लाम की प्रबुद्ध शिक्षाओं पर निर्भर करता है। इसलिए हमें अपने समाज से सभी गैर इस्लामी, अनैतिक और अप्राकृतिक रुढ़ियों का समापन करना होगा। एक गुणवान समाज को अस्तित्व में लाने के लिए प्रयत्नशील रहना होगा।

एक हफ्ता बीता, नहीं सुधारी सड़क

कानपुर। उद्योग-व्यापार मंडल की बैठक में जिलाधिकारी के निर्देश के बावजूद दादानगर-विजय नगर रोड नहीं सुधारी गई है। बैठक में इसे एक सप्ताह में बनाने का आश्वासन दिया गया था लेकिन 10 दिन बीत गए कुछ नहीं हुआ। यहां मेट्रो के काम के कारण आधी सड़क खोद कर गिट्टी डाल दी गई है। सड़क ऊबड़ खाबड़ है।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देश पर जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में खोली जानी है पानी जांचने वाली लैब, धन मिलने की उम्मीद

29 करोड़ की दरकार, जहरीले पानी से हजारों बीमार

यूपी बजट-2026

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मेडिकल कॉलेज 29.5 करोड़ का प्रस्ताव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के महानिदेशक को भेज चुका है

अमृत विचार। 11 फरवरी को पेश होने वाले यूपी बजट-2026 में इस बात की प्रबल उम्मीद है कि शहर में पानी की जांच के लिए लैब को धनराशि आवंटित की जा सकती है। कानपुर शहर और देहात के भूजल में भारी धातुओं का प्रदूषण चिंताजनक होने के कारण नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने पानी जांचने वाली लैब खोलने के निर्देश पहले ही दे रखे हैं। यह लैब जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में खुलनी है।

कॉलेज प्रशासन ने लैब की स्थापना के लिए 29.5 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार करके चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के महानिदेशक को भेजा है। लैब के लिए आधुनिक उपकरणों के साथ दो साइंटिस्ट व दो लैब टेक्निशियन की भी मांग की गई है। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला ने बताया कि यह लैब खुलने से शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में पानी में कॉपर, कैडमियम, आर्सेनिक, क्रोमियम, मरकरी, लेड, कोबाल्ट जैसी धातुओं के उपस्थित होने और उनकी मात्रा की स्पष्ट जांच हो सकेगी। इसके साथ ही कानपुर समेत गंगा किनारे स्थित 10 जिलों में भी पानी की जांच शासन के निर्देश पर की जा सकेगी। इससे लखनऊ के केजीएमयू और राममनोहर लोहिया चिकित्सा संस्थान में जांच के लिए पानी के नमूने भेजने और रिपोर्ट का इंतजार करने की दिक्कत समाप्त हो जाएगी। पानी के साथ ही इस लैब में बीमार लोगों की जांच करके खून में धातुओं की मात्रा भी जांची जाएगी।

शहर के नए इलाकों में घुल रहा पानी में जहर: शहर के पानी में भारी धातुओं का प्रदूषण राखी मंडी, अफीम कोठी और जूही बम्बुरिया जैसे पुराने क्षेत्रों से आगे निकलकर गंगागंज पनकी, स्वराज नगर, रतनपुर कॉलोनी, तेजाब मिल कैंपस, मैकू पुरवा, रूमा और किशनपुर जैसे एक दर्जन से अधिक नए इलाकों में फैल चुका है।

लोगों के खून तक पहुंचा क्रोमियम, लेड व मरकरी

- नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देश पर जाजमऊ और रूमा क्षेत्र से लिए गए 233 लोगों के खून के सैंपल की जांच में 215 की रिपोर्ट में हानिकारक तत्वों के साथ क्रोमियम, लेड और मरकरी मिलने का खुलासा हुआ है। ऐसे लोग उल्टी-दस्त, डायरिया, लिवर और किडनी के मरीज हैं। खून के यह नमूने 19 से 29 जनवरी के बीच एकत्र करके जांच के लिए राम मनोहर लोहिया संस्थान, लखनऊ भेजे गए थे। अभी छह अन्य स्थानों तेजाब मिल कैंपस, राखी मंडी, जूही बंबुरहिया, पनकी गंगागंज, रतनपुर कालोनी और स्वराज नगर की रिपोर्ट सामने आनी है। ट्रिब्यूनल की टीम इन क्षेत्रों से भूजल के सैंपल पहले ही ले चुकी है।

एमएसएमई सेक्टर को मिल सकती सहूलियत, विकास पर रहेगा जोर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर के उद्यमियों ने इस बार प्रदेश के बजट से उम्मीद जताई है। शहर के औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित छोटे उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की संभावना भी जतायी है। इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में सुविधाएं व उद्योग को सहूलियत दिए जाने पर भी सलाह दी है। बोले औद्योगिक शहर में छोटे उद्योग उद्योग में रीढ का काम करती है। ऐसे में उन्हें सहूलयित देकर बढ़ाए जाने की जरूरत है। उनका कहना है कि टैक्स में छूट के साथ ही राज्य स्तर की योजनाओं का लाभ लेने में सहूलियत बढ़नी चाहिए। औद्योगिक क्षेत्र के इंफ्रास्ट्रक्चर को भी बेहतर किए जाने संबंधी काम के तेज होने की जरूरत है जिसका प्रावधान बजट में होना चाहिए।

एमएसएमई सेक्टर में सहूलियत दिए जाने से शहर के औद्योगिक स्वरूप में और अधिक धार आएगी। नए उद्यमी भी तेजी से उभर कर निकलेंगे। जिससे भविष्य में औद्योगिक स्वरूप का और अधिक विस्तार हो सकेगा। इस बार राज्य बजट से हम लोगों को काफी उम्मीद है।

– मनीष मखीजा, उद्यमी

बजट में इस बार ओडीओपी को प्रोत्साहित करने की योजनाओं में और अधिक सहूलियत जुड़ने की उम्मीद है। यदि ऐसा होता है शहर का एक बड़ा वर्ग इस सुविधा से जुड़ सकता है। इसके लिए महिला उद्यमियों को भी और अधिक सहूलियत दिए जाने के प्रावधान हो सकते हैं।

– वर्तिका विश्नोई, उद्यमी

उद्योग में महिला उद्यमियों के लिए सहूलियत बढ़नी चाहिए। खासतौर पर उन लोगों को सब्सिडी के दायरे में और अधिक लाने की जरूरत है। इससे महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन मिल सकेगा। वे अपने उद्योग को और अधिक आगे बढ़ा सकेंगी।

– कनिका वर्मा, उद्यमी

शहर का एमएसएमई सेक्टर अधिकतर निर्यात कारोबार से जुड़ा हुआ है। केंद्रीय बजट में निर्यात को लेकर काफी कुछ दिया गया है। अब एमएसएमई सेक्टर को सुविधाएं मिलने से शहर के उद्योग को राहत मिलेगी। नए छोटे उद्योग पनप सकेंगे।

– नवीन परवानी, उद्यमी

धोखाधड़ी कर 90 लाख हड़पे, रिपोर्ट

कानपुर। नवाबगंज में दंपती व उसकी सास ने कूटरचित दस्तावेजों से पीड़ित से 90 लाख की धोखाधड़ी की। पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रेमकुंज अपार्टमेंट निवासी राजीव अवस्थी ने बताया कि दोस्त प्रदीप कुमार अवस्थी व उनकी पत्नी नीलम अवस्थी पोस्ट ऑफिस के अभिकर्ता के रूप में उनके परिवार के सदस्यों का काम देखते हैं। वर्ष 2012 में प्रदीप की तबीयत खराब होने पर उसने अपने बेटे आशीष से मुलाकात कराई। वह पिता के साथ काम देखता था। 2015 में प्रदीप की मौत के बाद आशीष अपनी पत्नी अनुजा व मां नीलम के साथ काम संभालने लगे। आरोप है कि वह उनसे हर हफ्ते आरडी, किस्त एमआईएस व किसान विकास पत्र के मामले में पैसे लेते रहे। सभी के पासबुक व दस्तावेज अपने पास रखते। 2022 में उन्हें रुपये की जरूरत हुई तो उन्होंने आशीष, अनुजा व नीलम से पैसा निकालने को कहा। इस पर टालमटोल करने लगे। जब वह पोस्ट ऑफिस पहुंचे तो कूटरचित दस्तावेजों से रकम निकालने की जानकारी हुई। आरोप है कि तीनों ने करीब 90 लाख की धोखाधड़ी की है। उन्होंने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। नवाबगंज थाना प्रभारी ने बताया कि तीनों आरोपी व पोस्ट ऑफिस अधिकारी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

कर्मचारियों ने पैदल मार्च निकाला। अमृत विचार

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के पदाधिकारी कत्ल के लायक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सोशल मीडिया पर पदाधिकारियों की हत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया
- मंच के प्रांत प्रचारक ने कार्रवाई के लिए पुलिस आयुक्त को ज्ञापन सौंपा

अमृत विचार। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की विंग मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के प्रांत संयोजक अशफाक सिद्दीकी ने पुलिस आयुक्त को शिकायती ज्ञापन सौंपा है जिसमें कहा है कि सोशल मीडिया पर मंच के पदाधिकारियों की हत्या के लिए लोगों को उकसाया जा रहा है। ये कहा जा रहा है कि मंच के पदाधिकारी वाजिबुल कत्ल हैं यानी कत्ल करने लायक हैं। मांग की गई है कि लोगों को उकसाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए।

शुक्रवार को एक यू ट्यूब पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के प्रांत संयोजक का चित्र दिखाते हुए आरोप लगाया गया कि बिल्डर से रंगदारी मांग रहे हैं जिसको लेकर सुबह से ही मुस्लिम क्षेत्रों में हड़कंप मचा है।

मंच के प्रांत संयोजक ने पुलिस आयुक्त को प्रार्थना-पत्र सौंपते हुए आरोप लगाया कि सोशल मीडिया के माध्यम से मंच के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के विरुद्ध सुनियोजित तरीके से दुष्प्रचार, धमकी, नफरत फैलाने और सामाजिक बहिष्कार हेतु उकसाने का संगठित षड्यंत्र चलाया जा रहा है। शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि (यूट्यूबर/सोशल मीडिया संचालक) एवं एक अन्य द्वारा मंच के कार्यकर्ताओं को "गद्दार"कहकर बदनाम किया जा रहा है तथा सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार झूठे, तथ्यहीन एवं भड़काऊ आरोप फैलाकर समाज में वैमनस्य उत्पन्न करने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रांत संयोजक अशफाक सिद्दीकी का कहना है कि कहा जा रहा है कि शरीयत के हिसाब से मुस्लिम राष्ट्रीय मंच से जुड़े लोग वाजिबुल कत्ल हैं यानी इन्हें मार देना चाहिए या ये कहें कि इन्हें खत्म कर देना चाहिए। यह बयान अत्यंत आपत्तिजनक, गैरकानूनी एवं गंभीर आपराधिक प्रकृति का है, जिससे मंच के पदाधिकारियों की जान को सीधा खतरा उत्पन्न हो गया है।

पुलिस कमिश्नर से मंच की मांग

- यू ट्यूबर एवं एक अन्य आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए।
- साइबर सेल द्वारा उनके सोशल मीडिया कंटेंट की जांच कराई जाए।
- यदि किसी प्रकार का फंडिंग नेटवर्क या संगठित गिरोह सक्रिय है तो उसकी भी निष्पक्ष जांच हो।
- निजी जानकारी वायरल कर धमकाने वाले अन्य लोगों को भी चिन्हित कर कार्रवाई की जाए।
- संबंधित सोशल मीडिया अकाउंट/चैनल पर आवश्यक कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।
- मंच के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की सुरक्षा के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था प्रदान की जाए।

प्रमुख सचिव से मिलते व्यापारी नेता। अमृत विचार

प्रतिनिधिमंडल ने की सचिव से मुलाकात

कानपुर। उत्तर प्रदेश वैश्य-व्यापारी महासभा का प्रतिनिधि मण्डल उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव राज्य कर कामिनी रतन चौहान व आयुक्त राज्य कर नितिन बंसल से मिला। प्रतिनिधि मंडल ने सात सूत्रीय मांग-पत्र ज्ञापन भी सौंपा। सभी सातों बिन्दुओं पर चर्चा हुई। इस दौरान अधिकारियों ने शीघ्र समाधान के लिए आश्वासन दिया। कोरोना काल में सभी प्रतिष्ठान संस्थान बन्द रहे। इस अवधि का प्रकरण विभाग में लम्बित है। इस अवधि का राज्य कर पूर्णतया कर-मुक्त घोषित किए जाने की मांग उठाई गई। प्रतिनिधि मण्डल में सत्य प्रकाश गुलहरे, प्रदेश अध्यक्ष, राजेश चन्द्र अग्रवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष, दीपक अग्रवाल पार्थ क्षेत्रीय अध्यक्ष, अनुज रस्तोगी महामंत्री, ममता गुप्ता प्रदेश अध्यक्ष महिला, दीपक साहू प्रदेश मंत्री युवा मौजूद रहे।

डीआईओएस को हटाने के लिए पैदल मार्च किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कर्मचारी को गाली दिए जाने का मामला पकड़ा तूल
- वेतन न मिलने से भी नाराज शिक्षक अब बताएंगे पीड़ा

अमृत विचार। जिला विद्यालय निरीक्षक को हटाए जाने की मांग को लेकर शुक्रवार को शिक्षकों व कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। शिक्षक वेतन न मिलने व अन्य मांगों को लकर भी नाराज दिखे। शिक्षकों ने जिलाधिकारी को संबोधित एक ज्ञापन भी दिया।

वेतन न मिलने से नाराज शिक्षक ने कानपुर से लखनऊ के लिए पैदल यात्रा की शुरुआत की। प्रदर्शन की शुरुआत शिक्षक ने फूलबाग स्थित गांधी प्रतिमा से की। प्रदर्शन में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर संघ के पदाधिकारीयों ने जिलाधिकारी के प्रतिनिधि को ज्ञापन भी दिया। डीआईओएस की ओर से विभाग के एक कर्मचारी को गाली दिए जाने से नाराज कर्मचारियों व शिक्षकों ने शुक्रवार को मार्च शुरू कर दिया।

प्रदर्शनकारी कर्मचारी रुके हुए शिक्षकों को वेतन जारी करने सहित अन्य मांग कर रहे थे। शिव बहादुर यादव, इख्तियार अहमद, अफजाल सुरेंद्र यादव, अहमद, अखिलेश अनहोत्री, पंकज कुमार, रितेश सचान, अशोक तिवारी, राम भवन, उमेश चंद्र, सुरेश कुमार, पंडित जितेंद्र वाल्मीकि, पवन त्रिपाठी सहित अन्य मौजूद रहे।

जूही लाल कॉलोनी को खाली नहीं होने देंगे, कांग्रेस ने चौपाल लगाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मलिन बस्ती में चौपाल लगाकर कांग्रेस ने बस्ती वालों को भरोसा दिया
- दलित, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न करने का आरोप लगाया गया

अमृत विचार। कानपुर दक्षिण के 56 चौराहा, जूही लाल कॉलोनी बस्ती में दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज के लोगों को प्रशासन जबरन हटाने की तैयारी कर रहा है लेकिन कांग्रेस बस्तीवासियों के साथ है और गरीबों के सिर से छत छीनने नहीं देगी।

शुक्रवार को कानपुर महानगर कांग्रेस द्वारा जूही लालकालोनी मलिन बस्ती के निवासियों को न्याय दिलाने के लिए जूही लाल कॉलोनी व मलिन बस्तियों में चौपाल लगाई। महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता की अध्यक्षता में चौपाल लगाई गई और बस्ती वालों की पीड़ा को सुना और समझा। प्रशासन द्वारा हो रहे अन्याय को पक्षपाती बताते हुए इसके खिलाफ हर कानूनन लड़ाई लड़ने की घोषणा की। महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता, विकास अवस्थी, हरीश बाजपेई, नरेश पाठक ,मोहित दीक्षित, मनोज वाल्मीकि, कमलाकांत तिवारी, मुकेश दुबे, राजेश गौतम, राकेश साहू, राम शंकर राय, विनोद अवस्थी रहे।

सिटी डायरी

एनएलके अकादमी में समारोह का आयोजन हुआ। अमृत विचार

प्रथम बैच का विदाई समारोह

कानपुर। एनएलके अकादमी, मंधना में क्लास 12 प्रथम बैच के 89 बच्चो की फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। इस आयोजन को क्लास 11 के बच्चो ने अपने शिक्षकों के माध्यम से आयोजित किया। इस अवसर पर कई रंगारंग कार्यक्रमो की प्रस्तुति अकादमी स्थित ऑडिटोरियम में की गयी। अकादमी की एसोसिएट डायरेक्टर डॉ रूचि सेठ, प्रधानाचार्य अमिता कालरा, उपप्रधानाचार्य श्याम लुंगाणी ने बच्चो को आने वाले भविष्य के लिए शुभकामनाये दी।

फिल्म भाभी जी घर पर हैं का पोस्टर।

सोरो डिशवाश बना ब्रांड पार्टनर

कानपुर। निर्देशक शशांक बाली द्वारा निर्देशित फिल्म भाभी जी घर पर हैं और विदिशा डिटर्जेंट के उत्पाद सोरो डिशवाश के बीच ब्रांड पार्टनरशिप का करार हुआ है। 6 फरवरी को रिलीज़ हुई। यह फिल्म टीवी पर अपार लोकप्रियता हासिल कर चुके शो भाभी जी घर पर हैं, अब बड़े परदे पर दर्शको को हंसी और मनोरंजन का डबलडोज़ देने आ चुके हैं। जिसमे लोकप्रिय मुख्य किरदार शुभांगी अत्रे, आसिफ शेख, रोहिताश्व गौड़ और विदिशा श्रीवास्तव मज़ेदार डायलॉग्स के साथ भरपूर कॉमेडी और ड्रामा करते नज़र आएंगे । इस दौरान निदेशक कमल कटारिया ने कहा कि मूवी प्रमोशन के इस खास मौके पर पूरा केयर डिटर्जेंटस परिवार बेहद उत्साहित है। सोरो डिशवाश बार और भाभी जी घर पर हैं का यह को-ब्रांडेड विज्ञापन प्रिंट, टेलीविज़न, आउटडोर और डिजिटल मीडिया के माध्यम से देशभर में व्यापक स्तर पर प्रचारित किया जा रहा है।

राजीव निगम।

8 को राजीव निगम का शो शहर में

कानपुर। हास्य व व्यंग्य कलाकार राजीव निगम का 'बहुत हुआ सम्मान' का आयोजन 8 फरवरी, रविवार को मर्चेन्ट चेंबर हाल में शाम 6 बजे से होगा। राजीव निगम का कहना है कि 'बहुत हुआ सम्मान' केवल हास्य व्यंग का शो नहीं है यह राजनीति, समाज तथा देश के लिये एक आइना भी है। कानपुर शहर में इस तरह का आयोजन पहली बार हो रहा है। बताया गया कि राजीव निगम टेलीविजन कई बड़े लोकप्रिय शो का हिस्सा रहे है। लेखन के साथ-साथ उन्होंने कपिल शर्मा शो कामेडी सर्कस लाफ्टर चैलेंज शो का किरदार भी रहे है।

बाजार | 35 फीसदी मेकिंग चार्ज बना वजह, निवेशकों ने नकारा

कॉपर का बुलियन हो गया फेल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

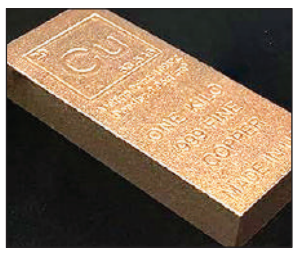

- बाजार में रिटेल खरीदार सिर्फ पूछताछ के लिए आ रहे

अमृत विचार। सोने व चांदी के बीच धातु के निवेश का तीसरा विकल्प कॉपर माना जा रहा था। बाजार में कॉपर का बुलियन भी लांच हो गया था लेकिन यह बाजार में फेल हो गया। इसकी वजह इसके बनने में लगभग 35 फीसदी मेकिंग चार्ज को माना जा रहा है। बाजार में सिर्फ पूछताछ के लिए ही खरीदार दुकानों तक पहुंच रहे हैं।

सोने व चांदी के बीच कॉपर भी बेहतर रिटर्न देने वाली धातु निवेशकों की नजर में हैं। इस स्थिति को समझते हुए बाजार ने कॉपर के बुलियन को उतारा था। शुरुआती दौर में छोटे निवेशकों ने इसकी शौकिया खरीदारी की। बड़े निवेशकों ने इससे किनारा कर लिया। इसकी वजह इस धातु का बुलियन जैसी दिखने वाले उत्पाद में 35 फीसदी मेकिंग चार्जेज का होना रहा। इस स्थिति में निवेशकों में नुकसान होने की वजह से इसकी खरीद के प्रति रुझान घट गया। अब बड़ निवेशकों की बेरुखी से बजार में इस उत्पाद पर बुरा असर पड़ा। इससे कॉपर का बुलियन बाजार से गायब हो गया। एआईजेजीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने बताया कि निवेशकों की बेरुखी से बाजार में कॉपर के बुलियन की मांग घट गई। जिसकी वजह से उसे व्यापारियों ने लाना लगभग बंद कर दिया।

दो महीने में मिली उछाल: कॉपर के रेट में तेजी से हो रहा इजाफा इस धातु के प्रति लोगों का रुझान बढ़ा रहा है। यदि पिछले दो महीनों की बात की जाए तो कॉपर के रेट 980 रुपये से बढ़कर लगभग 1310 रुपये तक पहुंच गए। निवेशकों की माना जाए तो लगभग दो महीनों में इस धातु ने तीस फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है। ऐसे में ठोस धातु के बजाए निवेशक अब ऑनलाइन विकल्प को अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं।

अमेरिका के रुख से रुझान बढ़ा: बाजार में सोना, चांदी और कॉपर के प्राति माहौल गर्म हैं। निवेशक इन तीनों को ही भविष्य की धातु मान कर चल रहे हैं। लगभग महीने भर पहले अमेरिका की ओर से कॉपर को ''''रेयर मेटल'''' घोषित करने के बाद कॉपर के प्रति निवेशकों का रुझान और अधिक बदला है। यही वजह है कि कॉपर के दामों में तेजी से इजाफा हुआ है। हाल ही के महीनों में कॉपर की ओर से निवेशकों को बढ़िया रिटर्न भी हासिल हुआ है। विशेषज्ञ इसे भविष्य की मेटल मानकर चल रहे हैं।

पंचायत चुनाव से पहले महिलाओं पर मेहरबानी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- शहद बनाने का काम यानी मधुमक्खी पालन क्षेत्र में उतरेंगी महिलाएं
- तीन वर्षों में एक लाख महिलाओं को इस योजना में जोड़ने का लक्ष्य

अमृत विचार। पिछले कुछ वर्षों से सरकारें महिलाओं पर कुछ ज्यादा ही मेहरबान है, मध्य प्रदेश में लाडली बहना योजना, महाराष्ट्र और बिहार में 10 हजार रुपये प्रत्येक महिलाओं को दिया और अब उत्तर प्रदेश सरकार पंचायत चुनाव से पहले ग्रामीण महिलाओं पर योगी सरकार मेहरबान होने जा रही है। सीएम योगी का मिशन विलेज, खुशियों से भरेगी महिलाओं की झोली योजना नाम दिया गया है। सरकार का मानना है कि इस पहल के जरिए प्रत्येक महिला उद्यमी की वार्षिक आय में एक लाख तक बढ़ोतरी की संभावना है। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव से पहले सीएम योगी के मिशन विलेज के तहत ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल शुरू की गई है। इस पहल के जरिए से प्रत्येक महिला उद्यमी की वार्षिक आय में लगभग एक लाख रुपये तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। महिलाओं को इस क्षेत्र में कुशल बनाने के लिए योगी सरकार प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग और बाजार से सीधा जुड़ाव सुनिश्चित करेगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नकदी का प्रवाह बढ़ेगा और महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाएंगी। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आय के नए स्रोत पैदा करना और महिलाओं को सीधे तौर पर उद्यमिता से जोड़ना है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से यूपी के स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं शहद बनाने के काम यानी मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में उतरेंगी।

सिटी ब्रीफ

9 से प्रशिक्षण

कानपुर। सेवायोजन विभाग की ओर से 9 फरवरी से 17 फरवरी तक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ऐसे युवा जिनका कौशल कम हैं उन्हे इजरायल के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान 2260 युवा शामिल होंगे।

छात्र-छात्रा को मिला बड़ौदा मेधा सम्मान

कानपुर। सीएसजेएमयू के हिन्दी विभाग भाषा संकाय की एमए हिन्दी सत्र 2024–25 के दो मेधावी विद्यार्थियों को बैंक ऑफ बड़ौदा मेधावी विद्यार्थी योजना के तहत सम्मानित किया गया। बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय कार्यालय गुमटी में आयोजित सम्मान समारोह में एमए हिन्दी के छात्र मोहिनीश त्रिपाठी एवं छात्रा स्वीकृति को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए बड़ौदा मेधा सम्मान प्रदान किया गया। क्षेत्रीय प्रबंधक भवानी शंकर परिडा, उप प्रबंधक संजय, राजभाषा अधिकारी रिचा मौर्या सहित बैंक के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे।

प्रतियोगिता में दिखाया दम

कानपुर। स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज़ में आयोजित तीन दिवसीय फार्मा फेस्ट के दूसरे दिन सौ मीटर एवं 4 सौ मीटर दौड़, कबड्डी तथा क्रिकेट का फाइनल मुकाबला आयोजित किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

स्थापना दिवस समारोह सप्ताह सीएसजेएमयू में आज से होगा

स्वच्छता, योग और रक्तदान से सामाजिक दायित्व निभाने का संदेश दिया जाएगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) में स्थापना दिवस समारोह सप्ताह शनिवार से शुरू होगा। 7 से 14 फरवरी तक चलने वाले शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

स्थापना दिवस सप्ताह की शुरुआत संगोष्ठी से होगा। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक यात्रा, शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुसंधान गतिविधियों और भविष्य की विकास योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग शनिवार को डीपफेक इन डिजिटल मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें छात्रों को इंटरनेट मीडिया और डिजिटल में गलत सूचना और झूठे वीडियो के संचार को पहचानना और उसे रोकना सिखाया जाएगा।

8 फरवरी: जागरूकता का संदेश

- रविवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की ओर से स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। एनएसएस स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय परिसर, छात्रावासों और आसपास के क्षेत्रों में श्रमदान कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का प्रसार करेंगे।

9 फरवरी: शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन

- धार्मिक–सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत हवन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य सकारात्मक ऊर्जा और शैक्षणिक वातावरण को सुदृढ़ करना रहेगा। इस अवसर पर शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे तथा सप्ताह भर चलने वाले आयोजनों की सफलता के लिए सामूहिक संकल्प लिया जाएगा।

10 फरवरी: वाक प्रतियोगिता

- वाक्–प्रतियोगिता में विद्यार्थी सामाजिक, शैक्षणिक और समकालीन विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। प्रतियोगिता में प्रतिभागी छात्रों की तार्किक क्षमता, विषय–ज्ञान और अभिव्यक्ति कौशल देखने योग्य रहा।

11 फरवरी: स्वास्थ्य पर जोर

- विश्वविद्यालय परिसर में योग शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारी भाग लेंगे। योग प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास कराते हुए शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला जाएगा।

12 फरवरी: रक्तदान शिविर

- 12 फरवरी को आयोजित रक्तदान शिविर में विद्यार्थी और कर्मचारी उत्साहपूर्वक रक्तदान करेंगे। आयोजक रक्तदान के महत्व और इससे जीवन रक्षा में होने वाले योगदान की जानकारी देंगे।

13 फरवरी: रंगोली व वॉल पेंटिंग

- 13 फरवरी को रंगोली एवं वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतिभागी सामाजिक संदेशों, संस्कृति और रचनात्मक कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे, जिससे विश्वविद्यालय परिसर कला और सृजनात्मकता से जीवंत हो उठेगा।

14 फरवरी: खेल प्रतियोगिता

- स्थापना दिवस सप्ताह का समापन शनिवार 14 फरवरी को टग ऑफ वॉर खेल प्रतियोगिता के साथ होगा। प्रतियोगिता टीमवर्क, सहयोग और उत्साह का संदेश देते हुए पूरे सप्ताह के आयोजनों को यादगार बनाएगी।

सीएसए ने लगाई शाक-भाजी फल-फूल और पुष्प प्रदर्शनी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से शाकभाजी अनुभाग, उद्यान महाविद्यालय द्वारा राज भवन लखनऊ में प्रदर्शनी लगाई गई। प्रादेशिक फल, शाक भाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सब्जी प्रजातियों एवं तकनीकियों को प्रदर्शित किया गया। इस दौरान स्टॉल पर आने वालों को खासियतें भी बताई गईं।

विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ महक सिंह व निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय में हाइड्रोपोनिक विधि से उगाए जा रहे चेरी टमाटर को सराहा गया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के कार्य क्षेत्र के जनपदों में गोद लिए गए 30 गांवों की मृदा में जीवांश पदार्थ बढ़ाओ संकल्प अभियान को विस्तार से बताया गया।

उन्होंने बताया कि प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा स्टॉल के भ्रमण के दौरान हाइड्रोपोनिक विधि से चेरी टमाटर उत्पादन की विधि तथा मृदा में

सीएसए के स्टाल पर उत्पाद देखतीं राज्यपाल। अमृत विचार

- हाइड्रोपोनिक उत्पादित चेरी टमाटर व मृदा में जीवांश पदार्थ बढ़ाओ अभियान को सराहा

जीवांश पदार्थ बढ़ाओ संकल्प अभियान की प्रशंसा की। स्टॉल का भ्रमण प्रदेश के उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने भी किया तथा गतिविधियों की प्रशंसा की। इसके बाद प्रमुख सचिव कृषि रविंद्र कुमार एवं राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव सुधीर एम.बोबडे ने निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव एवं निदेशक शोध डॉ महक सिंह एवं जापानी प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक भी की। जिसमें जापान सरकार के सहयोग से चल रही सब्जी अनुभाग में परियोजना की शोध गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डॉ संजीव सचान, डॉ वीके त्रिपाठी, डॉ केशव आर्य सहित अन्य शिक्षक, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्कूल में वार्षिक मेले का आयोजन

कानपुर। सेंट थॉमस स्कूल में वार्षिक मेला आयोजित हुआ। मेले में कक्षा 4 से ऊपर के विद्यार्थियों एवं नर्सरी से कक्षा 3 तक के छात्रों के अभिभावकों ने भाग लिया। 18 स्टॉल लगाए गए, जिनमें खानपान और मनोरंजन व्यवस्था रही। कार्यक्रम को भूख और बीमारी के प्रति जागरूकता से जोड़ते हुए मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए स्वैच्छिक सहयोग भी किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री के 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया। प्रधानाचार्य फादर थॉमस कुमार रॉकी एडविन, सिस्टर सीजी, सिस्टर पुष्पा, मरियम मैकार्टिस, सुदेश चतुर्वेदी, एलेन डिसूजा, जया गहलोत, हरजीत कौर सहित विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाएं व स्टाफ मौजूद रहे। अमृत विचार

मेट्रो को प्रतिवर्ष 10.80 लाख यूनिट बिजली की बचत हो रही

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने जन भवन परिसर में 57वीं प्रादेशिक फल, शाकभाजी पुष्प प्रदर्शनी में सहभागिता की। शुक्रवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने यूपीएमआरसी के स्टॉल का अवलोकन किया और विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी ली, जिसमे कानपुर मेट्रो के सोवेनियर आइटम्स व टॉय ट्रेन आकर्षण का केंद्र रहा।

स्टॉल में कानपुर मेट्रो परियोजना की विशेषताओं के साथ जल्द विस्तारित किए जाने वाले कॉरिडोर-1 बैलेंस सेक्शन (कानपुर सेंट्रल - नौबस्ता) की जानकारी दी।

- कानपुर मेट्रो के सोवेनियर आइटम्स व टॉय ट्रेन आकर्षण का केंद्र

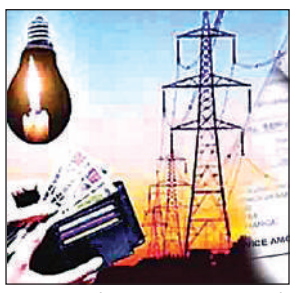

प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने कहा कि यूपीएमआरसी ने कानपुर मेट्रो डिपो में एक मेगावाट क्षमता का सोलर रूफ टॉप प्लांट स्थापित किया है, इनसे प्रतिवर्ष लगभग 10.80 लाख यूनिट बिजली की बचत हो रही है। कानपुर मेट्रो के एलिवेटेड स्टेशनों के छत पर ट्रांसलूसेंट शीट लगाए गए हैं, जिससे दिन के समय सूर्य की रोशनी आती है और बिजली की बचत होती है। ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए कानपुर मेट्रो ट्रेनों व लिफ्टों में रीजेनेरेटिव ब्रेकिंग का उपयोग व सभी लिफ्ट, एस्केलेटर, एएचयू व चिलर्स में वेरियेबल वोल्टेज वेरिएबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव का प्रयोग किया जा रहा है। यूपीएमआरसी ने कानपुर मेट्रो परियोजना में लगभग 35,000 वर्ग मीटर वर्ग मीटर हरित क्षेत्रफल विकसित किया है। कानपुर मेट्रो के डिपो में जीरो डिस्चार्ज सिस्टम लागू किया गया है। अपशिष्ट जल को शोधन के बाद पुनः उपयोग में लाया जाता है।

पीपीएन में युवा महोत्सव शुरू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पंडित पृथ्वीनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शुक्रवार को युवा महोत्सव की शुरुआत हुई। इस दौरान युवाओं ने अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। समारोह के दौरान युवाओं को टीम भावना का महत्व भी समझाया गया। समारोह में प्राचार्य प्रो. अनूप कुमार सिंह व सांस्कृतिक समिति की संयोजिका प्रो. मीना गुप्ता ने समारोह की शुरुआत की। युवा महोत्सव में कहानी लेखन प्रतियोगिता एवं पेपरक्राफ्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के 30 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, कल्पनाशीलता एवं कलात्मक कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। पेपर क्राफ्ट में प्रथम स्थान पर आयुषी शर्मा, अनुष्का पांडे द्वितीय स्थान और आरजू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में डॉ निधि कश्यप डा. मधुर बाला यादव, डा.अलका, डॉ. रामनरेश पटेल, डॉ. शैलेंद्र प्रताप व डा.चंचल शर्मा मौजूद रहीं।

हस्तशिल्प उत्पाद देखते अतिथि।

सम्मान देते पूर्व राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे। अमृत विचार

एक्सीलेंस इन ऑन्कोलॉजी हॉस्पिटल ऑफ द ईयर अवॉर्ड

कानपुर। पारस हेल्थ कानपुर को विश्व कैंसर दिवस पर इंटीग्रेटेड हेल्थ एंड वेलबीइंग काउंसिल ने आयोजित 7वें वर्ल्ड कैंसर समिट एंड अवॉर्ड्स 2026 में एक्सीलेंस इन ऑन्कोलॉजी हॉस्पिटल ऑफ द ईयर का अवॉर्ड से सम्मानित किया। यह अवॉर्ड नई दिल्ली में भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की पूर्व जॉइंट सेक्रेटरी सुजया कृष्णन और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के पूर्व राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने प्रदान किया। पारस हेल्थ के मैनेजिंग डायरेक्टर और एफआईसीसीआई हेल्थ एंड सर्विसेज के को–चेयर डॉ. धर्मेंद्र नागर ने कहा कि यह सम्मान मिलना संस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पारस हेल्थ कानपुर के फैसिलिटी डायरेक्टर रजत बजाज ने कहा कि यह अवॉर्ड लगातार क्लीनिकल अपग्रेडेशन, एडवांस्ड ट्रीटमेंट टेक्नोलॉजी अपनाने और मरीजों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के जरिए क्षेत्रीय कैंसर देखभाल क्षमताओं को मजबूत करने में पारस हेल्थ कानपुर की भूमिका को दिखाता है।

शारदा नगर के पार्क में मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शारदा नगर के एलआईसी पार्क-1 में स्थित पीपलेश्वर महादेव मंदिर में शुक्रवार को भगवान गणेश, गौरी, कार्तिकेय, नंदीश्वर, शिव, माता कुष्मांडा, राधा-कृष्ण तथा राम दरबार की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा पंडित वागीश शास्त्री एवं अन्य आचार्यों ने मंत्रोच्चार के बीच वैदिक विधि-विधान से कराई।

हवन की पूर्णाहुति एवं भंडारा वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मुख्य अतिथि संत बाल योगी अरुण चैतन्य महाराज एवं विधायका नीलिमा कटियार रहीं। आचार्य विपिन तिवारी, भगवती प्रसाद शुक्ला, आशीष तिवारी, कृष्ण मुरारी मिश्रा, मानस अवस्थी, वीरेंद्र अवस्थी, ओजस्वी अवस्थी, तुषार अवस्थी, बृजेन्द्र दुबे, ब्रह्म कुमार त्रिपाठी, प्रमोद पाण्डेय, जितेंद्र बाजपेयी, शशिकांत त्रिवेदी, अनिल कुमार दुबे एवं अनूप द्विवेदी उपस्थित रहे।

पीपलेश्वर महादेव मंदिर में वैदिक रीति से हुई मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा। अमृत विचार

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सर्व साधरण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का नाम अभिलेखों में पूर्व में भूलवश धारणा सिंह व जन्म तिथि 02–06–2018 दर्ज हो गया था, जबकि उसका वास्तविक नाम अदिति सिंह व जन्म तिथि 02–06–2019 पुत्री श्री कृष्ण अवतार निवासी– ग्राम भाऊपुर, पोस्ट– परौख, जिला– मैनपुरी (उत्तर प्रदेश) है। मेरी पुत्री अदिति सिंह को इसी नाम से जाना पहचाना जाए एवं अभिलेखों में भी दर्ज किया जाए। **- संरक्षक/पिता- कृष्ण अवतार पुत्र श्री भगवान सिंह, निवासी- ग्राम-भाऊपुर, पोस्ट- परौख, जिला- मैनपुरी (उत्तर प्रदेश)**

सूचना

मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम अवनींद्र नाथ शाक्य (Avanindra Nath Shakya) दर्ज है, जो गलत है। मेरा सही नाम अवनींद्र नाथ शाक्य (Avnindra Nath Shakya) है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **अवनींद्र नाथ शाक्य पुत्र राम नाथ शाक्य, निवासी 9 ए, फ्रेंड्स कॉलोनी, इटावा।**

सूचना

मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम सुनीता शाक्य दर्ज हो गया है जो गलत है मेरा सही नाम सुनीता है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **सुनीता पत्नी अवनीन्द्र नाथ शाक्य नि०- 9A फ्रेंड्स कॉलोनी इटावा**

सूचना

हम अरुण कुमार गांगुली पुत्र एस.एन. गांगुली तथा मेरी पत्नी आभा गांगुली दोनों निवासी–212 मानस एन्क्लेव फरीदी नगर इंदिरा नगर सीमैप लखनऊ उत्तर प्रदेश संयुक्त रूप से अपने छोटे पुत्र रितेश गांगुली व उसकी धर्म पत्नी मनीषा कश्यप पुत्री रतन लाल कश्यप को हमारी समस्त चल–अचल संपत्ति व संबंधों से बेदखल कर रहे हैं अब से हम लोगों का इनसे कोई भी वास्ता व सरोकार नहीं रहेगा।

सूचना

मैं SALEEM AHMED SIDDIQUI पुत्र श्री MOHAMMAD AZEEM, निवासी म0नं0–61/50, हाता ख्वाजा गौहर, हुसैनगंज, लखनऊ, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर MOHD SALEEM SIDDIQUI कर लिया है, अतः आज से मुझे MOHD SALEEM SIDDIQUI के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

Public Notice

I would like to bring to your attention that I am a student of Class 9 [A] in this school. The school records incorrectly show my name as 'Lokesh Sonkar', whereas my actual name is 'Lokesh'. I kindly request you to correct my name in lokesh all school records and any documents future'.Lokesh s/o Laxmi Prasad, Add-Bichali Mohalla, Dafali Tala Purani Basti, Distt-Uttar Pradesh-272002

सूचना

मेरे द्वारा क्रय की गई संपत्ति फ्लैट संख्या 503, ब्लॉक–बी, पंचम तल, आर्किड टावर, ओमैक्स रेजिडेंसी, सरसावां, लखनऊ की मूल रजिस्ट्री (बैनामा) कहीं गुम हो गई है, जिसकी L.A.R. संख्या 20260000143150, दिनांक 05–02–2026 है। जिसको कहीं गिरवी/बंधक आदि नहीं रखा गया है इसका उपयोग अमान्य एवं शून्य माना जाएगा। **रूचिर खरे, मो0–8765078547**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व मे नाम दिलीप बर्नवाल (DILEEP VERNWAL) या अब बदलकर दिलीप कुमार बर्नवाल (DILEEP KUMAR VERNWAL) हो गया हैं। अब मुझे इसी नाम से जाना और पहचाना जाए। DILEEP KUMAR VERNWAL Village- Nirvahanpur, Post-Durgapur Thana-Piperpur Amethi--228159

सूचना

मैंने अपनी पुत्री प्रियाँशी पाल का नाम बदलकर तनिसी सिंह पाल रख लिया है। उसकी जन्म तिथि 17/12/2012 है। भविष्य मे प्रियाँशी पाल को तनिसी सिंह पाल के नाम से जाना पहचाना एवं लिखा पढ़ा जाये। **गिरिजा शंकर पुत्र स्व.प्यारे लाल पाल निवासी–राम टोला खरिका तेलीबाग, लखनऊ उत्तर प्रदेश**

सूचना

मैं **तहूरा स्वाले पुत्री श्री नियाज अहमद पत्नी श्री स्वाले जमाल निवासिनी– एस. एस. 35 मोती झील कालोनी ऐशबाग लखनऊ उ0प्र0**, मेरा विवाह से पूर्व नाम तहूरा फातिमा (TAHOORA FATIMA) था परन्तु विवाह के उपरान्त नाम तहूरा स्वाले (TAHOORA SWALEY) कर लिया है अर्थात दोनो नाम मेरे ही है एवं दोनो नामों से जानी व पहचानी जाती है। जहाँ कहीं भी तहूरा फातिमा (TAHOORA FATIMA) है उसके स्थान पर तहूरा स्वाले (TAHOORA SWALEY) पढ़ा लिखा जाये एवं सही माना जाये।

सीके नायडू ट्रॉफी मुकाबला

यूपी ने तीन विकेट पर 46 रन बनाए, चंडीगढ़ से अभी भी 124 रन पीछे

पहले दिन गेंदबाज हावी, चंडीगढ़ टीम 170 रन पर सिमटी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ग्रीनपार्क में खेले जा रहे कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी मुकाबले में पहले दिन गेंदबाजी हावी रहे। दोनों टीमों के पहले ही दिन 13 विकेट गिरे। यूपी की गेंदबाजी के सामने चंडीगढ़ की पूरी टीम महज 170 रन पर सिमटी। यूपी टीम भी शुरुआत में लड़खड़ाई और पहले दिन का खेल खत्म होने तक 28 ओवर में तीन विकेट पर 46 रन बनाए। यूपी अभी भी 124 रन पीछे है।

चंडीगढ़ टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुना और शुरुआत साधारण रही। दुष्यंत व अरनव बंसल की सलामी जोड़ी ने 24 रन जोड़े, तभी विजय कुमार ने 19 रन पर एलबीडब्ल्यू करके दुष्यंत के रूप में पहला झटका दिया। इसके बाद अरनव व राघव वर्मा ने पारी संभालते हुए स्कोर 50 के पार किया। अरनव 40 रन बनाकर शुभम मिश्रा की गेंद पर अली जफर को कैच दे बैठे। तीसरा विकेट 84 रन पर राघव वर्मा का 15 रन पर गिरा। अक्षु बावेजा ने उन्हें बोल्ड किया। फिर निखिल व आरुष भंडारी ने खेलते हुए टीम का स्कोर 100 रन पहुंचाया। 106 रन पर चंडीगढ़ को लगातार दो झटके लगे। अक्षु बावेजा ने पहले आरुष भंडारी को तीन फिर अभिराज को शून्य पर आउट किया। छठवां विकेट 121 रन पर निखिल के रूप में 25 रन पर गिरा। अक्षु ने विजय कुमार के हाथों उन्हें कैच कराया। आगे निकुंश भी 127 रन पर अक्षु की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हुए। बाकी बल्लेबाज देर तक टिक नहीं सके और पूरी टीम 170 रन पर ऑलआउट होकर लौटी। देवांश ने आठ, जसकीरत ने शून्य और अयान दुग्गल ने 22 रन का योगदान दिया। यूपी से अक्षु ने बेहतरीन गेंदबाजी कर छह विकेट लिया। विजय कुमार ने तीन और शुभम मिश्रा ने एक विकेट झटका। यूपी की शुरुआत भी निराशाजनक रही। कप्तान आदर्श सिंह नौ रन के कुल स्कोर पर अयान दुग्गल की गेंद पर आरुष के हाथों कैच हुए। फिर सिद्धार्थ चौधरी व काव्य ने शॉट लगाए, लेकिन 28 रन पर निकुंश बिरला ने सिद्धार्थ चौधरी 21 रन पर एलबीडब्ल्यू किया। तीसरा झटका रितुराज शर्मा के रूप में नौ रन पर लगा। निकुंश ने आरुष के हाथों उनका कैच पकड़वाया। दिन का खेल समाप्त होने तक काव्य नौ रन और शुभम मिश्रा पांच रन बनाकर क्रीज पर डटे रहे।

मैदान पर दिवंगत पिच क्यूरेटर को श्रद्धांजलि दी गई। अमृत विचार

- पहले दिन 13 विकेट गिरे, अक्षु ने बेहतरीन गेंदबाजी कर छह विकेट झटके

पिच क्यूरेटर शिव कुमार को दी श्रद्धांजलि

- ग्रीनपार्क स्टेडियम में कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी मुकाबले से पहले दिन शुक्रवार को दोनों टीमों के खिलाड़ी, मैच रेफरी, स्कोरर, यूपीसीए स्टाफ और मैदान कर्मियों ने पिच क्यूरेटर शिव कुमार को श्रद्धांजलि दी। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

बेटिकट यात्रियों पर 68 करोड़ जुर्माना

कानपुर। प्रयागराज मण्डल में वित्तीय वर्ष 2025-26 में चेकिंग अभियान में 9.98 लाख बेटिकट यात्रियों को पकड़ा गया जिनसे 68.35 करोड़ रुपये जुर्माना वसूला गया। मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल के निर्देश पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हरिमोहन के नेतृत्व में बिना टिकट अनियमित टिकट, अनबुक्ड लगेज लगेज एवं गंदगी फैलाने वालों पर अंकुश लगाने के लिए स्टेशनों एवं ट्रेनों में सघन चेकिंग अभियान चलाये जा रहा है। कानपुर सेंट्रल स्टेशन समेत प्रयागराज मण्डल के विभिन्न स्टेशनों एवं ट्रेनों में जुर्माना वसूला गया। प्रयागराज मण्डल में चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के अप्रैल से जनवरी माह तक चलाये गए चेकिंग अभियानों में बिना टिकट, अनियमित टिकट, अनबुक्ड लगेज लेकर जाने वालों से भी जुर्माना लिया।

न्यूज ब्रीफ

डंपर से बचने के लिए टकराई तीन बाइकें पांच लोग घायल

सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार : हरदोई जिला के कस्बा बिलग्राम निवासी छोटेलाल अपनी 3 वर्षीय भांजी आनंदी को लेकर कस्बे में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होकर शुक्रवार सुबह बाइक से घर लौट रहे थे। तभी हुलासी कुआं चौराहे पर सामने से आए तेज रफ्तार डंपर से बचने के लिए उन्होंने अचानक ब्रेक लिया। इससे पीछे से आई दो बाइक उसकी बाइक से टकरा गईं। इसमें छोटेलाल व आनंदी, दूसरी बाइक सवार कोतवाली क्षेत्र के अटवा गांव निवासी लवकुश (18) पुत्र हरिराम व तीसरी बाइक सवार शाहपुर गांव निवासी आकाश (18) पुत्र पुत्तीलाल व उसके बाबा रामकृष्ण (65) घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से सभी को सीएचसी सफीपुर पहुंचाया गया। जहां से डॉक्टर ने सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

हाईवे पर टकराई बाइकें, दो घायल

नवाबगंज उन्नाव, अमृत विचार : लखनऊ के बाजार खाला थानाक्षेत्र के भदेमा मोहल्ला निवासी नसीम (48) पुत्र नन्हे अपने पैतृक गांव अचलगंज थानाक्षेत्र के मुगुलपुर गया था। शुक्रवार को वह दामाद इमरान के साथ फसल की देखभाल के लिए गया था। जहां से लौटते समय अजगैन कोतवाली क्षेत्र के कानपुर-लखनऊ हाईवे पर नवाबगंज पुलिस चौकी के पास उसकी बाइक में दूसरी बाइक ने टक्कर मार दी। इससे ससुर-दामाद सड़क पर गिरकर घायल हो गए। लोगों की सूचना पर एनएचएआई की एंबुलेंस उन्हें सीएचसी नवाबगंज लाई। जहां से प्राथमिक उपचार के नसीम को जिला अस्पताल भेज दिया।

नशे में धुत बेटे ने मां को उतारा मौत के घाट

रिश्ते का खूनः लोहे की राड से वारकर घटना को दिया अंजाम, शराब के लिए रुपयों को लेकर हुआ था विवाद

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचारः गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गड़रिया पीपरखेड़ा गांव में शुक्रवार दोपहर घरेलू विवाद के चलते नशे में धुत बेटे ने लोहे की रॉड (पाइप) से अपनी ही मां के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। गंभीर घायल महिला ने मौके पर दम तोड़ दिया। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

मजरा पीपरखेड़ा के कंजा खेड़ा निवासी शांति देवी (75) पत्नी रामकुमार शुक्रवार को पड़ोस में रहने वाले रमेश के घर के बाहर बैठकर मंजन कर रही थी। तभी दोपहर एक बजे छोटे बेटे राजन उर्फ कल्लू से किसी बात को लेकर उसका विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि कहासुनी के दौरान गुस्से में आकर राजन ने पास में पड़ी लोहे की रॉड उठाई और मां के सिर पर कई वार कर दिए। अचानक हुए हमले से शांति लहूलुहान होकर गिर पड़ी और उसकी मौके पर मौत हो गई। घटना की सूचना पर आसपास के लोग पहुंच गए। मृतका का बड़ा बेटा राजेश उस समय गांव से बाहर था। जिसे फोन पर सूचना दी गई। सूचना पर गंगाघाट पुलिस व एएसपी अखिलेश सिंह पहुंचे। इंस्पेक्टर अजय सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण कर हत्या में प्रयुक्त लोहे की रॉड बरामद की। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एएसपी ने कहा कि प्रथम दृष्टया मामला घरेलू विवाद में हत्या का प्रतीत हो रहा है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। वहीं फारेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किये। इसके साथ ही डॉग स्क्वायड भी मौके पर पहुंचा। मृतका के बेटे राजेश की तहरीर पर राजन उर्फ कल्लू के विरुद्ध हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है।

मौके पर ग्रामीणों से पूछताछ करते एएसपी। ● अमृत विचार

तीन साल से मायके में रह रही पत्नी

आरोपी राजन की पत्नी संगीता दो बेटों व एक बेटी के साथ तीन वर्षों से मायके में रह रही है। ग्रामीणों के अनुसार पति-पत्नी में अक्सर विवाद होता था। इससे वह बच्चों को लेकर अलग रहने लगी थी।

नशे का आदी था आरोपी बेटा

ग्रामीणों ने बताया कि राजन नशे का आदी है। शराब को लेकर घर में आएदिन कलह होती थी। पत्नी ने जाजमऊ चौकी में शिकायत भी की थी लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ।

बिंदा नगर में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

● पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजकर शुरू की मामले की जांच

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार: गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के बिंदा नगर में शुक्रवार दोपहर एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मूलरूप से हरदोई जनपद के थाना सुरसा क्षेत्र के ग्राम दहिती निवासी अमरेश सविता (40) अपनी पत्नी पूनम, बेटी आयशा (12), आरूषि (7) और बेटे सक्षम (4) के साथ बिंदा नगर में दिनेश वर्मा के मकान में किराए पर रहते थे। वह पल्लेदारी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। शुक्रवार को उनकी पत्नी घरों में काम करने गई थीं। दोपहर करीब दो बजे अमरेश ने कमरे में पंखे के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। कुछ देर बाद बच्चों की नजर पिता पर पड़ी तो उनकी चीख निकल गई। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। गांधी नगर निवासी अमित कुमार सविता ने बताया कि आत्महत्या के कारणों की जानकारी नहीं हो सकी है। अमरेश की मौत से पत्नी और बच्चों समेत गांव में रह रही मां रामरानी व भाइयों का रो-रोकर बुरा हाल है।

18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा प्रारूप फार्म-6 भरकर करें आवेदन

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: जिलाधिकारी गौरांग राठी ने कलक्ट्रेट सभागार में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान 2026 के संबंध में राजनीतिक दलों के साथ बैठक की। इसमें डीएम ने कहा कि 6 जनवरी से 6 फरवरी तक दावे व आपत्तियां दाखिल की जा रही हैं। 27 फरवरी तक सुनवाई/सत्यापन की कार्यवाही होगी और प्राप्त दावे व आपत्तियों का निस्तारण किया जायेगा। 6 मार्च को निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन होगा।

इस दौरान उन्होंने कहा कि ऐसे युवा नागरिक जो 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं या पूर्ण कर रहे हैं तथा जिनका नाम मतदाता सूची मे दर्ज न हो वे मतदाता जो पूर्व पते से स्थानान्तरित होने के कारण गणना प्रपत्र नहीं भर सके हो या जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज न हो ऐसे सभी नागरिक निर्धारित प्रारूप फार्म-6 के साथ घोषणा पत्र (अनुलग्नक-IV) भरकर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अभिलेख की स्व-सत्यापित प्रति संलग्न कर आवेदन कर सकते हैं। इस दौरान एडीएम वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज सहित विभिन्न दलों के प्रतिनिधि दिनेश गुप्ता, मूलचंद लोधी, विनोद सिंह आदि मौजूद रहे।

श्री राम प्लेज पार्क का निरीक्षण करते डीएम गौरांठ राठी। ● अमृत विचार

● डीएम ने दी विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान की जानकारी

डीएम ने श्री राम प्लेज पार्क का निरीक्षण कर विद्युत समस्या के समाधान के दिए निर्देश

शुक्लागंज, उन्नाव : उप्र सरकार की निजी औद्योगिक पार्कों के विकास योजना के अंतर्गत सहजनी में विकसित हो रहे श्री राम प्लेज पार्क का शुक्रवार को जिलाधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान पार्क के प्रवर्तक राजीव किशोर भारतीय ने परियोजना से जुड़ी विस्तृत जानकारी जिलाधिकारी को दी। बताया गया कि प्लेज पार्क लगभग 10 .3 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित किया जा रहा है, जिसमें कुल 37 भूखंड प्रस्तावित हैं। औद्योगिक इकाइयों के संचालन के लिए स्वतंत्र फीडर से 2000 किलोवाट विद्युत आपूर्ति की आवश्यकता है। हालांकि विद्युत संबंधी समस्याओं के कारण विकास कार्य अपेक्षित गति से नहीं हो पा रहा है। जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिए कि संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर विद्युत आपूर्ति की समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी समस्याओं का त्वरित निस्तारण कराया जाए। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी सदर क्षितिज कुमार, सहायक उपायुक्त उद्योग तथा उद्यमी मित्र भी उपस्थित रहे।

विधायक ने किया कान्हा गौशाला का उद्घाटन

हसनगंज उन्नाव, अमृत विचार : डेढ़ करोड़ की लागत से बनाई गई कान्हा गौशाला का विधायक बृजेश रावत व नगर पंचायत अध्यक्ष ओमप्रकाश कनौजिया ने फीता काटकर उद्घाटन किया। शुक्रवार को नगर पंचायत न्योतनी क्षेत्र में 2021-22 योजनांतर्गत बनी कान्हा गौशाला का उद्घाटन हुआ। इसके बाद हवन-पूजन कर गौशाला नगर पंचायत के सुपुर्द की गई। गौशाला में 300 गौवंशीयों के रहने व खाने पीने की व्यवस्था है। साथ ही कर्मियों के लिए शौचालय, आवास, पशुओं के लिए डिस्पेंसरी व बायोगैस प्लांट का भी निर्माण किया गया है। उद्घाटन के बाद विधायक बृजेश रावत ने कहा कि इस गौशाला के उद्घाटन से आसपास के दर्जनों गांव के किसानों को आवारा पशुओं से होने वाली फसलों के नुकसान में कमी आएगी और गोवंश भी सुरक्षित रहेंगे। विधायक व नगर पंचायत अध्यक्ष ने गोवंशों को माला पहनाकर व गुड़ चना खिलाकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान ईओ रोहित कुमार, लिपिक कुलदीप सिंह, हरिप्रकाश सिंह, मिलन पांडे आदि मौजूद रहे।

फीता काटकर गौशाला का उद्घाटन करते विधायक व अन्य।

छात्रों को बताया बाल विवाह के परिणाम

उन्नाव, अमृत विचार : विकासखंड सफ़ीपुर के कम्पोजिट स्कूल रनियांमऊ में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें बाल विवाह के परिणामों के विषय में छात्रों को बताया गया। कार्यक्रम में शिक्षक अमित तिवारी ने छात्र-छात्राओं व अभिभावकों को बाल विवाह के कानूनी प्रावधानों, दुष्प्रभावों व इसके उपायों के बारे मे जागरूक कर बताया कि यह सामाजिक कुरीति है जो शिक्षा की कमी, गरीबी व लैंगिक असमानता से जुड़ी है। जिससे लड़कियों को अक्सर स्कूल छोड़ना पड़ता है और वे शोषण की शिकार होती हैं। उन्होंने बताया कि 'बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006' के तहत पुरुषों के लिए शादी की उम्र 21 व महिलाओं के लिए 18 वर्ष है। इससे पूर्व शादी करना कानूनी रूप से अपराध है। बीईओ अनीता साह ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य बाल विवाह को खत्म करना और देश की हर बेटी को सशक्त बनाना है। इसमें संतोषी देवी, देवेन्द्र त्रिपाठी, अनूप साहू, कृपा शंकर, किरण देवी, सरोजनी देवी, राधा देवी, रमा देवी आदि उपस्थित रहे।

बाल विवाह के बारे में जानकारी देते शिक्षक अमित तिवारी।

10 से चार ब्लॉकों में खिलाई जाएगी फाइलेरिया रोधी दवा

उन्नाव, अमृत विचार : फाइलेरिया रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में 10 फरवरी से फाइलेरिया रोधी दवा वितरण अभियान की शुरुआत होगी। प्रभारी सीएमओ ने प्रेस वार्ता में बताया कि यह अभियान जिले के सुमेरपुर, गंजमुरादाबाद, बीघापुर व पुरवा ब्लॉक में चलेगा। प्रभारी सीएमओ हरिनंदन प्रसाद ने बताया कि अभियान में 576 टीमों के माध्यम से कुल 6,19,518 लोगों को फाइलेरिया रोधी दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कहा कि आयु व लंबाई के अनुसार तीन प्रकार की दवाएं दी जाएंगी। दवा खाली पेट नहीं खानी है। कुछ लोगों को बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द व उल्टी जैसी हल्की समस्या हो सकती है। जो कुछ समय बाद स्वत: ठीक हो जाती है। बताया कि यह लक्षण उन्हीं लोगों में दिखाई देते हैं जिनके शरीर में पहले से फाइलेरिया के कृमि मौजूद होते हैं। नोडल अधिकारी डॉ. जेआर सिंह ने बताया कि फाइलेरिया की दवा सभी स्वस्थ व्यक्तियों को अनिवार्य रूप से खानी है। अभियान में डीईसी, एल्बेंडाजोल व आइवरमेक्टिन दवाओं का प्रयोग किया जाएगा। 2 वर्ष से कम आयु के बच्चों को दवा नहीं दी जाएगी। एक से दो वर्ष के बच्चों को एल्बेंडाजोल की आधी गोली दी जाएगी। बताया कि आइवरमेक्टिन टैबलेट लंबाई के अनुसार दी जाती है। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर पात्र व्यक्तियों को अपने सामने दवा खिलाएंगी। दवा बाद में खाने के लिए नहीं दी जाएगी। प्रेस वार्ता में एसीएमओ डॉ. नरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

जांच केंद्र का सर्वर हुआ धड़ाम

● जिला अस्पताल की पैथोलॉजी का सर्वर अचानक ठप हो गया, बिना जांच कराए बैरंग लौटे मरीज

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: जिला अस्पताल के पुरुष चिकित्सालय स्थित पैथोलॉजी का सर्वर अचानक ठप हो गया। इससे रक्त संबंधी जांच कार्य बाधित हो गया। काफी प्रयास के बाद भी तकनीकी अड़चन दूर नहीं हुई तो लोगों को मायूस लौटना पड़ा।

बता दें कि जिला अस्पताल के पुरुष चिकित्सालय में औसतन 1000-1200 विभिन्न रोगों से ग्रसित मरीज ओपीडी में पूरे जिले से आते है। इनमें 200-250 लोगों की चिकित्सक की सलाह पर सीबीसी, ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन, किडनी, लिवर संबंधी जांच की जाती है। शुक्रवार को अचानक करीब एक बजे पैथोलॉजी का सर्वर ठप हो गया। इससे कंप्यूटर पर होने वाले कार्य रुक गए और लोगों का पंजीकरण नहीं हो पाया। इससे उनके सैंपल नहीं लिए जा सके। वहीं जिनके सैंपल लिए गए थे उनकी रिपोर्ट भी नहीं मिल पाई। इसके अलावा ऊपर पैथोलाजी में जांच करने वाली मशीनें भी प्रभावित हो गईं। इससे सबसे अधिक परेशानी महिलाओं, बच्चों व वृद्धों के अलावा दूर से आने मरीजों को हुई। कुछ मजबूरी में निजी जांच केंद्र चले गए। सूचना पर तकनीकी खामी तलाशने के लिए इंजीनियर को बुलाया गया। लेकिन शाम 4 बजे तक खामी पकड़ में नहीं आई।

रिपोर्ट व सैंपल के लिए इंतजार करते मरीज। ● अमृत विचार

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा शुरू

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : कंचन नगर-ए स्थित एक स्कूल में श्री ममतामयी मंडल परिवार की ओर से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया। जहां पहले दिन महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। कलश स्थापना के बाद कथा व्यास ने कथा का बखान किया। जिसे सुन श्रोता मंत्रमुग्ध हो गये। शुक्रवार दोपहर वैदिक मंत्रों के बीच गणेश पूजन के साथ ही ध्वज पूजन हुआ। जिसके बाद कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें क्षेत्र की महिलाएं मौजूद रहीं। कलश यात्रा गंगातट पहुंची और वहां से जल लेकर दुर्गा मंदिर होते हुये कथा स्थल पहुंची। यात्रा के समापन के बाद भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। जहां श्री वृंदावन धाम से पधारे वल्लभचरणाश्रित केशव देव भक्तमाली ने कथा का बखान किया। जहां परीक्षित कुमार भट्ट के अलावा मंडल के पदाधिकारी मौजूद रहे।

अंबिका में कक्षा 12 के छात्रों को दी गई विदाई

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : राजमार्ग स्थित अंबिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए विदाई व आशीर्वाद समारोह आयोजित हुआ। इसकी शुरुआत दीप प्रज्वलन व स्वागत समारोह से हुई। कक्षा 11 के विद्यार्थियों ने अपने वरिष्ठ साथियों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मनमोहक नृत्य, मधुर गीत व रोचक खेलों ने वातावरण को उत्साह व उल्लास से भर दिया। इस दौरान कक्षा 12 के विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा व विशेष गुणों के आधार पर विभिन्न आकर्षक टाइटल दिये गए। इनमें मास्टर एपीएमपीएस व मिस एपीएमपीएस प्रमुख रहे। विद्यालय प्रबंधक अजय त्रिवेदी ने विद्यार्थियों को परिश्रम, अनुशासन व नैतिक मूल्यों का महत्व बताते हुए जीवन में निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। प्रधानाचार्या मोनिका तिवारी ने भी परीक्षा व भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए आत्म विश्वास बनाए रखने का संदेश दिया। इसमें दिनेश त्रिवेदी, कार्तिकेय त्रिवेदी, अनुराज श्रीवास्तव, हरि राठौर, सुभाष अरोड़ा मौजूद रहे।

फेयरवेल पार्टी के दौरान मौजूद अंबिका के बच्चे।

चाइनीज मांझे के खिलाफ चला अभियान

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार: चाइनीज व शीशायुक्त मांझे की बिक्री पर रोक लगाने के लिए गंगाघाट पुलिस ने शुक्रवार को अभियान चलाया। एसपी के निर्देश पर कोतवाली प्रभारी अजय सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने नगर के विभिन्न मोहल्लों में पतंग व मांझा बेचने वाली दुकानों की जांच की तथा दुकानदारों को स्पष्ट चेतावनी दी।

लखनऊ में चाइनीज मांझे में फंसकर एक युवक की मौत के बाद प्रदेश सरकार ने इस पर कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऐसे मामलों को गंभीर मानते हुए चाइनीज मांझे की बिक्री पर तत्काल रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में गंगाघाट पुलिस ने मनोहर नगर, गांधी नगर, आजाद नगर आदि क्षेत्रों में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान दुकानों की तलाशी ली गई। हालांकि कहीं प्रतिबंधित चाइनीज मांझा नहीं मिला। पुलिस ने दुकानदारों को हिदायत दी कि वे किसी भी स्थिति में चाइनीज या शीशायुक्त मांझा न बेचें। चेतावनी दी कि यदि कोई दुकानदार चोरी-छिपे इसकी बिक्री करता पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पतंग की दुकान में चायनीज मांझे की चेकिंग करते इंस्पेक्टर। ● अमृत विचार

● मुख्यमंत्री की सख्ती के बाद प्रशासन हुआ सक्रिय

डीआइओएस के विरोध में किया पैदल मार्च

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: उप्र माध्यमिक शिक्षक संघ एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों के संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) के कृत्यों के विरोध में गांधी प्रतिमा, फूलबाग से लखनऊ तक पैदल मार्च निकाला जा रहा है। शुक्रवार को सभी शुक्लागंज पहुंचे। जहां संघ के संयोजक हरिश्चन्द्र दीक्षित ने बताया कि 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने साथियों के साथ प्रदर्शन कर जिलाधिकारी कानपुर नगर, उन्नाव व लखनऊ के माध्यम से ज्ञापन सौंपने की बात कही है।

शिक्षणेत्तर संघ के महामंत्री शिव बहादुर यादव के स्टे आदेश के बावजूद सितंबर 2023 से वेतन रोकेने, बिना वित्तीय सहमति पदोन्नति करने, वरिष्ठ शिक्षक-शिक्षिकाओं के अवशेष भुगतान लंबित रखने व कई विद्यालयों का वेतन निलंबित करने जैसे आरोप लगाए गए। साथ ही कार्यालय कर्मियों से अभद्र व्यवहार का भी आरोप है। प्रदर्शनकारियों ने डीआईओएस को पद से हटाने की मांग की। मार्च में शिव बहादुर यादव, पंकज कुमार, रितेश सचान, पवन त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मी रहे।

लखनऊ की ओर जाता 11 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल। ● अमृत विचार

● शिक्षक संघ एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों के संगठनों ने किया आयोजन

32 शिक्षकों को मिले नोशनल वेतन वृद्धि का लाभ

उन्नाव, अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षक संघ का एक प्रतिनिधि मंडल जिलाध्यक्ष हरिहर प्रसाद दीक्षित के नेतृत्व में डीआईओएस सुनील दत्त से मिला और शिक्षकों की लंबित समस्याओं पर वार्ता की। इसमें बताया कि नोशनल वेतनवृद्धि के आज 32 प्रकरण उप शिक्षा निदेशक कार्यालय, लखनऊ से निस्तारित होकर उनके आदेश कार्यालय आ गये हैं। सम्बन्धित शिक्षक अपना आदेश प्राप्त करना सुनिश्चित करें। बताया कि उप शिक्षा निदेशक कार्यालय को अब तक 299 प्रकरण भेजे गए थे। इनमे 200 प्रकरण निस्तारित होकर प्राप्त हो चुके हैं।

कार्यक्रम | वैश्विक स्तर पर वाणिज्यिक विवादों के समाधान में आर्बिट्रेशन की बढ़ती भूमिका पर डाला गया प्रकाश

सीयू यूपी में इंटरनेशनल समिट 1.0 का भव्य शुभारंभ

नवाबगंज उन्नाव

अमृत विचार: देश की पहली एआई ऑगमेंटेड निजी यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी उप्र में चार दिवसीय "इंटरनेशनल समिट 1.0 ऑन इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन द ग्लोबल ट्रेंड"का गुरुवार को भव्य शुभारंभ हुआ। इस अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर वाणिज्यिक विवादों के समाधान में आर्बिट्रेशन की बढ़ती भूमिका, नए ट्रेंड्स व व्यावहारिक चुनौतियों पर गहन विमर्श करना है।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी लखनऊ के कुलपति प्रो. डॉ. अमर पाल सिंह रहे। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यापार के तेजी से विस्तार के साथ अंतरराष्ट्रीय विवादों की संख्या भी बढ़ी है। ऐसे में आर्बिट्रेशन एक तेज, निष्पक्ष व प्रभावी न्यायिक समाधान के रूप में उभर रहा है। जो कम समय व कम खर्च में न्याय सुनिश्चित करता है। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज़ के निदेशक के स्वागत भाषण से हुई। वहीं प्रो-वीसी (रिसर्च) प्रो. डॉ. सुसान एलियास ने छात्रों को वैश्विक कानूनी परिदृश्य की बारीकियों को समझने व अंतरराष्ट्रीय मंचों के लिए स्वयं को तैयार करने के लिए प्रेरित किया। कहा कि आज इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन केवल थ्योरी नहीं, बल्कि एक प्रैक्टिकल स्किल है, जिसे मूट कोर्ट, नेगोशिएशन और इंडस्ट्री एक्सपोज़र के माध्यम से निखारा जाता है। प्रो. डॉ. अमरपाल सिंह ने कहा कि सिंगापुर व हांगकांग जैसे देश इस क्षेत्र में आगे हैं लेकिन भारत में भी अपार संभावनाएं हैं। इसके लिए छात्रों को इंटरनेशनल एक्सपोज़र, स्टूडेंट और फैकल्टी एक्सचेंज जैसे अवसर देना बेहद जरूरी है। अंत में आयोजित प्रश्नोत्तर कार्यक्रम में छात्रों ने उत्साह पूर्वक भाग लेते हुए विशेषज्ञों से संवाद किया। यह चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन छात्रों के लिए ग्लोबल लॉ करियर की दिशा में एक मजबूत व ज्ञानवर्धक मंच साबित हो रहा है।

सम्मेलन को संबोधित करते कुलपति प्रो. डॉ. अमर पाल सिंह व कार्यक्रम में मौजूद छात्र। ● अमृत विचार

सामूहिक यज्ञोपवीत एवं विवाह कार्यक्रम संपन्न

● 70 बटुकों का यज्ञोपवीत व पांच कन्याओं को हुआ विवाह

उन्नाव, अमृत विचार: नव युवा ब्राह्मण कल्याण महासमा के तत्वावधान में कलक्टरगंज फाटक स्थित शिव मंदिर में 70 बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार व 5 कन्याओं का विवाह प्रधान आचार्य शिवओम दीक्षित व उनके सहयोगियों द्वारा सम्पन्न कराया गया। इसमें सभी बटुकों को उनके परिजनों ने भिक्षा दी और कन्याओं का कन्यादान किया।

कार्यक्रम का संयोजन आशुतोष तिवारी व उमा द्वारा किया गया। संस्था अध्यक्ष मनोज त्रिवेदी ने वर व कन्याओं को आर्शीवाद दिया। वब्देव तिवारी ने ग्रह उपयोगी सामान का वितरण वधुओं को किया। कार्यक्रम में अतिथि पूर्व सांसद अन्नू टंडन, सदर विधायक पंकज गुप्ता, नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा व विमल द्विवेदी द्वारा वर-वधुओं को गृह उपयोगी सामान दिया व उनके दाम्पत्य जीवन में मंगल कामना की। इसमें अनुराग तिवारी, देवेन्द्र वाजपेई (महामंत्री), अमित पाण्डेय, अतुल तिवारी, अतुल तिवारी, अलोक तिवारी, राहुल, ऋषी पाण्डेय, अमित तिवारी व प्रतापभानू आदि मौजूद रहे।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सतीश कुमार पुत्र रामआसरे निवासी मोहल्ला हटिया परगना व तह0 बाँगरमऊ जिला उन्नाव ने पालिका कार्यालय मे दिनाँक 31-01-2026 को अपने आवेदन पत्र के साथ रजिस्टर्ड बैनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र, पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र,आधार कार्ड की छायप्रति व शपथ पत्र प्रस्तुत कर यह उल्लेख किया है कि प्रार्थी ने मोहल्ला भंगियाना/सिदार्थनगर बाँगरमऊ का एक किता प्लाट अपने भाई अनिल कुमार गुप्ता व विनीत के साथ मिलकर विक्रेता श्री मोहम्मद मोईन पुत्र सलामतुल्लाह व नुरुल हसन पुत्र हाजी अमीरुल हसन निवासी मोहल्ला गुलाम मुस्तफा पर0 व तह0 बाँगरमऊ जिला उन्नाव से जरिये रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 26-06-2021 को प्लाट क्रय कर गोड़े का निर्माण कर लिया है। जिसकी माप पूरब से पश्चिम 20 फिट व उत्तर से दक्षिण 55 फिट कुल माप 1100 वर्गफीट या 102.24 वर्गमीटर उक्त गोड़े की चौहदी निम्नलिखित है। पूरब- मकान सुमन पश्चिम- मकान मूलचन्द्र उत्तर- रास्ता खड़ंजा 15 फिट दक्षिण- प्लाट फिरोज आलम प्राथह्न के भाई अनिल कुमार गुप्ता की मृत्यु हो चुकी है। प्राथह्न ने अपने उपरोक्त गोड़े को पालिका कर पंजिका में कर की अदायगी के लिए अपनी माता निर्मला पत्नी स्वह्ररामआसरे, सतीश कुमार व विनीत पुत्रगण स्वह्र रामआसरे के नाम से दर्ज किये जाने की मांग की है प्रत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य आवेदन पत्र,रजिस्टर्ड बैनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र, परिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र, शपथ पत्र,आधार कार्ड की छायाप्रति के आधार पर यदि उक्त नामान्तरण प्रकिया को पूर्ण किये जाने मे किसी को कोई भी आपत्ति है। तो वह विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिन के अन्दर उक्त भवन से सम्बंधित सर्वमान्य रजिस्टर्ड साक्ष्य सहित मेरे समक्ष उपस्थित हो कर वह अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद मियाद गुजर जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा और उपरोक्त नामान्तरण प्रकिया को आवेदनकर्ता के पक्ष मे पूर्ण कर दिया जायेगा तत्पश्चात नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ की कोई जिम्मेदारी न होगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
बाँगरमऊ उन्नाव

संघर्ष के बिना सफलता नहीं मिलती।
–लाल बहादुर शास्त्री, पूर्व प्रधानमंत्री

असहज करते आंकड़े

लोकसभा में पेश देश की छह प्रमुख एयरलाइंस के सरकारी आंकड़े भारतीय नागरिक उड्डयन क्षेत्र को लेकर किंचित असहज करने वाले हैं। पिछले 13 महीनों में 377 विमानों में बार-बार आने वाली तकनीकी खराबियां तथा ऑडिट किए गए लगभग आधे विमानों में दोहराई जाने वाली गड़बड़ियां मिलना चिंता का सबब है। सवाल स्वाभाविक है कि क्या भारतीय विमान यात्रियों की यात्रा असुरक्षित हो चुकी है, इसके पीछे निजी विमानन की होड़ तथा नियामक एजेंसियों की विफलता कितनी जिम्मेदार है?

विमानन उद्योग में छोटी-मोटी तकनीकी खामियां सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा मानी जाती हैं। 'रिकरिंग डिफेक्ट' का अर्थ यह नहीं कि हर उड़ान दुर्घटना के कगार पर है। परंतु जब वही गड़बड़ी बार-बार सामने आए, तो यह रख-रखाव, निरीक्षण या प्रणालीगत खामी का संकेत हो सकता है, यही चिंताजनक है। भारत का नागरिक उड्डयन क्षेत्र पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ा है। सस्ती हवाई यात्रा और बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने यात्री संख्या में भारी वृद्धि की, पर रखरखाव, अवसंरचना और नियामकीय निगरानी उसी अनुपात में मजबूत नहीं हुई। डीजीसीए जैसी नियामक संस्था को विमानों की नियमित जांच, ऑडिट और अनुपालन सुनिश्चित करना होगा, क्योंकि एक ही प्रकार की खराबियों का दुहराव केवल एयरलाइंस की समस्या नहीं, बल्कि निगरानी तंत्र की भी परीक्षा है। देखना होगा कि लगातार खराबी के कारण क्या हैं, विमानों का पुराना होना, जिनमें तकनीकी समस्याओं की आशंका अधिक होती है, या फिर प्रतिस्पर्धा की होड़ में लागत घटाने का दबाव अक्सर मरम्मत और स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता को प्रभावित करने के साथ रखरखाव की गुणवत्ता पर असर डाल रहा है। इसके अलावा मानव संसाधन और प्रशिक्षण, तकनीकी कर्मियों की कमी या उनकी थकान भी इसकी वजह हो सकती है। हम विमान को जमीन पर रख कर राजस्व नुकसान के भय से सामान्य गड़बड़ी के बावजूद सीमित उड़ान की अनुमति दे देते हैं, जबकि अमेरिका और यूरोप में नियामक एजेंसियां काफी कठोर ऑडिट और दंडात्मक प्रावधान लागू करती हैं। उदाहरण के तौर पर, बोइंग 737 मैक्स संकट के बाद अमेरिकी नियामक ने पूरे बेड़े को ग्राउंड कर दिया था। यूरोप में भी गंभीर तकनीकी गड़बड़ी पर तत्काल उड़ान रोकने का प्रावधान है। भारत में भी ऐसी शक्तियां मौजूद हैं, परंतु उनका प्रयोग कितनी दृढ़ता से होता है, यही मूल प्रश्न है, हालांकि यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि भारत में हवाई यात्रा व्यापक रूप से असुरक्षित हो चुकी है। परंतु चेतावनी संकेत साफ हैं।

सरकार को डीजीसीए की क्षमता, तकनीकी स्टाफ और ऑडिट प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करना होगा। एयरलाइंस को लाभ से पहले सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। बेड़े का आधुनिकीकरण, पारदर्शी रख-रखाव रिपोर्टिंग और तकनीकी कर्मियों में निवेश अनिवार्य है। यात्रियों की भी भूमिका है। तकनीकी गड़बड़ी के कारण देरी पर असंतोष स्वाभाविक है, पर सुरक्षा जांच में समय लगना बेहतर है, बनिस्बत जोखिम उठाने के। शिकायत तंत्र का उपयोग, पारदर्शिता की मांग और जागरूकता, ये सब दबाव बनाते हैं कि प्रणाली बेहतर हो।

प्रसंगवश

बदले में हम पहाड़ों को क्या दे रहे हैं!

पहाड़ और समुद्र दो ऐसी चीजें हैं, जिनका आकर्षण कभी खत्म नहीं होता। मैदानी इलाकों में रहने वाले लोगों को पहाड़ हमेशा से अपनी ओर आकर्षित करते रहे हैं। आदमी के मन को बरबस अपनी और खींच लेने वाले पहाड़ सैलानियों को वर्षों से ठंडी हवाओं, एकांत शांति और सुकून का आश्वासन देते रहे हैं। आज भी पहाड़ का यह आश्वासन आदमी को अपनी ओर खींच कर मंत्र मुग्ध, चकित कर देता है, पर इन सबके बीच सवाल यह है कि हम पहाड़ को क्या दे रहे हैं? बीते वर्षों में पहाड़ पर जाने वालों का एक ऐसा तबका उभरा है, जो स्वयं पहाड़ की शांति में खलल डालने लगा है।

पुरानी अवधारणा के अनुसार पर्यटन और तीर्थाटन में ज्यादा अंतर नहीं था। सही मायने में तीर्थाटन के मतलब को समझा जाए, तो उसमें काफी दिक्कतें हैं, शारीरिक कष्ट शामिल हैं। उत्तराखंड के संदर्भ में तीर्थ यात्रा का मतलब यही दुख और कष्ट था। कल के हिसाब से पर्यटन का अर्थ था, एक लंबी यात्रा, जिसे गहरी आस्था और श्रद्धा के साथ लोग कष्टदायक नहीं मानते थे, लेकिन वर्तमान में ऐसा नहीं है। आज पर्यटन और तीर्थाटन दोनों के मतलब बदल गए है।

दीपक नौगांई
लेखक

गर्मियों में पहाड़ की ओर प्रस्थान करने का प्रबंध अंग्रेजों ने किया था। वे गर्मियों में अपनी राजधानी को दिल्ली से उठाकर नैनीताल या शिमला ले जाते थे। तब कई जगहों पर तो भारतीयों का प्रवेश एक तरह से वर्जित ही था, लेकिन आजादी की बाद पहाड़ अंग्रेजी साहबों के कब्जे से आजाद होकर हिंदुस्तानी साहबों के कब्जे में आ गए। बीते 10-15 सालों में पहाड़ पर जाने वाले लोगों की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। एक नए धनाढ्य वर्ग का जन्म हुआ है, जो वीकेंड पर सारे तामझाम के साथ अपने वैभव का प्रदर्शन करने हिल स्टेशन पहुंच जाता है।

पहाड़ तो हमेशा चुप रहते हैं। पता नहीं पहाड़ ऐसे सैलानियों को किसी विस्मय से देखते हैं या नहीं पर वे पहाड़ को किसी विस्मय से नहीं देखते। अगर झील नगरी नैनीताल की बात करें, तो अब यह एक कंक्रीट जंगल में बदल गया है। पहले जाड़ों में यहां बहुत कम पर्यटक आते थे, पर अब तो साल भर भीड़ रहती है। आज सब कुछ है पर शांति नहीं है। सीजन के समय मल्लीताल बाजार से नीचे उतरें, तो फ्लैट कारों से भरा दिखेगा और माल रोड पर तिल रखने की जगह नहीं मिलेगी।

स्थानीय कारोबारियों की बात करें, तो वे करें भी तो क्या करें। पर्यटकों से ही तो उनकी कमाई है, इसलिए वे पर्यटकों के हर नाज-नखरे सहने को बाध्य हैं। होटल वाले खुश हैं कि पर्यटकों की भीड़ है, पर कोई पहाड़ से पूछे कि उसके क्या हालात हैं। क्या पर्यटकों की भीड़ से पहाड़ खुश हैं। इस तरह का पर्यटन पहाड़ विरोधी सभ्यता को जन्म देता है, जो किसी न किसी रूप में पहाड़ के गरिमामय जीवन के मूल्यों पर एक तरह से कुठाराघात ही करता है। क्या नैनीताल, मसूरी, शिमला या कुल्लू मनाली इस तरह के पर्यटन और पर्यटकों की भीड़ को सहने का सामर्थ्य रखते हैं।

नए सैलानी आज अपनी चीजों और पैसों का प्रदर्शन करने ही पहाड़ जाते हैं। पहाड़ क्या चाहता है, उन्हें इससे कोई मतलब नहीं। देखा जाए तो आज पहाड़ों में बचा ही क्या है? पेड़ों को काटकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। सड़कें चौड़ी की जा रही हैं, ताकि लोग आराम से अपनी महंगी गाड़ियों में बैठकर पहाड़ को रौंद सके। अब इससे पहाड़ धंस जाए और भूस्खलन ज्यादा होने लगे, तो इससे किसी को क्या मतलब। कल क्या होगा इसकी चिंता आज क्यों करे आदमी?

प्रधानमंत्री का मलेशिया दौरा और उम्मीदें

प्रो. आरके जैन
शिक्षाविद्

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7-8 फरवरी को मलेशिया दौरे पर जा रहे हैं। अनवर इब्राहिम के आमंत्रण पर हो रहा यह दौरा भारत की एक्ट ईस्ट नीति को नई ऊर्जा देगा। यह यात्रा भविष्य की वैश्विक रणनीति को दिशा देने वाला कदम माना जा रहा है।

जब एशिया की जियोपॉलिटिक्स अनिश्चितता और प्रतिस्पर्धा की तेज लहरों से घिरी हुई है, ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 7-8 फरवरी का मलेशिया दौरा दूरदर्शी कदम के रूप में उभरता है। अगस्त 2024 में संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी में उन्नत करने के बाद यह पहला बड़ा अवसर है, जब दोनों देश अपने संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की तैयारी में हैं। अनवर इब्राहिम के आमंत्रण पर हो रहा यह दौरा भारत की एक्ट ईस्ट नीति को नई ऊर्जा देगा और चीन की बढ़ती सक्रियता के बीच संतुलन का स्पष्ट, सशक्त और आत्मविश्वासी संदेश भी प्रस्तुत करेगा।

भारत और मलेशिया के द्विपक्षीय संबंध अब औपचारिकताओं की सीमाओं से निकलकर आपसी विश्वास, सहयोग और साझेदारी की गहराई तक पहुंच चुके हैं। लगभग 2.9 मिलियन भारतीय मूल के नागरिक मलेशिया में दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक सेतु की भूमिका निभा रहे हैं। यही सशक्त डायस्पोरा भारत की सॉफ्ट पावर को वैश्विक मंच पर मजबूती प्रदान करता है। मोदी और अनवर की मुलाकात में व्यापार, निवेश, डिफेंस, सुरक्षा, डिजिटल और फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी जैसे अहम विषयों पर ठोस और दूरगामी निर्णय होने की पूरी संभावना है। दसवां इंडिया-मलेशिया सीईओ फोरम इस यात्रा का प्रमुख आकर्षण होगा, जहां भविष्य की आर्थिक साझेदारियों की मजबूत नींव रखी जाएगी।

व्यापार के क्षेत्र में यह यात्रा एक निर्णायक और परिवर्तनकारी मोड़ साबित हो सकती है। मलेशिया का पाम ऑयल, इलेक्ट्रॉनिक्स और तेल-गैस संसाधन भारत की बढ़ती आवश्यकताओं को मजबूती देंगे, जबकि भारतीय आईटी, फार्मा और स्टार्टअप सेक्टर मलेशियाई बाजार में नए अवसरों की खोज करेंगे। दोनों देश व्यापारिक बाधाओं को कम करने, लॉजिस्टिक्स व्यवस्था सुधारने और सप्लाई चेन को सशक्त बनाने पर ठोस सहमति बना सकते हैं। इंडो-पैसिफिक व्यापार गलियारों को गति देकर चीन पर निर्भरता घटाने का प्रयास भी इस एजेंडे का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा।

ऊर्जा क्षेत्र में यह दौरा भविष्य की हरित क्रांति की मजबूत आधारशिला रखने की पूरी क्षमता रखता है। रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, क्लीन टेक्नोलॉजी और ऊर्जा संक्रमण पर सहयोग के नए द्वार खुलने की प्रबल संभावना है। मलेशिया के तेल और गैस संसाधन भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ बनाएंगे, जबकि भारत की उन्नत सोलर और विंड तकनीक मलेशिया को नेट-जीरो लक्ष्य के और अधिक निकट पहुंचाएगी। ऊर्जा संक्रमण से जुड़े संभावित समझौते दोनों देशों को जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध एक साझा और प्रभावी मोर्चे पर खड़ा करेंगे। यह साझेदारी आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन का प्रेरणादायक उदाहरण बनेगी।

मैरिटाइम सिक्योरिटी इस यात्रा का सबसे संवेदनशील, रणनीतिक और महत्वपूर्ण पक्ष है। दक्षिण चीन सागर में बढ़ते तनाव के बीच भारत और मलेशिया का नौसैनिक सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अनिवार्य बन चुका है। संयुक्त सैन्य अभ्यास, इंटेलिजेंस शेयरिंग और मैरिटाइम डोमेन अवेयरनेस को मजबूत करना प्रमुख प्राथमिकता होगी। मलक्का जलडमरू मध्य की सुरक्षा वैश्विक व्यापार की जीवनरेखा है, जिसकी स्थिरता दोनों देशों के साझा हितों से जुड़ी है। यह सहयोग समुद्री सुरक्षा को नई दिशा देगा, जहां साझेदारी टकराव पर भारी पड़ेगी।

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत की नेतृत्व भूमिका इस दौरे के माध्यम से और अधिक सुदृढ़ तथा प्रभावशाली होगी। एक्ट ईस्ट नीति और मलेशिया की लुक ईस्ट रणनीति का संगम एक मजबूत और संतुलित क्षेत्रीय ढांचा तैयार करेगा। इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क पर होने वाली चर्चा सुरक्षित, पारदर्शी और स्थिर व्यापार मार्गों के विकास में सहायक होगी। क्वाड, आसियान और इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क के साथ समन्वय बढ़ने से क्षेत्र में संतुलित शक्ति व्यवस्था स्थापित होगी। निवेश के क्षेत्र में यह यात्रा अवसरों के नए द्वार खोलने वाली सिद्ध होगी।

मलेशियाई कंपनियां मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियानों में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बन सकती हैं। सीईओ फोरम में होने वाले समझौते रोजगार सृजन, नवाचार और तकनीकी हस्तांतरण को नई गति प्रदान करेंगे। भारतीय प्रवासी समुदाय निवेशकों और सरकारों के बीच एक मजबूत सेतु की भूमिका निभाएगा। मोदी की उद्योगपतियों से मुलाकात एफडीआई को विशेष रूप से ग्रीन एनर्जी, सेमीकंडक्टर, मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल टेक्नोलॉजी क्षेत्रों में प्रोत्साहित करेगी। यह निवेश साझेदारी आपसी विश्वास, स्थायित्व और दीर्घकालिक सहयोग का मजबूत आधार बनेगी।

सॉफ्ट पावर के क्षेत्र में भी यह दौरा गहरा और दूरगामी प्रभाव डालेगा। स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति और हेल्थ टेक में बढ़ता सहयोग द्विपक्षीय संबंधों को मानवीय और संवेदनशील आधार प्रदान करेगा। महामारी के बाद हेल्थ टेक और वैक्सीन सहयोग की बढ़ती अहमियत इस साझेदारी को और सुदृढ़ बनाएगी। छात्र विनिमय कार्यक्रम और शोध साझेदारियां ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती देंगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और जन-संपर्क से दोनों समाजों के बीच भावनात्मक जुड़ाव गहरा होगा। यह यात्रा प्रमाणित करेगी कि कूटनीति केवल समझौतों तक सीमित नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने वाली निरंतर प्रक्रिया भी है।

यह केवल दो देशों की औपचारिक मुलाकात नहीं, बल्कि एशिया के भविष्य की दिशा तय करने वाला रणनीतिक प्रयास है। भारत-मलेशिया साझेदारी वैश्विक चुनौतियों के सामने एक सशक्त और अटूट दीवार बनकर उभरेगी। यह यात्रा उम्मीद, आत्मविश्वास और रणनीतिक दूरदृष्टि की प्रतीक बनकर इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगी।

आमने सामने

उत्तर के लोग तमिलनाडु में टेबल साफ करने आ रहे हैं। वे यहां मजदूरी, पानी पूरी बेचने आते हैं, क्योंकि उन्होंने सिर्फ हिंदी सीखी है। इसके उलट हमारे बच्चे विदेश जाते हैं, क्योंकि हम दो-भाषा नीति का पालन करते हैं और हमने अंग्रेजी अच्छी तरह सीखी है।

–एमआरके पनीरसेल्वम
कृषि मंत्री, तमिलनाडु सरकार

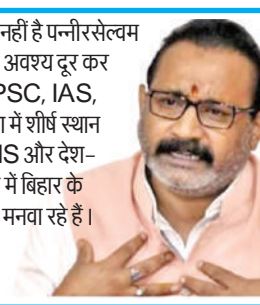

आपकी कुंठा का इलाज तो नहीं है पन्नीरसेल्वम जी, लेकिन आपकी भ्रांतियां अवश्य दूर कर सकता हूं। यहां के बच्चे UPSC, IAS, IPS जैसी परीक्षाओं में देश में शीर्ष स्थान प्राप्त करते हैं। IIT, AIIMS और देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में बिहार के युवा अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं।

–अशोक चौधरी
मंत्री, बिहार सरकार

एआई किसानों के लिए क्रांति या संकट!

जयदेव राठी
अधिवक्ता

एआई आधारित सिस्टम यह बता सकता है कि किस खेत के किस हिस्से में कितना पानी, उर्वरक या कीटनाशक चाहिए।

भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले कृषि क्षेत्र के लिए केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को एक गेम चेंजर के रूप में पेश किया है। अपने बजट भाषण में उन्होंने रिकॉर्ड 11 बार एआई का जिक्र किया और 'भारत विस्तार' नामक एक बहुभाषी एआई प्लेटफॉर्म की घोषणा की। सवाल यह है कि क्या यह तकनीकी हस्तक्षेप वाकई भारत के लगभग 14 करोड़ किसानों की तस्वीर बदल सकेगा, या यह महज एक और सरकारी घोषणा बनकर रह जाएगी?

बजट में कृषि क्षेत्र के लिए 1.62 लाख करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया गया है, जो पिछले वर्ष से लगभग 7% अधिक है। इसमें सबसे उल्लेखनीय है 'भारत विस्तार' प्लेटफॉर्म की स्थापना। यह एक बहुभाषी एआई टूल है, जो एग्रीस्टैक पोर्टल और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) की सत्यापित कृषि पद्धतियों को एआई सिस्टम के साथ एकीकृत करेगा।

इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसानों को कई सुविधाएं मिलेंगी। मिट्टी की गुणवत्ता, जलवायु परिस्थितियों और फसल के आधार पर विशिष्ट सुझाव। सटीक और स्थानीय मौसम की जानकारी, जो सिंचाई और बुआई के फैसलों में मदद करेगी। फसलों में लगने वाली बीमारियों की शीघ्र पहचान और समाधान। फसलों के सही दाम और बाजार की मांग की जानकारी। किसानों को उनकी अपनी भाषा में सलाह, जिससे डिजिटल विभाजन कम होगा। इसके अतिरिक्त, बजट में 'कृषि साथी' नामक एआई चैटबॉट की भी घोषणा की गई है, जो वॉयस और वीडियो के माध्यम से किसानों के सवालों का जवाब देगा। पशुपालन क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने के लिए क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी कार्यक्रम, नारियल प्रोत्साहन योजना जो एक करोड़ किसानों समेत तीन करोड़ लोगों को लाभान्वित करेगी और 500 जलाशयों के एकीकृत विकास की भी योजना है।

आधुनिक तकनीक और एआई के सही इस्तेमाल से कृषि क्षेत्र में कई सकारात्मक बदलाव संभव हैं। सबसे पहले, प्रिसिजन फार्मिंग के माध्यम से संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग किया जा सकता है। एआई आधारित सिस्टम यह बता सकता है कि किस खेत के किस हिस्से में कितना पानी, उर्वरक या कीटनाशक चाहिए, जिससे लागत में 20-30% तक की कमी आ सकती है।

दूसरा, समय पर सही जानकारी मिलने से फसल उत्पादकता में वृद्धि होगी। मौसम का सटीक पूर्वानुमान, बीमारियों की शीघ्र पहचान और बाजार की सही जानकारी से किसान बेहतर फैसले ले सकेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे उपज में 15-25% तक की वृद्धि संभव है। तीसरा, जोखिम प्रबंधन में सुधार होगा। एआई सिस्टम ऐतिहासिक डेटा और वर्तमान परिस्थितियों के विश्लेषण से फसल विफलता के जोखिम को पहले से भांप सकता है और निवारक उपाय सुझा सकता है। यह खासकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जो एक ही फसल पर निर्भर रहते हैं।

चौथा, बाजार से बेहतर जुड़ाव मिलेगा। डिजिटल प्लेटफॉर्म किसानों को सीधे खरीदारों से जोड़ सकते हैं, बिचौलियों की भूमिका कम कर सकते हैं और किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिला सकते हैं। कई किसान संगठन और कृषि स्टार्टअप इस दिशा में पहले से काम कर रहे हैं।

एआई की इन संभावनाओं के बावजूद, भारतीय कृषि क्षेत्र में इसके व्यापक कार्यान्वयन में कई गंभीर चुनौतियां हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में, खासकर छोटे और सीमांत किसानों में डिजिटल साक्षरता की गंभीर कमी है। जो किसान 85% कृषक समुदाय का हिस्सा हैं, उनमें से अधिकांश स्मार्टफोन का बुनियादी उपयोग तो कर लेते हैं, लेकिन एआई-आधारित जटिल एप्लिकेशन का इस्तेमाल करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण है। एक औसत भारतीय किसान की उम्र 50 वर्ष से अधिक है और उनमें से कई अनपढ़ या अर्ध-साक्षर हैं।

यदि 'भारत विस्तार' जैसे प्लेटफॉर्म को सफल बनाना है, तो सिर्फ बहुभाषी इंटरफेस काफी नहीं है। किसानों को इन तकनीकों के उपयोग का व्यापक प्रशिक्षण देना होगा, जिसके लिए जमीनी स्तर पर कृषि विस्तार कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या में आवश्यकता होगी। भारत के लगभग 6.44 लाख गांवों में से 6.13 लाख से अधिक गांवों में 3G/4G इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध हैं। बाकि गांवों में अभी भी मोबाइल कनेक्टिविटी और इंटरनेट की सुविधा नहीं है, जहां इंटरनेट उपलब्ध है, वहां भी कनेक्टिविटी अस्थिर और धीमी है।

एआई-आधारित प्लेटफॉर्म को काम करने के लिए स्थिर और तेज इंटरनेट कनेक्शन की जरूरत होती है। बिना मजबूत डिजिटल अवसंरचना के, ये सारी योजनाएं कागज पर ही रह जाएंगी। सरकार ने प्रधानमंत्री वाई-फाई एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस (पीएम-वाणी) और भारतनेट परियोजना के माध्यम से ग्रामीण कनेक्टिविटी बढ़ाने की कोशिश की है, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका कार्यान्वयन अभी भी अपर्याप्त है।

सोशल फोरम

पीर डोले शाह के 'चूहे'

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के गुजरात जिले में पीर डोले शाह की मज़ार है। पीर साहब का दावा था कि वो बांझ औरतों को औलाद दे सकते हैं, परंतु उनकी शर्त ये थी कि औरतें अपना पहला बच्चा उनकी दरगाह पर पीर की सेवा के लिए छोड़ जाएंगी। ये परंपरा आज तक चली आ रही है। एक अनुमान के मुताबिक़ पिछले तीन सौ साल में एक लाख से ज़्यादा बच्चे दरगाह की नज़र किए गए।

रंजन शर्मा
रिटायर्ड अफसर

ये बच्चे जो दरगाह पर पल कर बड़े होते थे, इनकी खासियत ये थी की ये अपनी उम्र के हिसाब से शारीरिक तौर पर तो लम्बे-चौड़े, हष्ट-पुष्ट हो जाते थे, परंतु इनका सर एक-दो साल के बच्चे जितना बड़ा ही रहता था। साथ में ये मंदबुद्धि भी होते थे। दरगाह इनसे भीख मंगवा कर अपनी कमाई करती थी।

इसका कारण यह था कि यहां छोड़े गए साल-दो-साल के मासूम बच्चों को इसी उम्र से सर पर एक लोहे का हेलमेट पहना कर कस दिया जाता था। ये लोहे की टोपी सालों तक बंधी रहती थी। इससे इन बच्चों के सर के बनावट उतनी ही रह जाती थी और साथ में इनका मानसिक विकास भी रुक जाता था। इनको 'चूहों' का नाम दिया जाता था और इन्हे भीख मांगने के लिए दूर-दूर तक भेजा जाता था।

दरगाह पर हो रही इस अमानवीय हरकत की ख़बर अंग्रेज़ी हुक़ूमत तक पहुंची तो उसने इसकी जांच कराई, परंतु सबूतों और गवाहों के अभाव में ये साबित नहीं हो सका कि यहां पर रह रहे बच्चों की शारीरिक और मानसिक अपंगता का कारण क्या है?

हुक़ूमत की दख़ल के चलते दरगाह के स्थानीय अक़ीदतमंदों (श्रद्धालुओं) में नाराज़गी भी पनपने लगी। अतः अंग्रेज़ अधिकारियों ने इसे 'माइक्रोसेफली' नामक बीमारी का नाम देकर पल्ला झाड़ लिया। परंतु वो ये नहीं समझा पाए कि ये बीमारी सिर्फ दरगाह विशेष के बच्चों तक ही क्यों सीमित है?

आज़ादी के बाद भी इस मज़ार पर 'चूहों' की संख्या बेरोक-टोक बढ़ती गई। 1969 में तत्कालीन फौज़ी तानाशाह जनरल अयूब खान के आदेश पर पाकिस्तान के वक़्फ़ विभाग ने मज़ार का अधिग्रहण कर लिया। इसके चलते नए 'चूहों' की संख्या में कुछ अंतर आया, परन्तु 1977 में पाकिस्तान के तीसरे फौज़ी तानाशाह जनरल ज़िया उल हक़ की हुक़ूमत के दौरान मौलवियों की मनमानी फ़िर से शुरू हो गई। नतीजतन आज भी गुजरात शहर में दस हज़ार से ज़्यादा 'चूहे' भीख मांग कर दरगाह का खज़ाना भर रहे हैं और एक नारकीय ज़िन्दगी जीने के लिए अभिशप्त हैं। –फेसबुक वॉल से

सामयिकी

महिला हिंसा सिर्फ घर का मामला नहीं होता

'हम औरतों की बहुत इज्जत करते हैं।' गांवों में यह वाक्य कई बार सुनने को मिलता है। पुरुषों के लिए यह एक सामान्य वाक्य था, लेकिन महिलाओं की खामोशी इसके बिल्कुल उलट कहानी कहती है। बातचीत के दौरान जैसे ही शारीरिक हिंसा का विषय आता है, महिलाओं के शब्द रुक जाते हैं और आवाज़ धीमी हो जाती है। जैसे वह इस शब्द का अर्थ अच्छे से समझ रही हों, लेकिन समाज का डर उन्हें इस पर बात करने से रोक रहा था।

गांवों में जब महिलाओं से लैंगिक हिंसा पर बात की जाती है तो शुरुआत में उनका जवाब होता है, 'थोड़ी-बहुत होती है', लेकिन उनके चेहरे और हावभाव बता देते हैं कि सच्चाई इससे कहीं ज़्यादा गहरी है। वे खुलकर बात करने से डरती हैं। वहीं जब पुरुषों से इस विषय पर सवाल किया जाता है, तो उनका जवाब लगभग एक-जैसा होता है, 'हम अपनी औरतों की बहुत इज़्ज़त करते हैं, उन्हें पूरी आज़ादी दी है।'

जिया कर्मियाल
एक्टिविस्ट

उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों से घिरे गांव जखेड़ा की आबादी लगभग 600 के करीब है। आर्थिक रूप से कमजोर यह गांव शिक्षा के क्षेत्र में भी बहुत अधिक समृद्ध नहीं है। गांव की अधिकतर आबादी कृषि पर निर्भर है। सरकारी सेवा में उपस्थिति लगभग नगण्य है। किसानी के अलावा अधिकतर युवा सेना में कार्यरत हैं। वहीं 12वीं के बाद ज़्यादातर लड़कियों की शादी कर दी जाती है। ऐसे में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इस गांव की बहुत कम लड़कियां पहुंच पाती हैं। बालिका शिक्षा का कम दर ही लैंगिक हिंसा को उभरने का मौका देता है।

गांव में बातचीत से यह भी महसूस हुआ कि सामान्य समस्याओं पर तो लोग खुलकर बातचीत करते हैं, समाधान खोजने का प्रयास करते हैं, लेकिन जैसे ही बात महिलाओं पर होने वाली हिंसा की आती है, या तो खामोशी छा जाती है या फिर इसे स्वीकार करने से ही इंकार कर देते हैं। जाहिर है कि यह इंकार पुरुषों की तरफ से आया था, लेकिन महिलाओं की खामोशी सच को बयां करने के लिए काफी था। शायद उनकी इस चुप्पी के पीछे जागरूकता की कमी, सामाजिक दबाव और बदनामी का डर होगा।

अगर हम इन अनुभवों को व्यापक संदर्भ में देखें, तो तस्वीर और भी चिंताजनक हो जाती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में हर साल घरेलू हिंसा के हजारों केस दर्ज होते हैं। देशभर में महिलाओं के खिलाफ दर्ज अपराधों की संख्या चार लाख से अधिक है। यह वह आंकड़े हैं जो रिपोर्टों में दर्ज होते हैं, जबकि अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को घर का मामला बता कर दर्ज किया ही नहीं जाता है।

उत्तराखंड जैसे शांत और पहाड़ी राज्य की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। यहां दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और यौन अपराधों के मामलों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। राज्य में हर साल सैकड़ों ऐसे मामले सामने आते हैं, जो बताते हैं कि प्राकृतिक सुंदरता के बीच भी महिलाओं की ज़िंदगी सुरक्षित नहीं कही जा सकती है। इन आंकड़ों और जमीनी अनुभवों को जोड़कर देखें, तो यह साफ हो जाता है कि समस्या कानून की कमी की नहीं, बल्कि कार्यान्वयन, सामाजिक सोच और चुप्पी की संस्कृति की है। जब तक हिंसा को 'घर का मामला' कहकर टाल दिया जाएगा, तब तक महिलाएं न्याय और सुरक्षा से दूर ही रहेंगी।

सवाल उठता है कि क्या महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए, अपने सम्मान के लिए और अपनी सुरक्षा के लिए खुद खड़े होने का पूरा मौका मिलता है? और सबसे अहम सवाल क्या हमारे समाज में महिलाएं कभी सच में हिंसा मुक्त जीवन जी पाएंगी?

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

उत्कृष्ट वास्तुकला

घनपुर गांव उत्कृष्ट काकतीय वास्तुकला वाले कोटा गुल्लू मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। यहां इन मंदिरों का निर्माण 13 वीं शताब्दी के आरंभ में काकतीय वंश के राजा गणपति देव के शासनकाल में हुआ था। प्रसिद्ध रामप्पा मंदिर से 12 किमी दूरी पर स्थित ये मंदिर चालुक्य और काकतीय शैलियों के मिश्रण हैं। 14 वीं और 16 वीं शताब्दी के बीच मुस्लिम सेनाओं के हमलों तथा 17 वीं शताब्दी में इस इलाके में आए बड़े भूकंप में इन मंदिरों को काफी नुकसान पहुंचा था। यहां जटिल नक्काशीदार लाल बलुआ पत्थर के मंदिर, किलेबंद परिसर और खूबसूरती से डिजाइन किए गए स्तंभों वाले हॉल मध्यकालीन तेलंगाना के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक-राजनीतिक जीवन की झलक प्रस्तुत करते हैं। इसी कारण यह परिसर इतिहास और वास्तुकला प्रेमियों के साथ आध्यात्मिक यात्रियों के लिए दर्शनीय स्थल है।

काकतीय विरासत की यात्रा वारंगल और कोटा गुल्लू

राजीव सक्सेना
वरिष्ठ पत्रकार, नोएडा

हैदराबाद घूमने के बाद हमारा अगला पड़ाव तेलंगाना राज्य का दूसरा सबसे बड़ा शहर वारंगल था। सड़क मार्ग से लगभग 170 किलोमीटर की दूरी हमने रास्ते में एक जगह रुकते हुए चार घंटे में तय कर ली। वारंगल एक ऐतिहासिक शहर होने के साथ मंदिरों और स्मारकों की भूमि है। इसे किंवदंतियों का शहर भी कहा जाता है। 12वीं से 15वीं शताब्दी के बीच यह काकतीय राजवंश की राजधानी था। वारंगल का गौरवशाली अतीत यहां के स्मारकों में देखा जा सकता है। वारंगल किला, हजार स्तंभों वाला मंदिर, वीरनारायण मंदिर, काकातिया रॉक गार्डन आदि की सैर के बाद हमने घनपुर जाकर कोटा गुल्लू मंदिरों को देखने का निर्णय लिया। यह स्थान वारंगल से करीब 55 किमी दूर स्थित है। स्थानीय भाषा में कोटा गुल्लू का अर्थ 'किले के अंदर मंदिर' बताया गया।

यात्रा का जीवंत केंद्र

मंदिर के लगभग 200 मीटर आगे चबूतरों पर शिलालेख वाले पत्थर और मूर्तियां स्थापित हैं। इनमें भगवान शिव और विष्णु के खड़ी मुद्रा में विभिन्न रूप दर्शाए गए हैं। यहां सबसे खास सभा मंडप के बरामदे हैं। बरामदे के उत्तरी हिस्से में दो मदनिकाएं दिखाई देती हैं। पूर्वी और दक्षिणी बरामदे गज केसरी की कई पौराणिक आकृतियों से सुशोभित हैं, जो हाथी पर सवार आधे मानव-आधे शेर की आकृति हैं और हाथी पर घोड़े के सिर वाले शेर की पीठ है। कोटा गुल्लू वास्तव में स्थापत्य चमत्कार के साथ पूजा और तीर्थयात्रा का जीवंत केंद्र है। आसपास के जिलों से श्रद्धालु नियमित रूप से मंदिरों में प्रार्थना करने और स्थानीय अनुष्ठानों में भाग लेने आते हैं।

60 स्तंभों वाला नाट्य मंडपम

कोटा गुल्लू में 22 मंदिर हैं, जो आकार और डिजाइन में अलग-अलग होने के साथ काकतीय लोगों का अद्भुत वास्तुशिल्प प्रदर्शित करते हैं। मुख्य मंदिर, गणपेश्वरलयम , भगवान शिव को समर्पित है और काफी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। इसके गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग की पूजा की जाती है। गर्भगृह के सामने 60 स्तंभों वाला नाट्य मंडपम है, जिसमें तीन तरफ से प्रवेश द्वार और एक बरामदा है। गर्भगृह के द्वार के चौखटों पर द्वारपालों और उनके सेवकों की मूर्तियां बनी हुई हैं। मंडपम में दो सिर कटे ऋषियों की मूर्तियां हैं। मंदिर की वास्तुकला में जटिल नक्काशी और टिकाऊ लाल बलुआ पत्थर का इस्तेमाल किया गया है। मुख्य मंदिर के चारों ओर पंक्तियों में व्यवस्थित 19 सहायक मंदिर हैं, साथ ही उत्तर दिशा में एक और शिव मंदिर है। मंडपम के स्तंभ काकतीय वास्तुकला के अनुसार तराशे गए हैं और इनमें छत के बिना बीम लगे हैं। सामने की दीवारों पर देवी-देवताओं, नर्तकियों, संगीतकारों, मदनिकियों, शेरों की सुंदर मूर्तियां बनी हुई हैं।

कहां गए शांत और सुंदर पहाड़

हरीश उप्रेती करन
हल्द्वानी

पहाड़ पहले कितना शांत, सुंदर और आत्मिक सुख देने वाला हुआ करता थे। हर सुबह पक्षियों की चहचहाहट से खुलती थी, ठंडी हवा की सरसराहट से शरीर में नया जीवन भर जाता था और हर दिशा में हरियाली ऐसे लहराती थी मानो कुदरत खुद हमें आशीर्वाद दे रही हो। तब का जीवन कठिन जरूर था, पर उसमें एक मिठास थी, एक अपनापन था और सबसे बड़ी बात, एक सुरक्षित भविष्य का आभास था। बारिश तब भी होती थी। हम उसे सतझड़ कहते थे।

गांव के चारों ओर बहने वाले गधेरे (छोटे बरसाती नाले) गुस्से से सरसराते हुए बहते थे, जैसे कोई नागिन अपनी पूरी ताकत से अपनी राह बना रही हो। दूर तक फैली पहाड़ियों पर पानी ऐसे गिरता था मानो सैकड़ों झरने एक साथ फूट पड़े हों। पानी, हरियाली और प्रकृति की लयबद्ध ध्वनि यही था मेरा पहाड़, लेकिन पर आज अब तो हर दिशा में बस त्रासदी है। अब गधेरे जीवन के संकेत नहीं, बल्कि तबाही की आहट है। पानी अब जीवन नहीं, मृत्यु का संदेश लेकर आता है।

अब जब बारिश होती है, तो मन में सुकून नहीं डर पैदा होता है, कहीं भूस्खलन न हो जाए, कहीं किसी का घर जमींदोज न हो जाए। कभी प्रकृति की गोद में लोरी सुनता मेरा पहाड़ आज कराह रहा है। किसकी नजर लग गई मेरे पहाड़ को?

अब समझ आता है, यह प्राकृतिक नहीं, मानवीय त्रासदी है। आज मेरे पहाड़ की रगों में बहते पानी पर खनन माफियाओं की नजर है। जिन खेतों में हम फसलें उगाते थे, उन पर अब भू-माफियाओं की कुदृष्टि है, जो जंगल कभी हमें

जीवन देते थे, उन्हें वन माफिया बेरहमी से काट रहे हैं। यह सब एक संगठित तंत्र के तहत हो रहा है, जिसमें सरकारें भी शामिल हैं। सरकार अब पहाड़ों को बस 'टूरिज्म जोन' मानकर देखती है। मंदिरों की भी पवित्रता अब बाजार में तौल दी गई है, जो स्थान कभी साधना और एकांतवास के प्रतीक थे, आज वहां पर्यटकों की भीड़ है। कैमरे, हंसी-ठिठोली, शोर और प्रदूषण। न देवी-देवताओं को एकांत मिल रहा है, न पहाड़ को चैन। ऐसे में अगर शिवजी अपना तीसरा नेत्र खोलें, तो क्या गलत होगा? हमने पहाड़ की आत्मा को छलनी कर दिया है। खनन के लिए पहाड़ों का सीना चीरा जा रहा है, सड़कों के नाम पर पेड़ों की कतारें साफ की जा रही हैं, बड़े-बड़े होटल और अट्टालिकाएं बन रही हैं, जिनका फायदा केवल बाहरी लोगों को है और जब ये पहाड़ टूटते हैं, जब मलबा गांवों को बहा ले जाता है, तो मारे जाते हैं स्थानीय लोग, जिनका कसूर बस इतना है कि वे यहां रहते हैं। किसी को उनके दर्द की परवाह नहीं है। सरकारी फाइलों में बस आंकड़े दर्ज होते हैं, इतने मरे, इतना नुकसान हुआ, लेकिन उन आंकड़ों के पीछे जो जिंदगियां हैं, जो सपने हैं, उनका क्या? और सबसे दुखद बात यह है कि यह सब जानते हुए भी कोई कुछ नहीं करता। बहती गंगा में सभी हाथ धो रहे हैं। पहाड़ की आत्मा हर रोज मरती जा रही है। अब भी वक्त है, अगर अब भी नहीं चेते, तो वह दिन दूर नहीं, जब पहाड़ हमारे बचपन की स्मृति बनकर रह जाएंगे और आज के बच्चों को हम सिर्फ कहानियों में बताएंगे कि कभी यहां शांति हुआ करती थी, कभी यह धरती स्वर्ग से कम नहीं थी। क्या हम ऐसा पहाड़ अपने आने वाली पीढ़ियों को देना चाहते हैं? सोचना होगा, नहीं तो पहाड़ फिर टूटेगा और अगली बार शायद संभलने का मौका भी न मिले।

पहली जिम्मेदारी का एहसास औपचारिकताओं की चुनौती

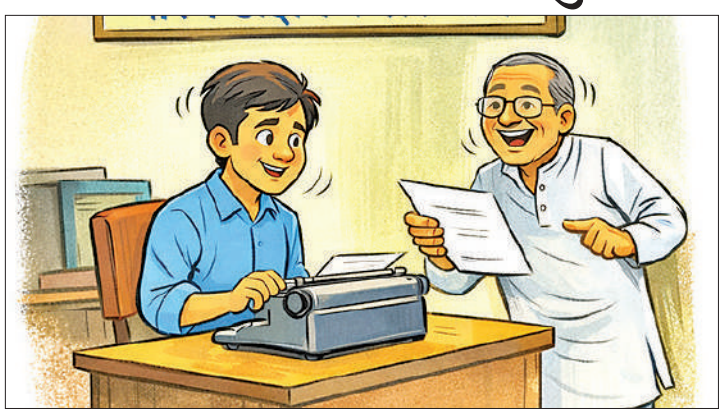

जॉब का पहला दिन

वर्ष 2001 को मैं शिक्षण संस्थान (गौरव टाइपिंग इंस्टिट्यूट), ईदगाह कॉलोनी में अपनी टाइपिंग मशीन पर अभ्यास कर रहा था। तभी लगभग सायं 6:00 बजे शिक्षक/मार्गदर्शक बनारसी तिवारी जी ने खुशखबरी दी कि मेरा चयन समूह 'घ' भर्ती परीक्षा 2001 के अंतर्गत तहसील कानपुर देहात में आशुलिपिक पद पर हो गया है। उन्होंने बताया कि दिनांक 1 दिसंबर को मूसानगर, कानपुर देहात में मुख्यमंत्री की रैली में नियुक्ति-पत्र प्राप्त होगा। यह समाचार सुनकर हम सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाइयां दीं और रात 9:00 बजे घर लौट आया।

नयन कुमार सोनकर
ओ.एस.डी., जिलाधिकारी
कानपुर नगर

1 दिसंबर की सुबह 6:00 बजे तैयार होकर संस्थान पहुंचा। वहां मेरे साथ उसी संस्थान के अन्य चयनित साथी भी उपस्थित थे। 6:15 बजे सफेद रंग की एम्बेसडर कार आई, जिसमें जिला अधिकारी कार्यालय, कानपुर देहात में कार्यरत वरिष्ठ लिपिक हमें लेने आए। हम कार से ईदगाह कॉलोनी से निकलकर शहर पार करते हुए घाटमपुर तहसील पहुंचे और वहां से सामान्य लिपिक कलेक्टरेट को साथ लेकर मूसानगर के लिए रवाना हुए। रास्ते में उन्होंने हमें आश्वस्त किया कि रैली में उच्च अधिकारी उपस्थित रहेंगे, इसलिए घबराने की आवश्यकता नहीं है, जैसा बताया जाए, वैसा ही करना है।

कुछ समय बाद मुख्यमंत्री रैली में पहुंचे। जनता का अभिनंदन अत्यंत दर्शनीय और उल्लासपूर्ण था। रैली के दौरान ही नियुक्ति-पत्र वितरण आरंभ हुआ। पहले मेरे एक साथी का नाम पुकारा गया, फिर मुझे मंच पर बुलाया गया। जब माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपने हाथों से मुझे नियुक्ति-पत्र प्रदान किया, तो वह क्षण मेरे लिए अत्यंत भावुक और अविस्मरणीय था। उन्होंने सभी को बधाई देते हुए परिश्रम और लगन से कार्य करने की सीख दी।

रैली समाप्त होने के बाद हम उसी मार्ग से लौट आए। 2 दिसंबर को रविवार होने के कारण विश्राम किया। अगले दिन ज्वाइनिंग के लिए आवश्यक कागज तैयार कराए। निर्देश मिला कि मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय से स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र बनवाकर, आवश्यक अभिलेखों सहित उप जिलाधिकारी, रसूलाबाद कार्यालय में योगदान प्रस्तुत करना है। एक मोटरसाइकिल सवार की सहायता से मैं सायं 5:40 बजे उप जिलाधिकारी महोदय के आवास पहुंचा और नियुक्ति-पत्र व अभिलेख प्रस्तुत किए। अनुमति मिलने पर जॉइनिंग रिपोर्ट टाइप कराने का निर्देश मिला।

कार्यालय में जॉइनिंग रिपोर्ट टाइप की। समय 6:00 बजे के आसपास हो गया, इसलिए अंतिम बस पकड़ने की सलाह दी गई। मैं रोडवेज बस से कानपुर लौटा। थकान के कारण रास्ते में नींद आ गई और रात 9:30 बजे कानपुर पहुंचकर घर पहुंचा। यह मेरी नौकरी की पहली यात्रा थी बिना किसी परिजन या मित्र के। आज नौकरी करते हुए 24 वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, पर वह पहला दिन और उसकी संघर्षपूर्ण यात्रा आज भी स्मृतियों में जीवित है।

मीर तकी मीर : दर्द को शायरी बनाने वाला शायर

मीर तकी मीर सिर्फ गजल के शायर नहीं थे, वे अपने समय की टूटी हुई रूह की आवाज थे। मीर उर्दू गजल को शिखर तक पहुंचाने वाले बड़े कवि थे। उन्हें 'खुदा-ए-सुखन' यानी कि शायरी का खुदा कहा जाता है। उनकी शायरी में दर्द, मोहब्बत, तन्हाई और मानवीय संवेदना गहराई से झलकती हैं। उर्दू ही नहीं फारसी भाषा पर भी उनकी मजबूत पकड़ थी। मीर को उर्दू के उस प्रचलन के लिए याद किया जाता है, जिसमें फारसी और हिन्दुस्तानी के शब्दों का अच्छा मिश्रण और सामंजस्य हो। मीर तकी मीर को उर्दू में शेर कहने का प्रोत्साहन अमरोहा के सैयद सआदत अली ने दिया।

मीर तकी मीर का मूल नाम मोहम्मद तकी था। उनकी प्रमुख कृतियां जिक्र-ए-मीर (आत्मकथा), कुल्लीयते-मीर (उर्दु रचनाओं के छह दीवानों का संग्रह), कुल्लीयते-फारसी (फारसी रचनाओं का संग्रह), फैज-ए-मीर (पांच कहानियों का संग्रह), नुकत-उस-शूरा (फारसी जुबान में लिखी तत्कालीन उर्दु रचनाकारों की जीवनियां) आदि को शामिल किया जाता है। वैसे, वे 'दर्द के शायर' कहलाते हैं। दरअसल, मीर की जिंदगी मुफलिसी (गरीबी), अपनों को खोने के गम और दिल्ली की बर्बादी को देखने में गुजरी। यही वजह है कि उनकी शायरी में 'हूक' और 'टीस' महसूस होती है। उन्होंने खुद एकबार यह कहा था-'मुझको शायर न कहो मीर कि साहब मैंने, कितने गम जमा किए तो दीवान किया।'

सुनील कुमार महला
लेखक

दिल्ली के उजड़ने, परिवार की मौतों, गरीबी और बेघर होने ने उन्हें भीतर से तोड़ दिया था। उनकी शायरी दरअसल आत्मकथा की पंक्तियां हैं। उनकी यह पंक्ति देखिए-'पत्थर की भीत क्या करूं, आंसू जो ढल गए।' नादिर शाह और अहमद शाह अब्दाली के हमलों के बाद दिल्ली उजड़ चुकी

थी। मीर ने दिल्ली छोड़कर लखनऊ जाना, तो स्वीकार किया, लेकिन वे वहां दिल से कभी बस नहीं पाए। मीर की सबसे बड़ी खूबी उनकी भाषा थी। वास्तव में, वे बहुत ही आसान शब्दों में दिल की गहरी बात कह देते थे। इसे तकनीकी भाषा में 'सहल-ए-मुमतना' कहा जाता है-यानी ऐसी चीज, जो देखने में आसान लगे, पर उसे दोबारा लिखना नामुमकिन हो।

शायर मिर्जा गालिब भी उनके कायल थे। सच तो यह है कि गालिब ने मीर को अपना उस्ताद माना। गालिब जैसे आत्मविश्वासी शायर ने कहा-'रेख्ते के तुम ही उस्ताद नहीं हो गालिब,कहते हैं अगले जमाने में कोई मीर भी था।' वास्तव में यह मीर की श्रेष्ठता की सबसे बड़ी गवाही है। मोहब्बत की कैफियत को बयां करते हुए उन्होंने कहा था-'इब्तिदा-ए-इश्क है रोता है क्या, आगे-आगे देखिए होता है क्या।' 'हस्ती अपनी हबाब की सी है, ये नुमाइश सराब की सी है।','नाजुकी उसके लब की क्या कहिए, पंखुड़ी एक गुलाब की सी है।','मीर उन नीम-बाज आंखों में, सारी मस्ती शराब की सी है।' उनकी कुछ अमर पंक्तियों में से एक हैं। आत्मस्वीकृति के बारे में एक बार उन्होंने कहा था -'शायर मुझमें और भी हैं, पर मीर का मुकाबला कौन करे।'

मीर सिर्फ उर्दू गजल के शायर ही नहीं, बल्कि अपने समय के टूटे हुए समाज, उजड़ती दिल्ली और बिखरते इंसान की संवेदनाओं के सच्चे दस्तावेज हैं। उनकी शायरी में बनावटी सौंदर्य नजर नहीं आता है। वास्तव में उनकी शायरी जीवन के गहरे जख्मों से निकली हुई सच्चाई है। अपने जीवन में निजी दुख, मानसिक पीड़ा, गरीबी और उपेक्षा के बावजूद मीर ने उर्दू और फारसी भाषा को आम आदमी के दिल तक पहुंचाया और गजल को आत्मा की आवाज बना दिया। उनका दर्द रचना है। अन्य शायरों की तरह वे कभी शोर नहीं करते, बल्कि रचनाओं में फुसफुसाते हैं और उनकी वही फुसफुसाहट सदियों बाद भी पाठकों के दिल में उतर जाती है। इसलिए मीर को पढ़ना सिर्फ साहित्य का अनुभव नहीं, बल्कि इंसान होने का अनुभव है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	83,580.40	25,693.70
बढ़त	266.47	50.90
प्रतिशत में	0.32	0.20

सोना 1,57,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,55,000 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 7 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

इंडिगो की दिल्ली से शंघाई की उड़ान शुरू करने की योजना

बीजिंग। निजी क्षेत्र की विमानन कंपनी इंडिगो जल्द ही नई दिल्ली और शंघाई के बीच सीधी उड़ानें शुरू करने की योजना बना रही है। पिछले साल भारत और चीन के बीच करीब पांच साल के अंतराल के बाद विमान सेवाएं फिर से शुरू होने के बाद, इन दोनों शहरों के बीच उड़ान संचालित करने वाली यह तीसरी एयरलाइन बन जाएगी।चीन के सरकारी समाचार पत्र 'ग्लोबल टाइम्स' की शुक्रवार की रिपोर्ट के अनुसार, यदि इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है तो यह दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच तीसरा सीधा हवाई संपर्क होगा।

रुपया 36 पैसे टूटकर 90.70 प्रति डॉलर पर हुआ अस्थाई बंद

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया शुक्रवार को 36 पैसे टूटकर 90.70 (अस्थाई) पर बंद हुआ। इस गिरावट का कारण अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर भू-राजनीतिक अनिश्चितता और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार रुपया सत्र के पहले भाग में रिजर्व बैंक द्वारा मुख्य ऋण दरों को यथावत रखने की घोषणा के बाद थोड़ा मजबूत हुआ, लेकिन विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी ने घरेलू मुद्रा पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 90.28 पर खुला और सत्र के दौरान 90.18 के उच्चस्तर तक गया और 90.83 के निचले स्तर तक आया।

जम्मू-कश्मीर में 1.27 लाख करोड़ रुपये का बजट किया पेश

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा में 2026-27 का 1.27 लाख करोड़ रुपये का बजट शुक्रवार को पेश किया और कहा कि यह वित्तीय योजना केंद्र शासित प्रदेश में सतत वृद्धि, सामाजिक सौहार्द एवं आर्थिक समृद्धि के लिए मजबूत आधार तैयार करने का लक्ष्य रखती है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार निवेश, नवाचार एवं सहभागी शासन को बढ़ावा देकर केंद्र शासित प्रदेश को एक आधुनिक, प्रगतिशील और आर्थिक रूप से सशक्त क्षेत्र में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है।

बड़ा फैसला... 1000 करोड़ रुपये से कम संपत्ति वाली एनबीएफसी का पंजीकरण अनिवार्य नहीं

एमपीसी की बैठक के बाद रिजर्व बैंक गवर्नर ने की घोषणा, सार्वजनिक धन न लगा होने की शर्त लागू

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक में शुक्रवार को छोटे आकार की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को अनिवार्य पंजीकरण से छूट देने का प्रस्ताव दिया। इसमें शर्त लागू की गई है कि एनबीएफसी की संपत्ति 1,000 करोड़ रुपये से कम होनी चाहिए और उनमें सार्वजनिक धन न लगा हो।

मल्होत्रा ने इन कंपनियों से जुड़े कम प्रणालीगत जोखिम का हवाला दिया। 'आकार आधारित नियामकीय मसौदा' उन एनबीएफसी के लिए अलग नियामक व्यवस्था की परिकल्पना करता है जो सार्वजनिक धन का उपयोग नहीं करती हैं और जिनका आम ग्राहक से सीधा संपर्क नहीं है। इन एनबीएफसी की विशिष्ट प्रकृति को देखते हुए उन पर लागू नियमों की समीक्षा की गई है। मल्होत्रा ने वर्तमान वित्त वर्ष की अंतिम द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि उनके काफी कम प्रणालीगत-जोखिम को देखते हुए, यह प्रस्ताव है कि 1,000 करोड़ रुपये से कम संपत्ति वाली ऐसी 'टाइप-1' एनबीएफसी को कुछ निर्दिष्ट शर्तों के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक के साथ पंजीकरण की जरूरत से छूट दी जा सकती है। इससे इन एनबीएफसी के लिए अनुपालन आवश्यकताओं में कमी आएगी। हितधारकों से प्रतिक्रिया के लिए जल्द मसौदा जारी होगा। मल्होत्रा ने कहा कि कुछ एनबीएफसी के लिए 1,000 से अधिक शाखाएं खोलने के लिए पूर्व मंजूरी की आवश्यकता को खत्म करने का प्रस्ताव है।

फैसला- 1

एमएसएमई के लिए रेहन मुक्त ऋण की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये की

मुंबई। रिजर्व बैंक ने एमएसएमई के लिए रेहनमुक्त ऋण की सीमा 10 से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने का फैसला किया है। आरबीआई गवर्नर ने बैठक के बाद वित्तीय समावेशन और ऋण उठाव बढ़ाने के उपायों की घोषणा करते हुए कहा, एमएमएमई के लिए रेहनमुक्त ऋण की सीमा काफी लंबे समय से 10 लाख रुपये है। कहा, इस पहल का उद्देश्य औपचारिक ऋण तक पहुंच बढ़ाना, उद्यमों को बढ़ावा देना और सूक्ष्म तथा मध्यम उद्यमों का वित्त पोषण है। एमएसएमई बढ़ी हुई ऋण सीमा का लाभ एक अप्रैल 2026 से प्राप्त कर सकेंगे।

फैसला- 3

बैंकों को दी जा सकती है रीट को ऋण देने की अनुमति

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए वित्तपोषण के स्रोत को व्यापक बनाने के उद्देश्य से बैंकों को कुछ विवेकपूर्ण रक्षोपायों के साथ 'रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट' (रीट) को कर्ज देने की अनुमति देने का प्रस्ताव किया।

रीट ऐसे निवेश माध्यम हैं जो आय उत्पन्न करने वाली रियल एस्टेट संपत्तियों के मालिक होते हैं या उनका संचालन करते हैं, जिससे निवेशक सीधे संपत्ति खरीदे बिना उससे होने वाली आय में हिस्सा पाने में सक्षम होते हैं। भारत में रीट और इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट्स) की अवधारणा संस्थानों और खुदरा निवेशकों के एकत्रित कोष के माध्यम से निवेश को पुनर्वित्त कर, पूर्ण और परिचालन वाली रियल एस्टेट व बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में फंसे बैंकों के कोष को मुक्त करने के लिए की गई थी।

- कॉमर्शियल बैंकों को अब तक नहीं थी ऋण देने की अनुमति

रिजर्व बैंक ने कहा कि इन उद्देश्यों के अनुरूप, वाणिज्यिक बैंकों को शुरुआत से ही इन संस्थाओं को ऋण देने की अनुमति नहीं थी। हालांकि, बाद में इनविट्स को बैंक ऋण की अनुमति दी गई, लेकिन रीट को ऋण देने की अनुमति नहीं थी।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, इनविट्स को ऋण देने के संबंध में मौजूदा दिशानिर्देशों को भी रीट को ऋण देने के लिए प्रस्तावित रक्षोपायों के साथ समानता के लिए सुसंगत बनाया जा रहा है।

फैसला- 2

सोने-चांदी की मूल्यवृद्धि से मुद्रास्फीति का अनुमान बढ़ाया

मुंबई, एजेंसी

- चालू वित्त वर्ष के लिए 2.1%, अगले वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही के लिए भी वृद्धि का अनुमान

भारतीय रिजर्व बैंक ने सोना-चांदी समेत कीमती धातुओं के मूल्य में बढ़ोतरी के मद्देनजर चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को बढ़ाकर शुक्रवार को 2.1 प्रतिशत कर दिया है। अगले वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही के लिए भी अनुमान ऊपर की ओर संशोधित किए गए हैं।

केंद्रीय बैंक ने 2026-27 की पहली और दूसरी तिमाही के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति क्रमशः चार प्रतिशत और 4.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। आरबीआई ने दिसंबर में 2025-26 के लिए इसके दो प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। वहीं 2026-27 की पहली और दूसरी तिमाही के लिए महंगाई दर क्रमशः 3.9 प्रतिशत और चार प्रतिशत आंकी गई थी।

चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पेश करते हुए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि 2026-27 की पहली व दूसरी तिमाही के लिए संशोधित सीपीआई मुद्रास्फीति अनुमान क्रमशः 4.0 प्रतिशत और 4.2 प्रतिशत बना हुआ है। यह अनुकूल होने के साथ ही मुद्रास्फीति लक्ष्य के करीब है। उन्होंने कहा, मुद्रास्फीति अनुमान को मामूली रूप से ऊपर की ओर संशोधन मुख्यतः कीमती धातुओं के मूल्यों में बढ़ोतरी के कारण किया गया। इनका योगदान करीब 0.60 प्रतिशत से 0.70 प्रतिशत है। अंतर्निहित मुद्रास्फीति अब भी निम्न स्तर पर बनी हुई है।

यूपीआई को टिकाऊ बनाने, बुनियादी ढांचे में सुधार के तरीके खोजे जाएंगे

मुंबई। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक यूपीआई को हितधारकों के लिए टिकाऊ बनाने और इसके बुनियादी ढांचे में सुधार करने के तरीके खोजेगा। इससे ग्राहकों के लिए भुगतान बुनियादी ढांचे से जुड़ी चिंताओं को दूर करने में मदद मिलेगी। इस समय यूपीआई सभी उपयोगकर्ताओं के लिए लगभग मुफ्त है और बैंकों को लेनदेन करने के लिए सरकार द्वारा बजटीय सहायता के माध्यम से मुआवजा दिया जाता है।

नीतिगत दरें लंबे समय तक निचले स्तर पर रहेंगी, एफडी पर घट जाएगा ब्याज

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि प्रमुख नीतिगत ब्याज दरें लंबे समय तक निचले स्तर पर बनी रहेंगी तथा आगे इनमें और कमी भी हो सकती है। मल्होत्रा ने कहा, नीतिगत दरें लंबे समय तक निचले स्तर पर बनी रहेंगी तथा इनमें आगे और गिरावट भी आ सकती है। उन्होंने इसके साथ यह भी कहा कि ब्याज दरों पर अंतिम फैसला एमपीसी लेगी।

मौद्रिक नीति से शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 266 अंक चढ़ा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से नीतिगत ब्याज दरों को स्थिर रखने और 'रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट' (रीट) को कर्ज देने की मंजूरी के प्रस्ताव के बाद घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 266 अंक की बढ़त रही जबकि निफ्टी 51 अंक की तेजी में रहा।

कारोबारी सत्र के अंतिम चरण में हुई लिवाली से बीएसई का 30 शेयर वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 266.47 अंक यानी 0.32 प्रतिशत चढ़कर 83,580.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में दिन के निचले स्तर 82,925.35 से 655.05 अंक का तेज उछाल देखने को मिली। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 50.90 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,693.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान बाजार में काफी उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रही।

विदेशी मुद्रा भंडार 723.77 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 30 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान 14.36 अरब डॉलर बढ़कर 723.77 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 8.05 अरब डॉलर बढ़कर 709.41 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। इससे भी पहले सितंबर, 2024 में विदेशी मुद्रा भंडार 704.89 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंचा था। आंकड़ों के अनुसार, 30 जनवरी को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 49.3 करोड़ डॉलर घटकर 562.39 अरब डॉलर रह गईं।

सर्वकालिक उच्चस्तर

चांदी में 13,000 रुपये की टूट सोने 3,400 रुपये की गिरावट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में शुक्रवार को तेज गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों के लगातार दूसरे दिन मुनाफावसूली जारी रखने से चांदी लगभग पांच प्रतिशत टूटकर 2.55 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रह गई जबकि सोना 1.57 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया।

- निवेशकों के मुनाफा वसूली करने से आई गिरावट

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के मुताबिक चांदी 13,000 रुपये यानी 4.85 प्रतिशत टूटकर सभी करों समेत 2,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। यह बृहस्पतिवार को 2,68,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इसी तरह, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 3,400 रुपये यानी 2.12 प्रतिशत टूटकर सभी करों समेत 1,57,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। इसका पिछला बंद भाव 1,60,600 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

राष्ट्रीय

गर्भ रखने को मजबूर नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट ऐतिहासिक फैसला, नाबालिग को 30 सप्ताह का गर्भ गिराने की अनुमति दी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में एक नाबालिग लड़की के 30 सप्ताह के गर्भ को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की अनुमति देते हुए कहा कि कोई भी अदालत किसी महिला और विशेष रूप से एक नाबालिग लड़की को उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर नहीं कर सकती।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने जोर देकर कहा कि गर्भवती लड़की को बच्चे को जन्म देने या नहीं देने के उसके अधिकार को उचित महत्व दिया जाना चाहिए, खासकर तब जब उसका बच्चे को जन्म देने का मन न हो और ऐसी इच्छा उसने साफ साफ शब्दों में बार बार जाहिर भी की हो। पीठ ने स्पष्ट किया कि मुख्य मुद्दा यह था कि क्या एक नाबालिग को ऐसी गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर किया जा सकता है जो उसकी मर्जी के बिना है। न्यायालय ने माना कि यह मामला इस पर निर्भर नहीं करता कि गर्भधारण सहमति से बने संबंधों के कारण हुआ था या दुष्कर्म से। वास्तव में फैसला इस बात से तय होगा कि नाबालिग की वह स्पष्ट इच्छा क्या है और उसका मन यही है कि वह बच्चे को जन्म न दे।

हालांकि सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति नागरत्ना ने स्वीकार किया कि हालांकि एक बच्चे का जन्म अंततः एक जिंदगी को दुनिया में लाना है, लेकिन इस मामले में नाबालिग की स्पष्ट अनिच्छा सबसे महत्वपूर्ण कारक है। दोनों न्यायमूर्ति की पीठ ने मुंबई के जेजे अस्पताल को निर्देश दिया कि वे सभी आवश्यक चिकित्सा संबंधी उपायों का पालन करते हुए नाबालिग लड़की के गर्भावस्था के चिकित्सकीय समापन की प्रक्रिया शुरू करें।

नाबालिग बच्चे की तो बात ही छोड़िए, अदालत किसी भी महिला को अपनी गर्भावस्था पूरी करने के लिए मजबूर नहीं कर सकती, अगर उसका ऐसा करने का इरादा ही नहीं हो। – **सुप्रीम कोर्ट**

प्रजनन स्वायत्तता पर मील का पत्थर : 24 सप्ताह की कानूनी सीमा पर लड़की की इच्छा को वरीयता

यह फैसला भारत में गर्भपात कानून के तहत प्रजनन अधिकारों की व्याख्या में मील का पत्थर माना जा रहा है। क्योंकि 24 सप्ताह की कानूनी सीमा के बाद भी अदालत ने लड़की की इच्छा को प्राथमिकता दी है। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी संशोधन अधिनियम 2021 के अनुसार गर्भपात की समय सीमा को विभिन्न श्रेणियों में निर्धारित किया गया है। सामान्य परिस्थितियों में डॉक्टर की सलाह से 20 सप्ताह तक के गर्भ को समाप्त करने की अनुमति है, विशेष श्रेणी जैसे दुष्कर्म का शिकार बनी लड़कियां, नाबालिग, विधवाओं, दिव्यांगों या गंभीर बीमार महिलाओं के लिए यह सीमा 24 सप्ताह की है। इसके लिए दो डॉक्टरों की इजाजत अनिवार्य है। यदि गर्भस्थ शिशु को गंभीर बीमारी है तो राज्य स्तरीय मेडिकल बोर्ड की अनुमति से 24 सप्ताह बाद भी गर्भपात कराया जा सकता है। अगर गर्भवती महिला के जीवन को तत्काल कोई गंभीर खतरा हो तो कोई कानूनी समय सीमा नहीं लागू होती।

किसी व्यक्ति को सिर्फ पूछताछ करने के लिए गिरफ्तार नहीं कर सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी व्यक्ति को महज पूछताछ करने के लिए गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पुलिस अधिकारी की ओर से की जाने वाली गिरफ्तारी केवल एक वैधानिक विवेकाधिकार है, जिसे अनिवार्य नहीं माना जा सकता। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एनके सिंह की पीठ ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तारी की शक्ति की व्याख्या एक सख्त वस्तुनिष्ठ आवश्यकता के रूप में की जानी चाहिए, न कि पुलिस अधिकारी की सुविधा के रूप में। इसका यह मतलब नहीं है कि पुलिस अधिकारी महज पूछताछ करने के लिए किसी को गिरफ्तार कर सकता है। इसका अर्थ यह है कि पुलिस अधिकारी को यह सुनिश्चित करना होगा कि सात वर्ष तक की कारावास की सजा वाले अपराध के संबंध में जांच संबंधित व्यक्ति को हिरासत में लिए बिना प्रभावी ढंग से आगे नहीं बढ़ सकती। इसके विपरीत कोई भी व्याख्या बीएनएसएस, 2023 की धारा 35(1)(ख) और धारा 35(3) से 35(6) के उद्देश्य को स्पष्ट रूप से विफल कर देगी। पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के विरुद्ध अपील की सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। शीर्ष अदालत इस प्रश्न पर विचार कर रही थी कि क्या बीएनएसएस, 2023 की धारा 35(3) के तहत नोटिस उन सभी मामलों में अनिवार्य रूप से जारी किए जाने हैं जो सात साल तक के कारावास के अपराध से संबंधित हैं।

जनता के नकारने पर कोर्ट चले आते हैं सियासी दल... जनसुराज की याचिका को किया खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार विधानसभा चुनाव निरस्त किए जाने संबंधी पूर्व राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी की याचिका पर शुक्रवार को खारिज कर दी।

सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जयमाल्या बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता को पटना उच्च न्यायालय जाने को कहा। पीठ ने चुनाव हारने के बाद लोकप्रियता हासिल करने के लिए न्यायिक मंच का इस्तेमाल करने की कोशिश को लेकर नाराजगी भी जताई। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सवालिया लहजे में कहा, आपको कितने वोट मिले, उन्होंने कहा- जब लोग आपको नकार देते हैं तो आप राहत के लिए न्यायिक मंच का सहारा लेते हैं। किसी को तो उसी समय योजना को चुनौती देनी चाहिए थी। आप तो पूरे राज्य के चुनाव को अमान्य घोषित करने के लिए निर्देश चाहते हैं। पीठ ने कहा कि चूंकि यह मामला सिर्फ एक राज्य से संबंधित है, इसलिए कृपया उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएं।

- प्रशांत किशोर की पार्टी ने दायर की थी बिहार चुनाव को रद्द करके दोबारा कराने के लिए याचिका

मुफ्त योजनाओं का मुद्दा गंभीर, पड़ताल करेंगे

न्यायालय ने यह भी कहा कि कुछ मामलों में मुफ्त योजनाओं का गंभीर मुद्दा है, जिसकी वह गंभीरता से पड़ताल करेगा। दरअसल जन सुराज पार्टी ने याचिका में बिहार चुनाव में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का हवाला दिया था। कहा गया था कि कर्ज में डूबी राज्य सरकार ने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन कर चुनाव से ठीक पहले 15,600 करोड़ रुपये बांट दिए, जिससे अन्य दलों को समान अवसर नहीं मिल पाया। वरिष्ठ अधिवक्ता सीयू सिंह ने कहा कि जिस योजना के तहत भुगतान किया गया था, उसकी घोषणा चुनाव से ठीक पहले की गई थी और भुगतान तब किया गया जब चुनाव आचार संहिता लागू थी।

दल बदल मामले पर तीन सप्ताह में फैसला करें तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष वर्ना अवमानना कार्यवाही

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष को अंतिम चेतावनी देते हुए निर्देश दिया है कि वे भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायकों के कांग्रेस में शामिल होने संबंधी शेष अयोग्यता याचिकाओं पर तीन सप्ताह के भीतर सकारात्मक रूप से निर्णय लें वर्ना उनके विरुद्ध अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाएगी।

न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ शुक्रवार को 31 जुलाई 2025 के अपने उस आदेश के अनुपालन की समीक्षा कर रही थी, जिसके तहत अध्यक्ष को कांग्रेस में शामिल होने वाले बीआरएस के 10 विधायकों की अयोग्यता पर निर्णय लेने के लिए तीन महीने का समय दिया गया था। अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि दिसंबर 2025 में सात याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था, जबकि तीन अभी भी लंबित हैं। तेलंगाना राज्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने पीठ को सूचित किया कि लंबित तीन मामलों में से एक पर निर्णय ले लिया गया है और शेष दो पर प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

लोकसभा में गतिरोध बरकरार, हंगामे के बीच कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़े विषय तथा कुछ अन्य मुद्दों को लेकर शुक्रवार को भी गतिरोध बरकरार रहा और विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक एक बार के स्थगन के बाद सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

सदन में सोमवार से गतिरोध बना हुआ है और कांग्रेस समेत विपक्ष के सदस्य राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पूर्व सेना प्रमुख नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण का हवाला देते हुए चीन से टकराव का मुद्दा उठाने की अनुमति नहीं मिलने, विपक्ष के आठ सदस्यों को आसन की अवमानना के मामले में निलंबित करने समेत कई मुद्दों पर हंगामा कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रधानमंत्री के जवाब के बिना पारित कर दिया गया था। लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार को जब एक बार के स्थगन के बाद शुरू हुई तो स्थिति ज्यों की त्यों बनी रही। विपक्षी सदस्यों ने आसन के समीप 'तानाशाही नहीं चलेगी' और 'जो उचित समझो, वो करो' (नरवड़े के संस्मरण का एक वाक्य) के नारे लगाए।

विपक्ष ने लगाए 'जो उचित समझो, वो करो' के नारे

संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और विपक्ष के सांसदों ने प्रदर्शन किया।

विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने अमेरिका के साथ देश के व्यापार समझौते, पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण से जुड़े विवाद और लोकसभा से आठ सदस्यों के निलंबन को लेकर शुक्रवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। लोकसभा की कार्यवाही सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित होने के बाद विपक्षी सांसद संसद के मकर द्वार के निकट एकत्र हुए और उन्होंने 'तानाशाही नहीं चलेगी' और 'लोकतंत्र की हत्या बंद करो' जैसे नारे लगाए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नरवणे के संस्मरण में उद्धृत एक अंश का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परोक्ष कटाक्ष किया, जो उचित समझो, वो करो। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, संसद के वर्तमान बजट सत्र की शेष अवधि से निलंबित किए गए सांसद और कई अन्य सांसद इसमें शामिल हुए। उन्होंने एक बड़ा बैनर भी ले रखा था, जिस पर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का हवाला देते हुए 'ट्रैप डी' लिखा हुआ था।

मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-3' का किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली। भारत ने मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-3' का शुक्रवार को सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि इस मिसाइल का परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से सफलतापूर्वक किया गया। प्रक्षेपण के दौरान सभी संचालन एवं तकनीकी मानकों का सफलतापूर्वक सत्यापन किया गया। यह परीक्षण सामरिक बल कमान के तत्वावधान में किया गया।

हिमंत के सांप्रदायिक बयानों का संज्ञान ले असम हाईकोर्ट

गुवाहाटी, एजेंसी

- शिक्षाविदों, चिकित्सकों और सेवानिवृत्त नौकरशाहों समेत 40 प्रमुख नागरिकों ने की अपील

शिक्षाविदों, चिकित्सकों, लेखकों और सेवानिवृत्त नौकरशाहों समेत 40 से ज्यादा जाने-माने नागरिकों ने पत्र लिखकर गुवाहाटी हाईकोर्ट से अपील की है कि वह असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के एक खास समुदाय के खिलाफ हाल ही में दिए गए बयानों पर स्वतः संज्ञान ले। इन लोगों ने कहा है कि संवैधानिक उल्लंघनों के खिलाफ चुप्पी या निष्क्रियता संविधान की नैतिक शक्ति को कमजोर कर सकती है।

मुख्य न्यायाधीश आशुतोष कुमार को बृहस्पतिवार को लिखे एक पत्र में नागरिकों ने हाईकोर्ट का ध्यान हिमंत विश्व शर्मा के उन सार्वजनिक बयानों की ओर आकृष्ट किया है उच्च जो प्रथमदृष्टया नफरती भाषण, सरकारी धमकी और एक खास समुदाय को खुलेआम बदनाम करने जैसे हैं। पत्र में मुख्यमंत्री की 'मियां' (बांग्ला भाषी मुसलमानों) के खिलाफ टिप्पणियों का जिक्र किया गया है।

सरकार गठन में कुकी विधायकों की भागीदारी का विरोध, रैली निकाली

इंफाल/चूराचांदपुर, एजेंसी

- मणिपुर के तीन पहाड़ी जिलों में विरोध प्रदर्शन में हजारों शामिल

मणिपुर में सरकार गठन में कुकी समुदाय के तीन विधायकों की भागीदारी के खिलाफ राज्य के तीन पहाड़ी जिलों में हजारों लोगों ने रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने संबंधित विधायकों पर समुदाय के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया।

चूराचांदपुर में प्रदर्शनकारियों ने कुकी विधायक नेमचा किपगेन, जो समुदाय से आने वाले एलएम खौते और हमार जनजाति से ताल्लुक रखने वाले एन सनाते के पुतले जलाए। ये तीनों ही विधायक सत्तारूढ़ भाजपा से जुड़े हुए हैं। किपगेन ने राज्य की नवगठित सरकार में उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। कांगपोकपी और तेंगनुपाल जिलों में भी विरोध रैलियां निकाली गईं। चूड़ाचांदपुर में कुकी महिला मानवाधिकार संगठन (केडब्ल्यूओएचआर) और स्वदेशी जनजातीय नेता मंच की महिला शाखा ने सरकार गठन में किपगेन की भागीदारी के विरोध में संयुक्त रूप से रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने कोइटे मैदान से स्मृति दीवार तक लगभग तीन किलोमीटर मार्च किया।

विधायकों के घर की बढ़ाई गई सुरक्षा

विरोध-प्रदर्शनों के मद्देनजर चूराचांदपुर, कांगपोकपी और फेरजावल जिलों में तीनों विधायकों के आवासों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई। इस बीच, नवगठित सरकार में मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले गोविंदास कोंथौजम ने कहा कि चूड़ाचांदपुर में थोड़ी अशांति है, लेकिन स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने कहा, प्रदर्शनकारी अपना गुस्सा और असंतोष जाहिर कर रहे हैं। कुछ नहीं होगा। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं, तुरंत कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती।

आसमान में तैरती मौत की डोर

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हाल ही में एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। एक युवा मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव मोहम्मद शोएब अपनी बाइक से जा रहे थे, तभी हवा में लहराते हुए चाइनीज मांझे ने उनकी गर्दन को रेत दिया। यह कोई पहली घटना नहीं है; पिछले कुछ महीनों में जौनपुर, मेरठ और शाहजहांपुर जैसे शहरों से भी ऐसी ही रूह कंपा देने वाली खबरें आई हैं। जिसे हम चाइनीज मांझा कहते हैं, वह अब केवल पतंगबाजी का शौक नहीं, बल्कि सड़कों पर मौत का जाल बन चुका है। चाइनीज मांझा पर कानूनी रोक के बावजूद इसकी बिक्री जारी है, जो प्रशासन की विफलता और समाज की लापरवाही का परिणाम है। यह समझना जरूरी है कि चंद रुपयों का मजबूत मांझा किसी के घर का चिराग बुझा सकता है।

चाइनीज मांझा

क्या है चाइनीज मांझा

- आम धारणा के विपरीत, अधिकांश चाइनीज मांझा चीन से नहीं आता, बल्कि इसका नाम इसकी मजबूती और सिंथेटिक बनावट के कारण पड़ा है।
- बनावट : यह पारंपरिक सूती धागे के बजाय नायलॉन या प्लास्टिक (सिंथेटिक) जैसे मोनोफिलामेंट धागे से बना होता है।
- घातक कोटिंग : इस धागे पर पिसे हुए कांच, लोहे के चूरे, टंगस्टन कार्बाइड और औद्योगिक गोंद की परत चढ़ाई जाती है।
- क्यों है जानलेवा : नायलान का बना यह धागा इतना मजबूत होता है कि त्वचा, नसें और पतली हड्डी को भी आरी की तरह काट सकता है।

सरकारों का कदम और अदालती आदेश

- नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) : 2017 में ही एनजीटी ने पूरे देश में नायलॉन या किसी भी सिंथेटिक मांझे की बिक्री और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था।
- सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट : विभिन्न अदालतों ने सरकारों को फटकार लगाते हुए इस पर प्रभावी रोक लगाने और पीड़ितों को मुआवजा देने की नीति बनाने के निर्देश दिए हैं।
- उत्तर प्रदेश सरकार की सख्ती : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हालिया मौतों के बाद कड़े आदेश दिए हैं। अब यूपी में चाइनीज मांझे से होने वाली मौत को 'हत्या' की श्रेणी में रखकर मुकदमा चलाने के निर्देश दिए गए हैं। पूरे राज्य में छापेमारी और अवैध बिक्री करने वालों पर रासुका जैसी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।
- पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 : इसके तहत दोषी पाए जाने पर 5 साल की जेल और 1 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

डराता हुआ सच

- उत्तर प्रदेश के आंकड़े : अकेले पिछले एक साल में यूपी में कम से कम 6 लोगों की जान जा चुकी है और दर्जनों घायल हुए हैं। जौनपुर में एक फिजियोथेरेपिस्ट और एक प्रोफेसर की मौत हुई, जबकि मेरठ और अलीगढ़ में भी युवाओं ने अपनी जान गंवाई।
- राष्ट्रीय स्थिति : दिल्ली, राजस्थान (जयपुर/कोटा) और तेलंगाना (हैदराबाद) में मकर संक्रांति और स्वतंत्रता दिवस के आसपास मौतों का ग्राफ तेजी से बढ़ता है। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक टिप्पणी में कहा था कि पिछले दो वर्षों में दिल्ली, यूपी और राजस्थान में कम से कम 15 मौतें दर्ज की गई हैं।

सुरक्षा के उपाय

- बाइक चलाते समय फुल-फेस हेलमेट पहनें और उसका वाइजर नीचे रखें। गले में मफलर या कोई मोटा कपड़ा लपेटें। फ्लाईओवर्स और ब्रिज पर बाइक की रफ्तार धीमी रखें। बाइक के हैंडलबार पर यू-गार्ड लगवाएं।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान ने जब्त किए दो विदेशी तेल टैंकर

मस्कट। ईरान ने फारस की खाड़ी में ईंधन की कथित तस्करी कर रहे दो विदेशी तेल टैंकर को जब्त किया है। सरकारी मीडिया की रिपोर्ट में इन टैंकर की राष्ट्रीयता का उल्लेख नहीं किया गया और न ही यह बताया गया कि उन पर किस देश का झंडा था। रेवोल्यूशनरी गार्ड की नौसेना के क्षेत्रीय कमांडर जनरल हैदर होनारियन मोजर्रद ने कहा कि टैंकर डीजल समेत लगभग 10 लाख लीटर ईंधन (लगभग 6,300 बैरल) ले जा रहे थे और उन्हें फारसी द्वीप के पास जब्त कर लिया गया तथा बुशहर ले जाया गया। उन्होंने कहा कि दोनों टैंकर पर सवार चालक दल के 15 सदस्य न्यायिक निकायों की हिरासत में हैं लेकिन उन्होंने उनकी राष्ट्रीयता के बारे में जानकारी नहीं दी। ईरान इसी तरह के आरोपों को लेकर क्षेत्र में तेल ले जाने वाले पोतों को पहले भी समय-समय पर जब्त करता रहा है।

जिमी लाई को सोमवार को सुनाई जाएगी सजा

हांगकांग। हांगकांग के लोकतंत्र समर्थक पूर्व मीडिया दिग्गज जिमी लाई को चीन द्वारा लागू राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दिसंबर में दोषी ठहराए जाने के बाद सोमवार को सजा सुनाई जाएगी। अब बंद हो चुके एप्पल डेली अखबार के संस्थापक लाई (78) को इस मामले में आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है। लाई के खिलाफ कार्रवाई की कुछ विदेशी सरकारों ने आलोचना की है।

नेपाल में बस दुर्घटना में 13 लोगों की गई जान

काठमांडू। पश्चिमी नेपाल में एक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए लोगों को ले जा रही बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। इलाज के दौरान पांच और लोगों ने दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों का आंकड़ा बढ़ गया। यह हादसा गुरुवार को नेपाल के सुदूर पश्चिम प्रदेश में हुआ था। आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि पांच अन्य ने दादेलधुरा अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

फिलीपीन में तूफान से चार लोगों की मौत

कैगायन डी ओरो। दक्षिणी फिलीपीन में आए एक उष्णकटिबंधीय तूफान के कारण बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुईं, जिनमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 6,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि उष्णकटिबंधीय तूफान पेन्हा ने गुरुवार देर रात प्रशांत महासागर से होते हुए दक्षिण-पूर्वी सुरिगाओ डेल सुर प्रांत में कहर ढाया।

अमेरिका ने दी अपने नागरिकों को तुरंत ईरान को छोड़ने की चेतावनी

ईरान में वर्चुअल यूएस एंबेसी ने कहा-खुद निकलें, मदद का इंतजार न करें

- दोनों देशों के बीच बढ़ते हुए तनाव को देखते हुए जारी किया परामर्श

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने ईरान में में रह रहे अपने नागरिकों को दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर चेतावनी जारी की है और उन्हें देश छोड़ने की सलाह दी है। ईरान में वर्चुअल यूएस एम्बेसी की ओर से जारी परामर्श में कहा गया है कि अमेरिकी नागरिक ईरान से प्रस्थान की ऐसी योजना बनाएं जो अमेरिकी सरकार की सहायता पर निर्भर न हो, क्योंकि सुरक्षा जोखिम, अशांति और अचानक यात्रा बाधित होने की आशंका बढ़ गई है।

यह चेतावनी ओमान में शुक्रवार को अमेरिका-ईरान वार्ता से ठीक पहले जारी की गई है। दूतावास ने सड़क बंदी, सार्वजनिक परिवहन में व्यवधान, व्यापक इंटरनेट प्रतिबंध और उड़ानों के रद्द होने का उल्लेख किया है। हाल के सप्ताहों में तनाव और बढ़ा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खाड़ी क्षेत्र में जहाजों का बेड़ा तैनात करने की घोषणा की थी, जिसमें विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और उसके एस्कॉर्ट जहाज शामिल हैं। परामर्श में कहा गया है कि इंटरनेट व्यवधान जारी रह सकते हैं, इसलिए वैकल्पिक संचार व्यवस्था अपनायें। परिस्थितियाँ अनुकूल होने पर नागरिकों को आर्मेनिया या तुर्किये के रास्ते जमीनी मार्ग से निकलने पर विचार करने की सलाह दी गई है। उड़ानें थोड़ी सूचना पर रद्द या बाधित हो सकती हैं, इसलिए एयरलाइंस से सीधे पुष्टि करने को कहा गया है। जो लोग तुरंत नहीं निकल सकते, उन्हें सुरक्षित स्थानों पर रहने, भोजन-पानी-दवाइयों का पर्याप्त भंडार रखने, प्रदर्शनों से दूर रहने और लो-प्रोफाइल बने रहने की सलाह दी गई है। स्थानीय मीडिया पर नजर रखने, फोन चार्ज रखने, परिजनों से नियमित संपर्क बनाए रखने और रीयल-टाइम सुरक्षा अपडेट के लिए स्मार्ट ट्रैवलर एनरोलमेंट प्रोग्राम में पंजीकरण कराने को कहा गया है।

ईरान ने सैन्य बेस पर तैनात की बैलिस्टिक मिसाइल

तेहरान। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अपनी नवीनतम लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल खोर्रमशहर-4 को एक सैन्य अड्डे पर तैनात कर दिया है। यह मिसाइल आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स द्वारा संचालित एक नए सैन्य स्थल के उद्घाटन के दौरान प्रदर्शित की गई। खोर्रमशहर-4 की मारक क्षमता 2,000 किलोमीटर है और यह 1,500 किलोग्राम तक का वारहेड ले जाने में सक्षम है। आईआरजीसी के राजनीतिक मामलों के उप कमांडर ब्रिगेडियर जनरल यदोल्लाह जावानी ने कहा कि मिसाइल का प्रदर्शन अमेरिका को यह संदेश देने के लिए था कि ईरान अपनी रक्षा क्षमताओं से पीछे हटने का इरादा नहीं रखता।

दोनों देशों में दूसरे दौर की वार्ता शुरू

तेहरान। ईरानी और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडलों के बीच अप्रत्यक्ष परमाणु वार्ता का दूसरा चरण ओमान की राजधानी मस्कट में शुरू हो गया है। ईरान की आधिकारिक संवाद समिति इरना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पहले चरण में विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के नेतृत्व वाले ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने अपनी योजना ओमान के विदेश मंत्री सैयद बद्र बिन हमद बिन हमूद अल्बुसैदी को दी। इसके बाद ओमानी विदेश मंत्री ने इस प्रस्ताव को अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के नेतृत्व वाली अमेरिकी वार्ता टीम तक पहुंचाया। दूसरे चरण में ईरान के प्रस्ताव पर अमेरिकी दल की प्रतिक्रिया ईरानी पक्ष को भेजी जाएगी।

बांग्लादेश से भारत के संबंध अन्य देशों के रिश्तों से अलग

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को संसद को बताया कि बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध अन्य देशों के साथ उसके संबंधों से अलग हैं और नई दिल्ली की नजर राष्ट्रीय हितों को प्रभावित करने वाले घटनाक्रमों पर बनी रहती है तथा उनकी रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाते हैं। लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में, विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने यह भी कहा कि लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन के बारे में अंतरिम सरकार को सभी संबंधित वार्ताओं में जानकारी दी गई है। एक और प्रश्न के लिखित उत्तर में, मंत्री ने कहा कि वह पड़ोस में होने वाले घटनाक्रमों पर लगातार नजर रखती है। सिंह ने कहा, सरकार पड़ोसियों के साथ उसके संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है, जो बहुआयामी हैं और आपसी हितों, संवेदनशीलता और मौजूदा द्विपक्षीय, क्षेत्रीय तथा वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार विकसित होते हैं। विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या भारत और बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंध वर्तमान में एक संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं और क्या पाकिस्तान इस स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है, जो देश के लिए हानिकारक हो सकता है।

रूस में सेना के खुफिया उपप्रमुख को मारी गोली

- अस्पताल में भर्ती, किसी ने नहीं ली हमले की जिम्मेदारी

मॉस्को, एजेंसी

रूस की राजधानी मॉस्को में एक अज्ञात हमलावर ने सैन्य खुफिया विभाग के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल व्लादिमीर एलेक्सेव को गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव (64) पर हमले की यह घटना रूस के कई वरिष्ठ सैन्य एवं खुफिया अधिकारियों की हत्या के बाद सामने आई है, जिनके लिए मॉस्को ने यूक्रेन को दोषी ठहराया है।

जांच समिति की प्रवक्ता स्वेतलाना पेत्रेंको ने एक बयान में कहा कि मॉस्को के उत्तर-पश्चिम में स्थित एक अपार्टमेंट में एक अज्ञात हमलावर ने लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव पर गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव को कई गोलियां लगी हैं और उनका मॉस्को के एक अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। पेत्रेंको ने यह नहीं बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव पर हमले के पीछे किसका हाथ हो सकता है। लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव साल 2011 से रूस की सैन्य खुफिया एजेंसी के प्रथम उप प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें सीरिया में मॉस्को के सैन्य अभियान में अहम भूमिका निभाने के लिए हीरो ऑफ रूस पदक से सम्मानित किया गया था। लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्सेव पर गोलीबारी की यह घटना यूक्रेन में लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए रूसी, यूक्रेनी और अमेरिकी वार्ताकारों के बीच अबू धाबी में संपन्न दो दिवसीय वार्ता के एक दिन बाद हुई है।

पहले भी हुए हैं सैन्य अफसरों पर हमले

रूसी अधिकारियों ने रूस में कई सैन्य अधिकारियों और सार्वजनिक हस्तियों की हत्याओं के लिए कीव को दोषी ठहराया है। यूक्रेन ने इनमें से कुछ हत्याओं की जिम्मेदारी भी ली है। पिछले साल दिसंबर में रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के परिचालन प्रशिक्षण निदेशालय के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फानिल सरवरोव की एक कार बम हमले में मौत हो गई थी। इससे पहले, लेफ्टिनेंट जनरल यारोस्लाव और इगोर किरिलोव की कार बम हमले में मौत हो गई थी।

अमेरिका ने पोलैंड संसद अध्यक्ष से तोड़े सभी संबंध

वारसॉ। पोलैंड में अमेरिका के राजदूत ने गुरुवार को घोषणा की कि अमेरिका इस यूरोपीय देश की संसद के निचले सदन के अध्यक्ष व्लोदिमीएर्ज चेर्जेस्टी के साथ अब आगे कोई लेन-देन, संपर्क या संवाद नहीं करेगा। राजदूत टॉम रोज ने यह कदम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ अकारण दिए गए अपमानजनक बयान को लेकर उठाया है। हालांकि रोज ने यह स्पष्ट नहीं किया कि कथित अपमानजनक टिप्पणियां क्या थीं लेकिन चेर्जेस्टी ने सोमवार को एक सार्वजनिक बयान में कहा था कि वह इजराइल और अमेरिका के नेताओं की उस पहल का समर्थन नहीं करेंगे जिसमें ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने की बात थी।

कामरा ने सहयोग पोर्टल के खिलाफ दायर की याचिका

मुंबई, एजेंसी

- कॉमेडियन ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया

कॉमेडियन कुणाल कामरा ने सरकार के सहयोग पोर्टल के खिलाफ मुंबई उच्च न्यायालय का रुख कर इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर असंवैधानिक और अनुचित हमला बताया है, क्योंकि यह अधिकारियों को सोशल मीडिया सामग्री हटाने की अनुमति देता है। कॉमेडियन ने बुधवार को दायर अपनी याचिका में मुख्य रूप से आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) नियमों और सहयोग पोर्टल को चुनौती दी है। आईटी नियमों में अक्टूबर 2025 में संशोधन किया गया था।

उन्होंने दावा किया था कि पोर्टल केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत अनिवार्य प्रक्रिया का पालन किये बिना, मनमाने ढंग से (सामग्री) हटाने या अवरुद्ध करने के आदेश जारी करने का गैरकानूनी रूप से अधिकार देता है। सरकार के अनुसार सहयोग को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत उपयुक्त सरकार या उसकी एजेंसी द्वारा मध्यस्थों को नोटिस भेजने की प्रक्रिया को स्वचालित करने के लिए विकसित किया गया था, ताकि किसी भी गैरकानूनी कार्य को करने के लिए उपयोग की जा रही जानकारी, डेटा या संचार लिंक तक पहुंच को रोकने की सुविधा हो। पोर्टल का उद्देश्य सभी अधिकृत एजेंसियों और मध्यस्थों को एक मंच पर लाना है।

मोदी के स्वागत पर नृत्य में रिकॉर्ड बनाने की तैयारी

कुआलालंपुर। मलेशिया में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोग शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भव्य स्वागत कार्यक्रम के दौरान एक बड़े नृत्य प्रदर्शन के जरिए मलेशियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह बनाने की तैयारी कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में 750 से ज्यादा कलाकार एक साथ नृत्य करेंगे। आयोजकों के मुताबिक, इसमें एक ही नृत्य प्रस्तुति में सबसे ज्यादा नर्तक होंगे, जो भारतीय समुदाय द्वारा किए जाने वाले भारतीय शास्त्रीय और लोक नृत्य रूपों की एक भव्य प्रस्तुति को दिखाएंगे। यह प्रस्तुति सेलामत दतांग मोदी जी कार्यक्रम में होगी, जहां प्रधानमंत्री मोदी और मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम भारतीय मूल के समुदाय को संबोधित करेंगे।

शाह ने कठुआ सीमा पर सुरक्षा का लिया जायजा

जम्मू, एजेंसी

- बीएसएफ के जवानों से बातचीत कर बढ़ाया उनका हौसला

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू कश्मीर के दो दिवसीय दौरे की शुरुआत करते हुए शुक्रवार को कठुआ में अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे अग्रिम क्षेत्रों में पहुंचे। गृह मंत्री ने हीरानगर सेक्टर में गुरनाम और बोबियां सीमा चौकियों का दौरा किया और सीमा की रक्षा कर रहे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से बातचीत की।

शाह का यह दौरा सीमा पर बढ़ायी गई चौकसी के बीच हो रहा है, जिसका उद्देश्य आतंकवादियों की घुसपैठ और हथियारों व नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकना है। साथ ही आतंकवाद रोधी अभियान भी तेज किए गए हैं, जिनमें पिछले दो हफ्तों में कठुआ, उधमपुर और किश्तवार जिलों में लगभग करीब 12 मुठभेड़ों में जैश-ए-मोहम्मद के चार पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए हैं। शाह गुरुवार देर रात जम्मू पहुंचे और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। कठुआ में गृह मंत्री ने बोबियां में सीमा रक्षकों के लिए छह कल्याणकारी योजनाओं का डिजिटल तरीके से उद्घाटन किया व आधारशिला रखी। शाह जम्मू के लोक भवन में एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

गाजा शांति बोर्ड का मूल्यांकन कर रहा सिंगापुर

सिंगापुर सिटी। सिंगापुर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा शांति बोर्ड में शामिल होने के प्रस्ताव का मूल्यांकन कर रहा है। यह जानकारी द स्ट्रेट्स टाइम्स अखबार ने सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के हवाले से गुरुवार को दी। रिपोर्ट में कहा गया कि संसद के पांच सदस्यों ने बालाकृष्णन से सिंगापुर को शांति बोर्ड में शामिल होने के लिए अमेरिका द्वारा दिए गए स्थायी निमंत्रण के बारे में सवाल किया था। 16 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने शांति बोर्ड के गठन की घोषणा की, जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर, ब्रिटेन के पूर्व पीएम टोनी ब्लेयर, विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा आदि शामिल हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 7 फरवरी, शनिवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी 8 फरवरी 02.54 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

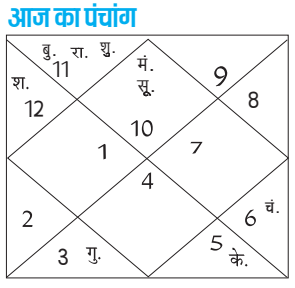

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-चित्रा 8 फरवरी 02.28 तक तत्पश्चात स्वाती।

मेष — आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। नए संपर्कों से आपको लाभ प्राप्त होगा। व्यवसाय में नए अनुबंध होने के योग बन रहे हैं। आपके विरोधी आपको नीचा दिखाने का प्रयास करेंगे। व्यस्तता के बावजूद कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं।

वृष — आज प्राइवेट नौकरी कर रहे लोगों को चिंता रहेगी। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। गुप्त शत्रुओं से आपको सावधान रहना चाहिये। गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है। बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

मिथुन — आज अधीनस्थ कर्मचारियों का काफी अच्छा सहयोग मिलेगा। मौसम में बदलाव के कारण परेशानी हो सकती है। क्रोध को अपने ऊपर हावी न होने दें। अपने काम की गुणवत्ता में कमी न आने दें। प्रशासन के लोगों से आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है।

कर्क — आज कानूनी मामलों में आपको विजय प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। महत्वपूर्ण लोगों के साथ आपके संबंध बनेंगे। सरकारी कार्यों में आपको बड़ी सफलता मिल सकती है। आपको बहुत अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। कोई बड़ी डील आपको मिल सकती है।

सिंह — आज व्यापार में आपको कुछ आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है। मानसिक शांति में कमी रहेगी। बातचीत के दौरान शब्दों का प्रयोग सावधानीपूर्वक करें।

कन्या — आज राजनीति से जुड़े लोगों की छवि बहुत अच्छी होगी। आप व्यवसाय के लिए लोन ले सकते हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। आपके सामाजिक दायरे में वृद्धि होगी। बच्चों और परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

तुला — आज आपके काम अंतिम समय में खराब हो सकते हैं। भ्रमित करने वाले समाचारों से दूरी बनाकर रखें। अनावश्यक यात्रा हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर अचानक काफी दबाव बढ़ने वाला है। माता-पिता से बहसबाजी न करें।

वृश्चिक — आज बड़े भाई-बहनों से मनमुटाव हो सकता है। लोग आपके प्रति काफी अच्छा भाव रखेंगे। कारोबार में अचानक धन लाभ हो सकता है। सभी कार्य उत्साह से करेंगे। सुख के साधनों पर आप धन खर्च कर सकते हैं।

धनु — आज विनिर्माण के कार्यों से जुड़े लोगों की आय बढ़ सकती है। सहकर्मियों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। आपकी विचारधारा से अनेक लोग प्रभावित रहेंगे। कारोबार में बड़ा परिवर्तन कर सकते हैं। भाइयों के साथ संपत्ति विवाद हल होंगे।

मकर — आज आप रिश्तों को अच्छी तरह से निभाएंगे, लेकिन आपको दूसरी ओर से वैसा सहयोग पर्याप्त मात्रा में नहीं मिलेगा। व्यापार में आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। खर्च बढ़ने से आपके कुछ काम प्रभावित होंगे।

कुंभ — आज पुराने रोग उभर सकते हैं। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी करना उचित नहीं है। मूल्यवान वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। पुरुष जातकों को महिलाओं के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखना चाहिये। अपने पद का दुरुपयोग न करें।

मीन — आज का दिन आपके लिए आनंददायक रहने वाला है। अति उत्साह में काम बिगड़ सकते हैं। भूमि-संपत्ति को लेकर होने वाले विवादों का निपटारा होगा। मित्रों के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी योग्यता की प्रशंसा होगी।

सुडोकू-54

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1			7		6	8	
3		2	4					9
			5		1		7	
	9			2		4		
7								5
		8		9			2	
	5		8		3			
4	6					9		8
		7		4			1	

सुडोकू - 53 का हल

2	5	4	9	7	6	3	1	8
8	6	1	2	3	5	9	7	4
3	9	7	4	1	8	6	2	5
6	1	8	7	4	3	2	5	9
4	7	2	1	5	9	8	3	6
5	3	9	8	6	2	7	4	1
1	8	3	6	2	4	5	9	7
9	4	5	3	8	7	1	6	2
7	2	6	5	9	1	4	8	3

आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप 2026 को रिकॉर्ड छठी बार जीतने पर भारतीय टीम को हार्दिक बधाई। पूरे टूर्नामेंट में अपराजित रहते हुए टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन से देश का नाम रोशन किया है।

द्रौपदी मुर्मु, राष्ट्रपति

स्टेडियम

कानपुर नगर, शनिवार, 7 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

वैभव सूर्यवंशी ने फाइनल में रचा इतिहास

अंडर-19 विश्व कप : सिर्फ 55 गेंदों पर ठोका सैकड़ा, 175 रनों के साथ सर्वोच्च स्कोरर भी बने

वैभव सूर्यवंशी।

हरारे, एजेंसी

चौदह साल के सूर्यवंशी ने महज 55 गेंद में तीन अंक का आंकड़ा छूकर इस टूर्नामेंट में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। यह अंडर-19 विश्व कप फाइनल में किसी खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड है और टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में यह टीम का सबसे बड़ा स्कोर भी है।

सूर्यवंशी ने यह पारी तब खेली जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने सिर्फ 32 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया और इसी अंदाज में खेलते हुए दूसरा अर्धशतक सिर्फ 23 गेंद में बना लिया। उनकी 175 रन की पारी में से 150 रन सिर्फ बाउंड्री से ही आए जिसमें 15 छक्के और इतने ही चौके शामिल थे। इस पारी के दौरान उन्होंने विपक्षी टीम के गेंदबाजों की पूरी तरह से धज्जियां उड़ा दी। अब उनके नाम युवा वनडे पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने दिसंबर में दुबई में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ अपने ही 14 छक्कों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। सूर्यवंशी के नाम अब अंडर-19 क्रिकेट में सबसे तेज 150 रन (71 गेंद में) बनाने का रिकॉर्ड भी है। उन्होंने टूर्नामेंट में पहले इसी मैदान पर इंग्लैंड के बेन मेयेस के रिकॉर्ड को बेहतर बनाया जिन्होंने 98 गेंद में 150 रन बनाए थे। सूर्यवंशी के दबदबे का अंदाजा इससे ही लग जाता है कि उनके 100 से 150 रन तक पहुंचने के दौरान दूसरे छोर पर खड़े वेदांत त्रिवेदी ने सिर्फ चार गेंदों का सामना किया। सूर्यवंशी की बल्लेबाजी इतनी जबरदस्त थी कि आधे मैच तक भारत का रन रेट लगभग 10 था और उस चरण पर टीम का अनुमानित स्कोर 500 था।

बिहार के समस्तीपुर का यह खिलाड़ी दो घंटे से भी कम समय में क्रिकेट की दुनिया को हैरान करने के बाद 26वें ओवर में मैनी लम्सडेन की शॉर्ट गेंद को स्कूप करने की कोशिश में आउट हो गया। विकेटकीपर थॉमस रियू ने उनका कैच लपका। इंग्लैंड के खिलाड़ी सूर्यवंशी को ऐसी पारी पर बधाई देने के लिए उनकी ओर दौड़े जो विश्व कप फाइनल में अक्सर देखने को नहीं मिलती। सूर्यवंशी ने अपने कप्तान आयुष म्हात्रे (51 गेंद में 53 रन) के साथ सिर्फ 19 ओवर में 142 रन बनाए। म्हात्रे अपना अर्धशतक पूरा करने के तुरंत बाद आउट हो गए। सूर्यवंशी ने अकेले इसी चरण में 22 छक्के लगा दिए और दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 2022 में 18 छक्कों का रिकॉर्ड बनाया था। सूर्यवंशी इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र के शतक लगाने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं।

उन्होंने इंग्लैंड के सभी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की लेकिन बाएं हाथ के स्पिनर राल्फी अल्बर्ट और ऑफ-स्पिनर फरहाद अहमद पर क्रमशः 27 और 22 रन बनाए।

जीत का जश्न मनाती भारतीय टीम। एजेंसी

बीसीसीआई ने की सराहना

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड को फाइनल में 100 रन के बड़े अंतर से हराकर आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 का खिताब जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम को बधाई दी है। इस जीत के साथ भारत ने रिकॉर्ड छठी बार अंडर-19 विश्व कप ट्रॉफी अपने नाम की। भारत ने एक दुर्लभ 'डबल' भी पूरा किया है, क्योंकि इस समय भारत के पास आईसीसी अंडर-19 पुरुष और महिला दोनों विश्व कप खिताब हैं।

भारत

411/9 (50 ओवर)

आरोन जॉर्ज का मेयेस बो ग्रीन	09
सूर्यवंशी का रियू बो लम्सडेन	175
आयुष म्हात्रे का मेयेस बो ग्रीन	53
वेदांत त्रिवेदी का मेयेस बो मिंटो	32
विहान का डॉकिन्स बो मिंटो	30
कुंडू का अलबर्ट बो मोर्गन	40
आरएस अंबरीश बो मिंटो	18
कनिष्क चौहान नाबाद	37
खिलन पटेल का मूर्स बो मोर्गन	03
हेनिल पटेल रन आउट	05
दीपेश देवेंद्रन नाबाद	00

गेंदबाजी : सेबेस्टियन मोर्गन 9-0-74-2, एलेक्स ग्रीन 5-0-49-2, मैनी लम्सडेन 8-0-81-1, जेम्स मिंटो 8-0-63-3, फरहान अहमद 10-0-77-0, राल्फी अलबर्ट 10-0-66-0

सूर्यवंशी ने 'प्लेयर ऑफ द फाइनल' स्टाफ को समर्पित किया

वैभव सूर्यवंशी ने शुक्रवार को फाइनल में शानदार पारी खेलने के बाद मिला 'प्लेयर ऑफ द फाइनल' पुरस्कार भारतीय टीम के सहयोगी स्टाफ को समर्पित किया। सूर्यवंशी अंडर-19 विश्व कप में 'प्लेयर ऑफ द फाइनल' और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' दोनों पुरस्कार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने। सूर्यवंशी ने कहा मैं अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता, लेकिन पिछले सात-आठ महीनों से जिस तरह हम सभी ने कड़ी मेहनत की है और हमारे सहयोगी स्टाफ ने लंबे समय से हमारे साथ रहकर हमेशा यह सुनिश्चित किया कि हम ठीक रहें। मैं यह पुरस्कार उन्हें समर्पित करना चाहता हूं।

हाईलाइट

भारत ए ने नामीबिया को 130 रनों से रौंदा

बेंगलुरु। रियान पराग (69), नमन धीर (39) और आशुतोष शर्मा (35) की आतिशी बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ए ने टी-20 विश्वकप से पहले शुक्रवार को खेले गए अभ्यास मैच में नामीबिया को 130 रनों से रौंद दिया। 199 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नामीबिया की टीम भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे 12.1 ओवर में 67 रन पर सिमट गई। नामीबिया के लिए जान फ्राइलिन्क (12), डायलन लीचर (22) की दोहरे आंकड़े तक पहुंच सके। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सके। भारत ए के लिए गुरजपनीत सिंह, मयंक यादव, अशोक शर्मा, विप्रज निगम ने दो-दो विकेट लिये।

रक्षात्मक खेल ही आक्रमण का तरीका हो सकता है : नेत्रवलकर

मुंबई। पिछले टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ जीत के नायक और भारत के खिलाफ दो अहम विकेट चटकाने वाले अमेरिका की टीम के खिलाड़ी सौरव नेत्रवलकर का मानना है कि भारतीय उपमहाद्वीप में खेलते समय रक्षात्मक खेल ही आक्रमण का सबसे अच्छा तरीका हो सकता है। अमेरिका की टीम शनिवार से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी। नेत्रवलकर मुंबई के उन तीन खिलाड़ियों में से एक होंगे जो भारत के खिलाफ अमेरिका के लिए मैदान पर उतर सकते हैं। नेत्रवलकर वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय सरजमीं पर अपने पहले मैच के लिए तैयार हैं, लेकिन चुनौतियों से भी वाकिफ हैं।

मुंबई पर कर्नाटक ने बनाया दबदबा

मुंबई। प्रसिद्ध कृष्णा, विद्वथ कावेरप्पा और श्रेयस गोपाल की शानदार गेंदबाजी के बाद मयंक अग्रवाल की नाबाद अर्धशतकीय पारी से कर्नाटक ने शुक्रवार को यहां रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के पहले दिन मुंबई के खिलाफ अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली। मुंबई का पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय उल्टा पड़ गया क्योंकि कर्नाटक के गेंदबाजों ने मेजबान टीम की बल्लेबाजी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध (21 रन पर तीन विकेट) और कावेरप्पा (38 रन पर तीन विकेट) तथा लेग स्पिनर श्रेयस गोपाल (चार रन पर तीन विकेट) ने तीन-तीन विकेट लेकर मुंबई को 48.1 ओवर में 120 रन पर आउट कर दिया। दिन का खेल खत्म होते समय कर्नाटक ने दो विकेट पर 110 रन बना लिए।

ताबड़तोड़ क्रिकेट के महासमर में भारत खिताब का प्रबलतम दावेदार

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप के सबसे बड़े टूर्नामेंट से पहले चर्चा खिलाड़ियों या खेल की नहीं बल्कि मैदान से बाहर की गतिविधियों की ही रही है और शायद राजनीति का इतना असर किसी विश्व कप पर पहले देखने में आया हो। भारत और श्रीलंका में शनिवार से टी-20 विश्व कप शुरू हो रहा है। जिसमें सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली गत चैम्पियन भारतीय टीम खिताब की सबसे प्रबल दावेदार है। लेकिन चर्चा खिलाड़ियों या प्रबल दावेदारों पर हो कहां रही है।

खेल की राजनीति या राजनीति में खेल का ऐसा नजारा पहली बार देखने को मिला है। भारत में सुरक्षा कारणों का हवाला देकर खेलने से इनकार पर बांग्लादेश टूर्नामेंट से बाहर हो गया। वहीं, अपने पड़ोसी के समर्थन में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच खेलने से इनकार कर दिया। दोनों देशों ने इस संकट के लिए भारत को कसूरवार ठहराया, जिसकी शुरुआत बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान को आईपीएल से बाहर करने पर हुई।

टी-20 विश्व कप आज से

- भारत और श्रीलंका में संयुक्त रूप से हो रहा आयोजन
- पहली बार टी-20 विश्व कप में भाग ले रहीं 20 टीमें
- फुटबॉल प्रेम के लिए मशहूर इटली भी पेश करेगा चुनौती
- अमेरिकी टीम में भारत, श्रीलंका और पाकिस्तान के कई खिलाड़ी

अभ्यास सत्र के दौरान कप्तान सूर्यकुमार यादव (दाएं) व अर्शदीप सिंह। एजेंसी

नजरें अमेरिका पर शानदार जीत के साथ आगाज पर

मुंबई। सितारों से सजी भारतीय टीम टी20 विश्व कप में शनिवार को आत्मविश्वास से ओतप्रोत अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी, तो खिताब बरकरार रखने वाली पहली टीम बनने का इरादा होगा। टी20 विश्व कप 2024 जीतने वाली भारतीय टीम के दो मजबूत स्तंभ विराट कोहली और रोहित शर्मा भले ही इस प्रारूप से विदा ले चुके हों लेकिन भारतीय टीम बहुत मजबूत है।

टीम : भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन, सैमसन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती।

अमेरिका : मोनांक पटेल (कप्तान), आंद्रिस गौस, साइतेजा एम, शायन जहांगीर, हरमीत सिंह, शेहान जयसूर्या, संजय कृष्णमूर्ति, मिलिंद कुमार, मोहम्मद मोहसिन, शुभम रंजने, शाडले वान शाकविक, अली खान, जसदीप सिंह, नोस्तुश केनिजे, सौरभ नेत्रवलकर।

आज के मैच

टीम	समय
नीदरलैंड्स-पाकिस्तान	सुबह 11 बजे
स्काटलैंड-वेस्टइंडीज	दोपहर 3 बजे
भारत-अमेरिका	शाम 7 बजे

राणा चोट के कारण बाहर, मो. सिराज को मिली जगह

मुंबई। भारत के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में घुटने की चोट के कारण शुक्रवार को टी20 विश्व कप से बाहर होना पड़ा और उनकी जगह मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया गया है।

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इससे पहले स्वीकार किया था कि इस 24 साल के गेंदबाज की स्थिति अच्छी नहीं लग रही। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को यहां जारी विज्ञप्ति में कहा 45 टेस्ट, 50 वनडे और 16 टी20 मैच खेल चुके सिराज को राणा के स्थान पर भारतीय टीम में शामिल किया गया है। राणा को चार फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान दाहिने घुटने में चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें बाहर होना पड़ा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने भी विज्ञप्ति जारी कर राणा के टीम से बाहर होने और सिराज को शामिल करने की पुष्टि की।

कोलकाता में स्कॉटलैंड के खिलाफ मैच की तैयारी करते वेस्टइंडीज के खिलाड़ी। एजेंसी

बांग्लादेश से सहानुभूति, पर स्कॉटलैंड खेलने का हकदार

- स्पिन गेंदबाज मार्क वाट ने कहा- हमारी टीम ने विश्व कप के लिए की है बहुत मेहनत

कोलकाता, एजेंसी

स्कॉटलैंड के स्पिन गेंदबाज मार्क वाट ने शुक्रवार को कहा कि वह बांग्लादेश खिलाड़ियों के लिए सहानुभूति रखते हैं लेकिन आखिरी समय में टूर्नामेंट में शामिल की गई स्कॉटलैंड टीम अपनी जगह की पूरी हकदार थी।

बांग्लादेश की टीम भारत में नहीं खेलने के अपने सरकार के रुख के कारण टी20 विश्व कप में हिस्सा नहीं ले सकी। वाट ने कहा कि बांग्लादेश के खिलाड़ियों के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, लेकिन स्कॉटलैंड ने कड़ी मेहनत की है और उसे वैश्विक प्रतियोगिता में खेलने का पूरा अधिकार मिला है। स्कॉटलैंड शनिवार को ईडन गार्डन्स में ग्रुप सी के मुकाबले में वेस्टइंडीज से भिड़ेगा। टीम की कोशिश जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने की होगी। आईसीसी द्वारा बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर किए जाने के बाद स्कॉटलैंड को अंतिम समय में प्रतियोगिता में शामिल किया गया था। उन्होंने कहा हमें बांग्लादेश के खिलाड़ियों के लिए बहुत दुख है पर हमें पूरा विश्वास है कि हमें यहां होना चाहिए।

महिला टीम खिताब बचाने में रही नाकाम

किंगदाओ, एजेंसी

भारत की महिला टीम का खिताब बचाने का सफर बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को चीन की दूसरे दर्जे की टीम से मिली 0-3 की हार के बाद निराशाजनक तरीके से खत्म हो गया जबकि पुरुष टीम को कोरिया से 1-3 से हार मिली।

भारतीय महिला टीम ने 2024 में इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था लेकिन इस बार पी वी सिंधू के नहीं खेलने से भारत की संभावनाओं को धक्का लगा। टूर्नामेंट में इससे पहले दो मैच जीत चुकी दुनिया की 42वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी शर्मा दसवीं रैंकिंग वाली गाओ फांग जि से एकतरफा मुकाबले में 9 . 21, 9 . 21 से हार गई ।

विश्व जूनियर चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता 17 वर्ष की तन्वी चीनी खिलाड़ी की रफ्तार का सामना नहीं कर सकी । गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली की जोड़ी ने जुझारू खेल दिखाया लेकिन दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी जिया यि फान और झांग शू शियान से 22 . 24, 18 . 21 से पराजय का सामना करना पड़ा ।

पहले गेम में 10 . 16 से पिछड़ने के बाद भारतीय जोड़ी ने वापसी करके बराबरी की लेकिन करीबी मुकाबले में पहला गेम गंवा दिया । दूसरे गेम में एक समय भारतीय जोड़ी के पास 13 . 10 की बढत थी लेकिन फिर लगातार अंक गंवाकर चीनी जोड़ी को जीत सौंप दी ।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

- पुरुष टीम को कोरिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा

रुद्रांक्ष पाटिल ने एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली। पूर्व विश्व चैंपियन निशानेबाज रुद्रांक्ष पाटिल ने शुक्रवार को यहां एशियाई चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि ओलंपियन अर्जुन बबूता ने दूसरा स्थान हासिल किया जिससे भारत का प्रदर्शन दमदार रहा। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा और गगन नारंग के बाद देश से उभरते हुए बेहतरीन राइफल निशानेबाजों में से एक रुद्रांक्ष ने फाइनल में शानदार 251.9 का स्कोर किया और हमवतन बबूता (250.7) की चुनौती को पीछे छोड़ते हुए दबदबा बनाया। इस जोड़ी ने विशाल सिंह के साथ मिलकर भारत को इस स्पर्धा में टीम स्वर्ण पदक भी दिलाया। बाईस साल के रुद्रांक्ष को देश के लिए कोटा स्थान हासिल करने के बावजूद पेरिस ओलंपिक से चूकने की निराशा झेलनी पड़ी थी।

डेविस कप क्वालीफायर

पहले दौर में नीदरलैंड्स के खिलाफ मुकाबला आज से

दक्षिणेश्वर सुरेश को रास आएगा तेज कोर्ट

बेंगलुरु, एजेंसी

मेजबान भारत डेविस कप क्वालीफायर पहले दौर के मुकाबले में शनिवार को नीदरलैंड्स से खेलेगा तो बेंगलुरु के तेज कोर्ट भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल की बजाय दक्षिणेश्वर सुरेश को अधिक रास आएंगे। नागल कूल्हे की चोट के कारण बाहर हैं जिसके कारण भारत की उम्मीदें दक्षिणेश्वर की टिकी है। इस कोर्ट पर आक्रामक शॉट्स खेलने वाले खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे और दक्षिणेश्वर को इसमें महारत हासिल है।

नागल तेजी से ठीक हो रहे हैं और अभ्यास के दौरान सहज दिखे लेकिन उनकी मैच फिटनेस के बारे में अभी कुछ कहना मुश्किल है। तेज रफ्तार वाले कोर्ट पर अगर मैच लंबी रेलियों में जाता है तो नागल की मूवमेंट और दमखम की परीक्षा हो सकती है। वैसे वह यहां बेंगलुरू ओपन और डब्ल्यूटीएल खेल चुके हैं लिहाजा हालात से वाकिफ हैं।

बाएं से, नीदरलैंड्स के सैंडर एरेंड्स, डेविड पेल, मैक्स हाउकेस, गाइ डेन ओडेन, जेस्पर डे जोंग और पॉल हारहुइस, भारत के कप्तान रोहित राजपाल, सुमित नागल, करण सिंह, दक्षिणेश्वर सुरेश, युकी भांबरी और एन श्रीराम बालाजी। एजेंसी

नीदरलैंड्स की अगुआई कर रहे जोंग

नीदरलैंड्स टीम की अगुवाई 88वीं रैंकिंग वाले जेस्पर डे जोंग कर रहे हैं जिन्होंने शीर्ष 30 में शामिल खिलाड़ियों को हराया है। वहीं 162वीं रैंकिंग वाले गाय डेन ओडेन डेविस कप में पदार्पण कर रहे हैं जिन्हें इस स्तर पर खेलने का अनुभव नहीं है। युगल में युकी भांबरी की वापसी से भारतीय टीम मजबूत हुई है चूंकि उनके पास गहराई और अनुभव है। भांबरी युगल में एन श्रीराम बालाजी के साथ खेलेंगे जो रित्विक बोल्लिपल्ली की जगह खेल रहे हैं। उनका सामना सांड्रे एरेंड्स और डेविड पेल से होगा। इसमें हारने वाली टीम सितंबर में विश्व ग्रुप वन में लौटेगी जबकि विजेता टीम क्वालीफायर्स के दूसरे दौर में पहुंचेगी।

दक्षिणेश्वर पिछले साल स्विटजरलैंड में अहम एकल मुकाबला जीते थे जिससे भारत ने विदेशी धरती पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। उन्होंने पहला मुकाबला जीतकर लय बनाई थी जिसके बाद नागल ने दूसरा मैच जीता । नीदरलैंड के खिलाड़ियों को भी तेज कोर्ट रास आते हैं और उसके खिलाड़ी इस तरह के हालात में खेलने के अभ्यस्त हैं। शीर्ष एकल खिलाड़ी टालोन ग्रीकस्पूर (विश्व रैंकिंग 29) और बोटिच वान डे जैंडशल्प (67) की कमी हालांकि उसे खलेगी । ऐसे में भारत के लिये बराबरी का मौका रहेगा।